■ महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए आज होगा मतदान मुंबई पर सबकी निगाहें- 7

■ नीति आयोग के ईपीआई में शीर्ष पांच में उत्तर प्रदेश भी शामिल - 10

■ बेकाबू ट्रंप पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सांसदों ने रखा विधेयक - 11

■ डेथ-ओवर्स में केएल राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा - 12

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
6.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.06 सूर्यास्त 05.38

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी 08:16 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 15 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 52, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

वैष्णो देवी मंदिर की प्राकृतिक गुफा भक्तों के लिए फिर से खोली गई

कटरा/जम्मू। रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की ऐतिहासिक प्राकृतिक गुफा को मकर संक्रांति के मौके पर मंत्रोचारण के साथ श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अनुसार, ज्यादा तीर्थयात्रियों के आने की वजह से प्राकृतिक गुफा साल के ज्यादातर समय बंद रहती है। इसे आमतौर पर जनवरी और फरवरी में खोला जाता है, जब भीड़ कम होती है। मकर संक्रांति पर गुफा को फिर से खोलने का समय महत्वपूर्ण है क्योंकि यह त्योहार आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है।

अमेरिका ने पाकिस्तान बांग्लादेश समेत 75 देशों की वीजा प्रक्रिया रोकी

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासन ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए आप्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की है। यह कदम ऐसे प्रवासियों पर नकेल कसने के प्रयासों का हिस्सा है जो सरकार पर बोझ बन सकते हैं। यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक अमेरिका यह सुनिश्चित नहीं कर लेता कि नए आप्रवासी अमेरिकी जनता से धन संसाधन का दोहन नहीं करेंगे। (पेज 11 पर)

एक इनामी समेत 29 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दो लाख रुपए के एक इनामी माओवादी समेत 29 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस ने बताया कि जिले के गोगुंडा क्षेत्र के अंतर्गत केरलापाल एरिया कमेटी में सक्रिय 29 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से गोगुंडा पंचायत में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन के अध्यक्ष पोड़ियाम बुधरा के सर पर दो लाख इनाम है।

शबरिमला मामले में टीडीबी के पूर्व सदस्य को किया गया गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल स्थित प्रसिद्ध शबरिमला अयप्पा मंदिर से सोने की चोरी की जांच कर रही एसआईटी ने यहां के एक निजी अस्पताल से त्रावणकोर देवस्वोम (टीडीबी) के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को गिरफ्तार किया। मंदिर के द्वारपालों की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोना चोरी होने से संबंधित दो मामलों में टीडीबी के पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया गया।

ईरान में और बिगड़े हालात, भारतीयों को दी गई तुरंत देश छोड़ने की चेतावनी

विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, कई और देशों ने अपने नागरिकों को सतर्क किया

● ईरान में और तेज हुआ प्रदर्शन, मृतकों की संख्या 3428 हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने को कहा, क्योंकि देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गई है। भारत ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से भी बचने की सलाह दी। वहीं, ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। ईरान में मृतकों की संख्या बढ़कर 3428 हो गई है।

ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बाद पिछले महीने तेहरान में प्रदर्शन शुरू हुए। तब से ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं, और आर्थिक संकट के खिलाफ आंदोलन से शुरू होकर राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गए हैं। भारतीय दूतावास ने कहा कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के उपलब्ध साधनों का उपयोग करके देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। कहा कि लोगों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध प्रदर्शनों या रैलियों वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है। (संबंधित पेज-11)

ईरान सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करते प्रदर्शनकारी।

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से हालात पर की चर्चा

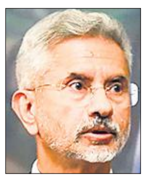

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की और वहां की बदलती परिस्थिति पर चर्चा की। यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब संभावित अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह बातचीत उसी दिन हुई, जब भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों के जरिए उस देश को छोड़ने की अपील की।

ईरान के सुप्रीम कोर्ट ने फांसी देने की बात कही

दुबई। ईरान के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने मंगलवार को एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों पर मुकदमे चलाए जाने और फांसी की सजा के बारे में टिप्पणी की। इस पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मृत्युदंड दिये जाने की स्थिति में वह बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे।

केंद्र से कश्मीरी छात्रों को वापस लाने की अपील

श्रीनगर। ईरान में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों के अभिभावकों ने वहां जारी तनाव के मद्देनजर केंद्र सरकार से उनके बच्चों को तुरंत वापस लाने की व्यवस्था करने की अपील की है। बड़ी संख्या में चिंतित अभिभावक यहां प्रेस एन्क्लेव में जुटे। एक अभिभावक ने कहा, हम सरकार से अपील करते हैं कि वे छात्रों को ईरान से सुरक्षित वापस लाएं।

हाईकोर्ट में ईडी बोली- गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गईं ममता

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने राजनीतिक परामर्श फर्म 'आई-पैक' के निदेशक प्रतीक जैन के कार्यालय एवं आवास पर ईडी की छापेमारी से संबंधित एक मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें उसने अपने डाटा की सुरक्षा का अनुरोध किया था। सुनवाई के दौरान ईडी और राज्य सरकार के बीच जबरदस्त बहस चली। कोर्ट ने कहा कि ईडी ने उसे अवगत कराया है कि उसने छापेमारी के दौरान आई-पैक निदेशक के कार्यालय व आवास से कुछ भी जब्त नहीं किया है।

ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत के समक्ष कहा कि एजेंसी ने इन दोनों परिसरों से कुछ भी जब्त नहीं किया है। एएसजी ने कहा कि एजेंसी ने जो कुछ भी जब्त किया था, उसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा वापस ले लिया गया था। तृणमूल कांग्रेस की याचिका का निस्तारण करते हुए न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने कहा कि ईडी और केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत दलीलों पर गौर करते हुए, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी की इस याचिका पर विचार करने के लिए और कुछ भी नहीं बचा है।

न्यायमूर्ति घोष ने ईडी की उस याचिका की भी सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें आठ जनवरी की घटनाओं की सीबीआई जांच का अनुरोध किया गया था, जब छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सॉल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय और निदेशक के दक्षिण कोलकाता के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर गई थीं। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी की याचिका की सुनवाई इस आधार पर स्थगित कर दी कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है जो फिलहाल, इसके समक्ष प्रस्तुत आवेदन के लगभग समान हैं। राजू ने दलील दी कि जब इसी तरह का कोई मामला शीर्ष कोर्ट के समक्ष लंबित हो, तो उच्च न्यायालय को उसी विषय पर मामले की सुनवाई करने से बचना चाहिए।

आई-पैक छापेमारी मामला

● हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका का किया निस्तारण, सुनवाई के दौरान ईडी और ममता सरकार के बीच जबरदस्त बहस

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को ईडी की एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित राज्य सरकार ने आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के परिसर में ईडी की जांच और तलाशी अभियान में बाधा डाली। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई कोयला घोटाले के सिलसिले में की थी। न्यायालय की वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है।

थाईलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 29 की गई जान

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बुधवार को एक यात्री ट्रेन पर निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली क्रेन के गिर जाने के बाद ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण 29 लोगों की मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए।

यह हादसा महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड रेल परियोजना निर्माण के दौरान हुआ। यह परियोजना चीन को दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकतर हिस्सों से जोड़ेगी। नाखोन रत्चासिमा प्रांत के जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, दुर्घटना उस वक्त हुई जब रेलवे के एक ऊंचे हिस्से का निर्माण करने के लिए इस्तेमाल की जा रही क्रेन बैंकॉक से उबोन रत्चाथानी प्रांत की ओर जा रही ट्रेन पर गिर गई। इस घटना के बाद ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

● मरने वालों में ज्यादातर स्कूली छात्र, 64 से ज्यादा घायल

दो दौर की काउंसिलिंग के बाद नीट-पीजी का कटऑफ घटाया

नई दिल्ली। देशभर में 18,000 से अधिक स्नातकोत्तर मेडिकल सीट खाली रहने के कारण, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान बोर्ड (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी 2025 प्रवेश के लिए अर्हता पर्सेंटाइल को संशोधित किया है।

अब आरक्षित श्रेणियों के लिए पर्सेंटाइल को 40 से घटाकर शून्य कर दिया गया है। मंगलवार को एनबीईएमएस द्वारा प्रकाशित नोटिस के अनुसार, सामान्य श्रेणी के लिए नीट पीजी का कटऑफ 50 पर्सेंटाइल से घटाकर सात पर्सेंटाइल कर दिया गया है। यह निर्णय दो दौर की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस संशोधन का उद्देश्य उपलब्ध सीटों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है, जो भारत में प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूत्रों ने कहा कि ऐसी सीटों का खाली रहना स्वास्थ्य सेवा में सुधार के प्रयासों को कमजोर करता है और बहुमूल्य शैक्षिक संसाधनों की हानि का कारण बनता है। नीट-पीजी एक रैंकिंग व्यवस्था के रूप में काम करता है, जिसका उद्देश्य केंद्रीकृत काउंसिलिंग के माध्यम से सीटों का पारदर्शी और मेरिट आधारित आवंटन सुनिश्चित करना है।

● देशभर में 18,000 से अधिक स्नातकोत्तर मेडिकल सीट खाली रहने के कारण लिया फैसला

प्रयाग में जनज्वार, 85 लाख ने लगाई डुबकी

● षटतिला एकादशी पर संगम में पूरे देश से स्नान करने पहुंचे श्रद्धालु
● सीएम ने की गोरखनाथ मंदिर में व्यवस्था की मॉनिटरिंग, पुण्यकाल में चढ़ाएंगे खिचड़ी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी के पावन संयोग ने प्रदेश को आस्था के विराट उत्सव में बदल दिया। प्रयागराज से लेकर गोरखपुर, काशी, अयोध्या व मथुरा तक श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। संगम तटों, मंदिर परिसरों और घाटों पर भोर से देर रात तक श्रद्धा, अनुशासन और सनातन चेतना का अद्भुत दृश्य दिखाई दिया।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान षटतिला एकादशी पर आस्था अपने चरम पर रही। पवित्र त्रिवेणी संगम में बुधवार शाम पांच बजे तक करीब 85 लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके थे। तट पर बड़ी संख्या में युवा श्रद्धालुओं की मौजूदगी सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का सशक्त संकेत बनी। सुदृढ़ व्यवस्थाओं के चलते स्नान, दान और पूजा-अर्चना का क्रम निर्बाध चलता रहा।

गोरखपुर, अयोध्या, काशी व मथुरा में भी आस्था का जनसैलाब

प्रयागराज : संगम तट पर माघ मेले के दूसरे स्नान पर्व एकादशी पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी।

गोरखनाथ मंदिर में उमड़ी भीड़

गोरखपुर : गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति से एक दिन पूर्व खिचड़ी पर्व पर आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। भोर से ही बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की कतारें मंदिर परिसर से बाहर तक फैल गईं। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को मकर संक्रांति के पुण्यकाल में ब्रह्म मुहूर्त में महायोगी गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी का भोग अर्पित करेंगे।

अन्य स्थलों पर पहुंचे श्रद्धालु

एकादशी के अवसर पर वाराणसी, अयोध्या और मथुरा में भी आस्था का सैलाब उमड़ा। काशी के गंगा घाटों पर सुबह से ही स्नान और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। अयोध्या में सरयू तट पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर प्रभु श्रीराम और बजरंगबली के दरबार में हाजिरी लगाई, जबकि मथुरा में यमुना घाटों और मंदिरों में भक्तों की भीड़ दिन भर उमड़ती रही।

बेटियों को कृषि भूमि में समान अधिकार देने को सरकार गंभीर है या नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजस्व संहिता के उत्तराधिकार संबंधी तीन प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर राज्य सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि अविवाहित, विवाहित और विधवा बेटियों को कृषि भूमि में समान अधिकार देने के संबंध में कैबिनेट की उप-समिति के गठन को लेकर सरकार की क्या मंशा है। मामले में अपर मुख्य सचिव, राजस्व स्वयं शपथपत्र देकर स्थिति स्पष्ट करें।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने सिद्धार्थ शुक्ला व अन्य की ओर से दाखिल जनहित याचिकाओं तथा रिट याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। सिद्धार्थ शुक्ला की याचिका में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 108, 109 और 110 को चुनौती दी गई है। याची की ओर से दलील दी गई कि उक्त प्रावधान एक विवाहित महिला को कृषि भूमि के उत्तराधिकार के लिहाज से निचले क्रम में रखते हैं जो संविधान के अनुच्छेद 14, 15(1) और 19(1)(जी) का स्पष्ट उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि उक्त विषय पर कैबिनेट की उप-समिति के गठन को लेकर सरकार की मंशा क्या है, उप-समिति के पुनर्गठन में कितना समय लगेगा। वह अपनी रिपोर्ट लगभग कितने समय में सौंपेगी। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि जिन प्रावधानों को महिला-विरोधी और असंवैधानिक बताया जा रहा है, उनकी संवैधानिक वैधता पर राज्य सरकार का स्पष्ट पक्ष क्या है।

● हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को रुख स्पष्ट करने का दिया आदेश

शोध

6 .6 करोड़ वर्ष पहले की जलवायु पर आधारित शोध में हुआ खुलासा

ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि हुई तो बदल जाएगा वर्षा का पैटर्न

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : ग्लोबल वार्मिंग में अधिक वृद्धि हुई तो वर्षा का पैटर्न भी बदल जाएगा। वैज्ञानिकों ने 6.6 करोड़ वर्ष पहले की जलवायु पर शोध कर यह निष्कर्ष निकाला है। तब पृथ्वी काफी गर्म थी और आज की तुलना में तापमान बहुत अधिक था। यह शोध अनियमित वर्षा, सूखे और बाढ़ जैसी आपदाओं की चेतावनी देता है।

इसमें दोराय नहीं कि मौसम वैश्विक समस्या बन चुका है जिसे लेकर पर्यावरण, जलवायु, तापमान और मौसम पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के माथे पर बल पड़ने लगे हैं। आम इंसान भविष्य के मौसम की भयावहता से भले ही अनभिज्ञ हो, लेकिन जानकार इसकी दुश्वारियों को समझते हैं और कोशिश करते हैं कि मुंह बाहे खड़ी इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए हमें पर्यावरण और जलवायु चक्र के सिस्टम को समझना होगा और वैश्विक ताप पर नियंत्रण पाना होगा। इसके लिए सामूहिक रूप से ठोस प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य का मौसम हमें माफ नहीं करेगा। इन खतरनाक भावी परिस्थितियों को समझने के लिए दुनिया में युद्ध स्तर पर शोध हो रहे हैं। इस कड़ी में एक नया शोध सामने आया है, जो 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व की जलवायु पर आधारित है जिसकी तुलना वर्तमान से कर भविष्य की जलवायु को लेकर आगाह करता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा व कोलोराडो स्कूल ऑफ माइंस के वैज्ञानिकों ने यह शोध किया है। शोध के अनुसार, तब डायनासोर खत्म हो चुके थे और तब कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा आज से दो से चार गुना अधिक थी। तापमान भी आज की तुलना में अधिक था। यह ऐसी परिस्थितियां थी, जो अनियमित वर्षा को जन्म देती हैं जिससे कभी जबर्दस्त बारिश तो कभी सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्ष भर होने वाली वर्षा की मात्रा भले ही एक समान हो, लेकिन इसकी तीव्रता में बदलाव आ जाता है।

यह चेतावनी, हर किसी को समझनी होगी

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह जलवायु को लेकर निरंतर अध्ययनरत हैं। वह कहते हैं कि पृथ्वी पर जलवायु का एक नियमित चक्र होता था और उसी आधार पर आर्थिक, सामाजिक, कृषि, धार्मिक और अनेक काम होते थे। अब यह चक्र गड़बड़ाने लगा है तो असमानताएं बढ़ जाएंगी जिसका असर समस्त जीव जंतुओं पर पड़ेगा। जलवायु को लेकर जो नया शोध सामने आया है वह एक और चेतावनी है जिसे हर किसी को समझना होगा।

मकर संक्रांति: सूर्य, संस्कृति, प्रकृति पूजन और संस्कारों का महापर्व

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें खगोल विज्ञान प्रकृति-पूजन, लोक परंपराएँ और सामाजिक जीवन एक सूत्र में बंधे दिखाई देते हैं। यह त्योहार किसी एक धर्म, क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और उत्तरायण होता है। तब यह केवल आकाशीय घटना नहीं रहती, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन में शुभता, ऊर्जा और नवचेतना का संकेत बन जाती है।

भारतीय पंचांग में सूर्य की गति का विशेष महत्व है। उत्तरायण को देवताओं का दिन और दक्षिणायन को रात्रि कहा गया है। महाभारत में भीष्म पितामह का उत्तरायण की प्रतीक्षा करना इस धारणा को और गहराई देता है। यह विश्वास केवल धार्मिक नहीं, बल्कि जीवन के प्रति भारतीय दृष्टिकोण को दर्शाता है कि सही समय, सही दिशा और सही चेतना का इंतज़ार भी एक साधना है। मकर संक्रांति हमें धैर्य, संयम और समय-चक्र के सम्मान का पाठ पढ़ाती है।

भारत कृषि प्रधान देश रहा है और मकर संक्रांति का सीधा संबंध किसान और खेत से जुड़ा हुआ है। यह पर्व रबी फसलों के आगमन का सूचक है। महीनों की मेहनत, प्रकृति की अनिश्चितता और श्रम के बाद जब अन्न घर आता है, तो उसका उत्सव मनाना भारतीय स्वभाव रहा है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को फसल उत्सव भी कहा जाता है। किसान के लिए यह केवल पर्व नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और कृतज्ञता का क्षण होता है-धरती, सूर्य, जल और श्रम के प्रति।

इस पर्व की सबसे सुंदर विशेषता इसकी क्षेत्रीय विविधता है। उत्तर भारत में यह मकर संक्रांति के रूप में, पंजाब में लोहड़ी, तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहू, गुजरात में उत्तरायण, महाराष्ट्र में तिलगुल, बंगाल में पौष संक्रांति और कर्नाटक-आंध्र में संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। नाम भले अलग हों, पर भाव एक ही है—नई शुरुआत, कृतज्ञता और सामूहिक उल्लास। यही एक भारत, श्रेष्ठ भारत की जीवंत तस्वीर है।

तिल और गुड़ मकर संक्रांति की सांस्कृतिक आत्मा हैं। आयुर्वेद के अनुसार तिल शीत ऋतु में शरीर को ऊर्जा और उष्मा प्रदान करता है। गुड़ पाचन और शक्ति का स्रोत है। लेकिन भारतीय परंपरा में इनका अर्थ केवल पोषण तक सीमित नहीं है। तिल-गुड़ खाओ और मीठा-मीठा बोलो जीवन का सामाजिक सूत्र है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जैसे तिल कड़वा होते हुए भी गुड़ की मिठास में समा जाता है, वैसे ही जीवन की कठोरताओं को प्रेम और संवाद से नरम किया जा सकता है।

मकर संक्रांति पर दान का विशेष महत्व बताया गया है। तिल, वस्त्र, अन्न, घी और कंबल का दान सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में दान को केवल पुण्य अर्जन नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का साधन माना गया है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि समाज की खुशहाली तभी संभव है, जब संपन्न वर्ग जरूरतमंद के साथ खड़ा हो। आज के उपभोक्तावादी युग में यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है।

इस पर्व का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत गहरा है। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी और अन्य पवित्र नदियों में स्नान की परंपरा आत्मशुद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। नदी भारतीय संस्कृति में केवल जलधारा नहीं, बल्कि जीवनदायिनी माँ है। मकर संक्रांति पर नदी-स्नान हमें स्मरण कराता है कि शुद्धता केवल शरीर की नहीं, विचारों और कर्मों की भी होनी चाहिए। पतंगबाजी मकर संक्रांति का एक अत्यंत जीवंत और लोक-रंजक पक्ष है। विशेषकर गुजरात और उत्तर भारत में यह उत्सव आकाश को रंगों से भर देता है। पतंग केवल खेल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतीक है-उड़ान की आकांक्षा, सीमाओं से ऊपर उठने का साहस और संतुलन का अभ्यास। पतंग तभी उड़ती है जब उसकी डोर संतुलित हो; यही जीवन का भी सत्य है कि स्वतंत्रता और अनुशासन दोनों साथ हों।

भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल आनंद के अवसर नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। मकर संक्रांति पर बुज़ुर्ग अपनी परंपराएँ और अनुभव साझा करते हैं, बच्चे लोकगीतों और खेलों से संस्कृति को आत्मसात करते हैं और परिवार एक साथ समय बिताता है। यह सामूहिकता आधुनिक जीवन की एकाकी प्रवृत्ति के लिए औषधि है। आज के समय में, जब त्योहार अक्सर दिखावे और बाज़ारवाद की भेंट चढ़ते जा रहे हैं, मकर संक्रांति हमें सादगी और संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह पर्व बताता है कि आनंद महंगे उपहारों में नहीं, बल्कि साथ बैठकर तिल-गुड़ बाँटने, लोकगीत गुनगुनाने और आकाश की ओर देखकर मुस्कुराने में है। मकर संक्रांति मूलतः परिवर्तन का उत्सव है-ऋतु का, दिशा का और दृष्टि का। यह हमें सिखाती है कि जीवन में जब अंधकार बढ़े, तब प्रकाश की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कार है। सूर्य की तरह निरंतर आगे बढ़ते रहना, सबको समान ऊर्जा देना और अपनी तपन से जीवन को आलोकित करना-यही इस पर्व का शाश्वत संदेश है। मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति की उस निरंतर बहती धारा का प्रतीक है, जिसमें परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चलती हैं। यह पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर आशा से देखने की प्रेरणा देता है। उत्तरायण केवल सूर्य का नहीं, बल्कि समाज और चेतना का भी होना चाहिए। यही मकर संक्रांति की सबसे बड़ी सीख है।

-जयदेव राठी भराण

न्यूज ब्रीफ

योगी ने मकर संक्रांति पर दी शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मकर संक्रांति और खिचड़ी पर्व के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति देश के विभिन्न राज्यों में विविध नामों और परंपराओं के साथ श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाता है। यह विविधता भारत की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करती है। मुख्यमंत्री ने पर्व को पारंपरिक श्रद्धा, आपसी सौहार्द और सामाजिक दायित्व के साथ मनाने की अपील की।

कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर्स को 2.06 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधीन संचालित कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर्स में विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था के लिए दो करोड़ छह लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने से योजना से संबद्ध उद्यम निर्बाध तरीके से पूरी क्षमता के साथ संचालित होंगे। यह बजट उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उस आदेश के बाद स्वीकृत किया गया है, जिसमें उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि कामन इन्क्यूबेशन सेंटर्स को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने के लिए आवश्यक सभी कार्यवाहियां प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाएं, ताकि युवाओं एवं उद्यमियों को अधिकतम लाभ मिल सके।

अटल विद्यालयों में प्रवेश के लिए की अपील

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा लेबर अड्डों पर लगाए गए शिविरों में श्रमिकों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अटल आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन करने का आह्वान किया गया। राजधानी में बुधवार को लगाए शिविर में अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि बोर्ड की किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक का पंजीकरण अनिवार्य है, जिसे सीएससी ई-डिस्ट्रिक्ट, ई-गवर्नेंस सेंटर अथवा बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in के माध्यम से कराया जा सकता है। शिविरों में प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर पात्र श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण एवं नवीनीकरण भी कराया गया। उप्र.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए राजधानी में लेबर अड्डा मोहनलालगंज, बुद्धेश्वर तथा बाराबिरवा, आशियाना में शिविर आयोजित हुए।

पसीना वाले हनुमान मंदिर का होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र.पर्यटन विभाग ने फिरोजाबाद में पसीना वाले हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास का निर्णय लिया है। लगभग 2000 वर्ष प्राचीन माने जाने वाले इस ऐतिहासिक और चमत्कारिक मंदिर को शासन द्वारा एक करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। मान्यता है कि यहां विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा से वर्ष भर निरंतर पसीना निकलता रहता है, चाहे भीषण गर्मी हो या कड़ाके की ठंड। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि पसीना वाले हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यटन विकास परियोजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा, बैठने एवं विश्राम स्थलों का निर्माण प्रस्तावित है।

जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनेगा मायावती का जन्मदिन

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती का जन्मदिन गुरुवार

15 जनवरी को 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। पार्टी द्वारा देशभर में तथा विशेष रूप से उप्र. में जन्मदिन मनाने की घोषणा की गई है। साथ ही इस मौके पर राजधानी में माल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में बसपा प्रमुख की ब्लू बुक 'मेरे संघर्षमय जीवन एवं बीएसपी मूवमेंट का सफरनामा' भाग-21 तथा इसके अंग्रेजी संस्करण का विमोचन किया जाएगा। पार्टी कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों प्रातः 11 बजे शुरू होने वाले समारोह में उप्र. एवं देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर मायावती की ओर से अपने विचार रखे जाने की संभावना है।

तीन कंट्रोल सेंटर, 1800 बसें, रिंग रेल सेवा से संभाली रिकॉर्ड भीड़

षटतिला एकादशी व मकर संक्रांति पर 85 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई पुण्य की डुबकी, प्रशासन रहा हाई अलर्ट पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- ड्रोन और सीसीटीवी से पूरे मेला क्षेत्र पर रखी जा रही नजर

अमृत विचार: प्रयागराज के पवित्र संगम तट पर आयोजित माघ मेले में षटतिला एकादशी और मकर संक्रांति स्नान को लेकर अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। माघ मेला प्रशासन के अनुसार, बुधवार को भोर से ही श्रद्धालु संगम और आसपास के घाटों पर पहुंचने लगे। परंपरागत रूप से 14 जनवरी को ही मकर संक्रांति मानकर स्नान करने वालों की संख्या शाम तक 85 लाख को पार कर गई।

षटतिला एकादशी और अपराह्न बाद मकर संक्रांति के पुण्य मुहूर्त के संयोग से संगम क्षेत्र में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी मौजूदगी के बीच "हर-हर गंगे" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि दोपहर 12 बजे तक ही करीब 50 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या को देखते हुए मेला प्रशासन पहले से ही सतर्क रहा। प्रशासन की ओर से 24 स्नान घाटों का निर्माण कराया गया है, जिनकी कुल लंबाई बढ़ाकर 3.69 किलोमीटर कर दी गई है। घाटों के किनारे महिलाओं के लिए 1200 से अधिक चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। पहली बार पक्के घाटों के पास कैनोपी आकार के अस्थायी फोल्डिंग चेंजिंग रूम भी तैयार किए गए। भीड़ की सतत निगरानी के लिए पहली बार तीन कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं- एक आईटी ट्रिपल-सी, दूसरा पुलिस लाइन और तीसरा जिला कलेक्ट्रेट में। इन कंट्रोल सेंटरों से ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है।

रोडवेज-रेलवे समन्वय से सुगम आवागमन : श्रद्धालुओं के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए रोडवेज और रेलवे पूरी तरह एक्शन मोड में रहे। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा

मकर संक्रांति पर्व पर प्रयागराज में चल रहे माघ मेला के दौरान संगम पर पवित्र स्नान करती श्रद्धालुओं की भीड़। एजेंसी

के अनुसार, रोडवेज की 1800 बसों को लगाया गया है, जबकि क्यूआरटी टीमें हर आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात हैं। रेलवे की ओर से 8 रिंग रेल सेवाओं का संचालन पूरे मेला काल में किया जा रहा है। इसके अलावा 16 ट्रेनों को प्रयागराज रामबाग और झूसी स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव दिया गया है। जंक्शन स्टेशन पर 1.20 लाख यात्रियों की क्षमता वाले 18 यात्री आश्रय स्थल बनाए गए हैं और 1186 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

ईवी चार्जिंग नेटवर्क में यूपी की बढ़ी हिस्सेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : देश भर में स्थापित कुल 29,151 ईवी चार्जिंग स्टेशनों में उत्तर प्रदेश का बड़ा योगदान है। प्रदेश में मौजूद 2,316 स्टेशनों में 540 फास्ट चार्जर और 1,776 स्लो चार्जर शामिल हैं। यह संतुलित नेटवर्क शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा जैसे प्रमुख शहरों में चार्जिंग सुविधाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

योगी सरकार प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग अवसंरचना के विकास में उत्तर प्रदेश ने देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। बीते पांच वर्षों में प्रदेश में कुल 2,316 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं।

22 ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों को 7.18 करोड़ रुपये जारी

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीतापुर, लखीमपुर, बांदा सहित कई जिलों में होंगे चौराहा-टी जंक्शन सुधार

अमृत विचार: प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत रोड सेफ्टी योजना के अंतर्गत दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में चिन्हित ब्लैक स्पॉट के सुधार, सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए 22 चालू परियोजनाओं पर कुल 7.18 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। यह धनराशि लोक निर्माण विभाग के माध्यम से खर्च की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार, यह राशि मेरठ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, मथुरा, फिरोजाबाद, प्रतापगढ़, बदायूं, बांदा, बुलंदशहर सहित

विभिन्न जिलों में सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों पर खर्च की जाएगी। इनमें प्रमुख रूप से टी-जंक्शन, चौराहों, स्टेट हाईवे और जिला मार्गों पर क्रैश बैरियर, स्लिप रोड, रोटरी, चौड़ीकरण एवं अन्य संरचनात्मक सुधार शामिल हैं।

दुर्घटनाओं पर लगाम के लिए केंद्रित रणनीति : शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि यह सभी कार्य रोड सेफ्टी योजना के तहत चिन्हित दुर्घटना बाहुल्य स्थलों पर ही कराए जाएंगे। प्रत्येक परियोजना के लिए पूर्व में जारी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियों की शर्तों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा। धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत कार्यों पर ही किया जाएगा और किसी अन्य मद में व्यय नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्यों में विलंब या लागत वृद्धि की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्णता, गुणवत्ता नियंत्रण और उपयोगिता प्रमाण पत्र समय से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

फेफना जंक्शन पर दो एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : फेफना जंक्शन पर दो एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को स्वीकृति मिल गई है। यह स्वीकृति प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु के प्रयासों से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदान की गई है। आयुष मंत्री ने बताया कि उन्होंने 6 सितंबर 2024 को केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र भेजकर फेफना जंक्शन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग की थी। रेल मंत्रालय ने इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए ठहराव की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने बताया कि छपरा-फर्रुखाबाद उत्सर्ग एक्सप्रेस तथा बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेनों के फेफना जंक्शन पर ठहराव से आवागमन में सुविधा मिलेगी।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए 895 करोड़ मंजूर

आगरा-लखनऊ को गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा नया कॉरिडोर, यूपीडा को सौंपी गई परियोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हरदोई से फर्रुखाबाद जिले तक प्रस्तावित एक्सप्रेसवे होगा प्रवेश नियंत्रित

अमृत विचार: आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने इस उद्देश्य से प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए 895 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। यह प्रवेश नियंत्रित एक्सप्रेस-वे हरदोई से फर्रुखाबाद तक विकसित किया जाएगा, जिससे मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

यह परियोजना बीते वर्ष स्वीकृत की गई थी और इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को सौंपी गई है। एक्सप्रेस-वे के निर्माण से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे के बीच सीधा, तेज और सुरक्षित संपर्क स्थापित होगा, जिससे यातायात का दबाव घटेगा और यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

छह जिलों में होगा भूमि अधिग्रहण

शासनादेश के अनुसार, इस परियोजना के लिए इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, हरदोई और शाहजहांपुर जिलों में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिलाधिकारियों को धनराशि जारी करने का निर्णय लिया गया है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होते ही परियोजना के निर्माण कार्य को गति दी जाएगी। अधिग्रहण के लिए इटावा को 75 करोड़, कन्नौज को 63 करोड़, मैनपुरी को 300 करोड़, फर्रुखाबाद को 466.20 करोड़, हरदोई को 21 करोड़ और शाहजहांपुर जिले को 26.50 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

विकास और निवेश को मिलेगा बढ़ावा : ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण से न केवल क्षेत्रीय आवागमन सुदृढ़ होगा, बल्कि औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। कृषि उत्पादों और औद्योगिक माल की आवाजाही सुगम होने से संबंधित जिलों की आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

परिजन को दी आर्थिक मदद

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बुधवार को मेरठ के सरधना क्षेत्र में युवक सोनू कश्यप की हत्या के बाद मृतक के परिजन से मुलाकात कर आर्थिक सहायता देते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री ने मृतक के परिजन को अपनी ओर से एक लाख रुपये की निजी आर्थिक सहायता प्रदान की तथा शासन स्तर से सभी वैधानिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को घटना की निष्पक्ष, त्वरित एवं गंभीर जांच के निर्देश दिए।

निर्यात तैयारी सूचकांक में यूपी की बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ने निर्यात के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तैयारी सूचकांक (इपीआई) 2024 में ओवरऑल चौथा स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही भू-आबद्ध (लैंडलॉक्ड) राज्यों की श्रेणी में पहले स्थान पर पहुंच गया है। समुद्री तट न होने के बावजूद शीर्ष राज्यों में पहुंचना इस बात का संकेत है कि योगी सरकार ने संरचनात्मक सुधार, नीति समर्थन और सक्रिय हैंडहोल्डिंग से राज्य ने निर्यात के क्षेत्र में नया राष्ट्रीय मॉडल प्रस्तुत किया है।

वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश जहां ओवरऑल सातवें स्थान पर था, वहीं मात्र दो वर्षों में तीन पायदान की यह छलांग योगी सरकार की निर्यात-प्रोत्साहन नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण मानी जा रही है। राज्य ने निर्यात को केवल व्यापार तक सीमित न रखते हुए उसे रोजगार, निवेश और क्षेत्रीय संतुलन से जोड़ा। उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति, एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, लॉजिस्टिक्स सुधार, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और ड्राई पोर्ट जैसी पहलों ने निर्यात तत्परता को नई रफ्तार दी है।

दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने पर भी हेलमेट अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अब दोपहिया वाहन में पीछे बैठने वालों को भी हेलमेट पहना जरूरी हो गया है। यानी दोपहिया वाहन पर सवारी करने वाले दोनों व्यक्तियों को आईएसआई प्रमाणित हेलमेट अनिवार्य हैं। बिना हेलमेट सवारी करने पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194-डी के तहत एक हजार रुपये का जुर्माना या वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह तक निलंबित किया जा सकता है।

यह निर्देश परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने जारी कर दिए हैं, उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में लगातार बढ़ रही मौतों के पीछे दोपहिया वाहन चालकों एवं पीछे बैठने वाली सवारी (पिलियन राइडर) द्वारा हेलमेट न पहनना बड़ा कारण है। इसलिए कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि प्रदेश के सभी दोपहिया वाहन विक्रेता (डीलर्स) वाहन क्रेता को अनिवार्य रूप से दो बीआईएस मानक के अनुरूप आईएसआई मार्क हेलमेट, चालक और पिलियन सवार के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इसका प्रमाण-पत्र वाहन पंजीकरण से संबंधित दस्तावेजों के उपलब्ध कराया जाएगा। वाहन पंजीयन पोर्टल पर भी इसकी जानकारी अपलोड करायी जाएगी।

ई-ऑफिस से काम न करने पर वेतन रोकने की चेतावनी

मंडलायुक्त व जिलाधिकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस से करें कार्य : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने निर्देश दिए कि मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी कार्यालयों में मैनुअल फाइलिंग पूरी तरह बंद कर ई-ऑफिस के माध्यम से ही कार्य किया जाए। एक माह के भीतर प्रदेश की सभी तहसीलों को ई-ऑफिस से जोड़ा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस का उपयोग अब मुख्य विकास अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय आख्या का हिस्सा होगा। उन्होंने नियमित उपयोग न करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों का वेतन रोकने की भी चेतावनी दी।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं

वीडियो कांफ्रेंसिंग से मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। गोयल ई-ऑफिस की समीक्षा करते हुए नाराजगी जताई कि कई जिलों में सिस्टम लागू होने के बावजूद उसका समुचित उपयोग नहीं हो रहा है। मुख्य सचिव ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि 'गोल्डन आवर' में त्वरित और निःशुल्क इलाज सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। यह सुविधा आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध होगी। परिवहन विभाग, पुलिस, अस्पतालों और स्वास्थ्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया।

स्थायी हेलीपैड और फार्मर रजिस्ट्री पर जोर : मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी जिले, तहसील और विकास खंड मुख्यालयों पर स्थायी हेलीपैड निर्माण के प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग को एक सप्ताह में उपलब्ध कराए जाएं। फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा गया कि पीएम किसान योजना के सभी लाभार्थियों की आईडी 31 मार्च तक सुनिश्चित की जाए। आयुष्मान कार्ड से शेष परिवारों को जोड़ने के लिए 90 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

पहल | 19 जनवरी से मथुरा वेटरनरी कॉलेज में प्रशिक्षित किए जाएंगे चिकित्सक

नवाचार और प्रसार से बढ़ेगा यूपी में पशुपालन

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश का पशुपालन विभाग नवाचार और प्रसार के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति देगा। इसके लिए 19 जनवरी से मथुरा वेटरनरी कॉलेज में प्रत्येक जिले से दो चिकित्सक पांच दिवसीय प्रशिक्षण पर भेजे जाएंगे। जो मास्टर ट्रेनर के तौर पर विशेषज्ञों द्वारा पशुओं के उपचार की नई तकनीक सीखेंगे। पोल्ट्री फार्म, गोशाला, डेयरी आदि का भ्रमण करेंगे। सेवाओं और योजनाओं का पशुपालकों के बीच जाकर और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसार करने के तौर-

तरीके सीखकर जिलों के संबंधित अधिकारी, पशु चिकित्सक, पशुधन प्रसार अधिकारी और पशुमैत्री को प्रशिक्षित करेंगे।

ये सभी पशुपालकों के बीच जाकर पशुओं की बेहतर देखभाल, कृत्रिम गर्भाधान, उनकी ग्रोथ, समय-समय पर टीकाकरण, सीमन, गंभीर बीमारी व घायल स्थिति में उनका उपचार आदि की जानकारी देंगे। साथ ही इन्हीं पशुओं से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए दुग्ध, अंडा, सीड, मांस व ऊन उत्पादन को बढ़ाने में सहयोग करेंगे। इसके अलावा अन्य व्यवसाय जैसे गोबर से बनी खाद आदि से आय अर्जित करने के तरीके बताएंगे, क्योंकि उपचार में अच्छी व नई तकनीक और पशुपालकों की जागरूकता से पशु स्वस्थ रहेंगे। प्रसार में भी नई तकनीक अपनाई जाएगी।

तीन बैच में जाएंगे 150 चिकित्सक : विभाग ने 'पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना' का विस्तार किया है। इस क्रम में तीन बैच में 50-50 चिकित्सक मथुरा जाएंगे। इनके लौटने पर ब्लॉकों पर बड़े व छोटे पशुओं का अलग-अलग 100-100 पशुपालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वर्ष 2019 की गणना के अनुसार पशु संख्या

- गोवंश 190.20 लाख
- महिषवंश 330.17 लाख
- भेड़ 9.85 लाख
- बकरी 114.8 लाख
- सूकर 4.09 लाख

वर्ष 2023-24 में उत्पादन की स्थिति

- दुग्ध 387.79 लाख मीट्रिक टन
- अंडा 589.48 करोड़
- मांस 1259 हजार टन
- ऊन 8.28 लाख किलो ऊन

> उपचार और प्रसार में नई तकनीक से पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। पशुपालक सेवाएं और योजनाओं के प्रति जागरूक होंगे। इनके बेहतर स्वास्थ्य और देखभाल से उत्पादन बढ़ने से अर्थव्यवस्था में इजाफा होगा।
>
> - डॉ. मेम पाल सिंह, निदेशक प्रशासन एवं विकास, उप्र

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 15 जनवरी 2026

अनिरुद्धपुर गोशाला में एक दर्जन से ज्यादा गोवंश मरे

आंवला में कई दिन से हो रही थी पशुओं की मौत, बजरंग दल ने किया हंगामा, एडीएम और एसडीएम ने कहा स्थिति बदतर

आंवला क्षेत्र के अनिरुद्धपुर गोशाला का निरीक्षण करतीं एडीएम पूर्णिमा सिंह और एसडीएम विदुषी सिंह व बीडीओ।

गोशाला पहुंचे विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, राजपुर कलां/अलीगंज

अमृत विचार :आंवला क्षेत्र में अनिरुद्धपुर गोशाला में ठंड उचित देखभाल के अभाव और चारा नहीं मिलने से एक दर्जन से ज्यादा गोवंशों की मौत हो गई। कई पशुओं की आंखे कौवे नोच ले गये। पशुओं की मौत एक दिन में नहीं हुई है। यह सिलसिला कई दिनों से चला आ रहा था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के हंगामे के बाद यह खुलासा हुआ और अफसर मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने भी यहां की स्थिति बदतर बताई। पशुओं के मरने की संख्या इतनी ज्यादा है कि एसडीएम यह नहीं बता पाई कि कितने पशुओं की मौत हुई है। बरेली से पहुंची एडीएम ने मामले की जांच एसडीएम से करने को कहा है। एसडीएम ने कहा कि गोशाला संचालन में जो भी जिम्मेदार होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने अफसरों को बताया कि गोशाला में मौजूद ट्रैक्टर से पशुओं को घसीटकर जेसीबी से पहले से खुदवाए गड्ढे में फेंक दिया जाता था। सीओ नितिन कुमार ने ट्रैक्टर सीज करने के निर्देश दिये। पुलिस ने ट्रैक्टर को थाने में खड़ा करा लिया है। बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष ने गोशाला में 20 से 25 पशुओं की मौत होने की बात कही है।

- **बीडीओ-वीडीओ को लगाई फटकार, पशु चिकित्सक से भी होगा जवाब तलब**
- **पशुओं की आंखे कौवे ले जाने और खुदे गड्ढे में मृत पशुओं को फेंकने का आरोप**
- **पुलिस ने ट्रैक्टर किया सीज पशुओं के पानी पीने के टैंक भी गंदे**

मझगवा विकासखंड की ग्राम पंचायत अनिरुद्धपुर गोशाला में गोवंशों की मौत की सूचना पर विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता मिलने पर पहुंचे आरोप है कि केयर टेकर ने उन्हें धमकाया । कार्यकर्ताओं ने घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए हंगामा किया और एसडीएम , सहित जिलास्तरीय अफसरों की गोशाला में हो रही अनियमितता की जानकारी दी। इसके पहले बीडीओ सुनील कुमार शर्मा ने भी गोशाला पहुंचकर वहां की स्थिति दयनीय बताई।

सूचना पर पहुंची एसडीएम आंवला विदुषी सिंह के सामने भी बजरंग दल विहिप कार्यकर्ताओं ने हंगामा और नारेबाजी की और जिम्मेदार अफसर कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने मौके पर बीडीओ और ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह को फटकारा। एसडीएम ने भी पाया कि गोशाला में हर तरफ गंदगी है। गोवंश गोबर में ही बैठा है। ठंड से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं है और वह सूखा चारा खाने को मजबूर है। पर्याप्त मात्रा में चारा न मिलने से गोवंश काफी कमजोर हो चुका है। गोवंश को पीने के लिए पानी के टैकों में ठंडा और गंदा पानी है। पोर्टल पर गोशाला में 365 पशु है उनकी देखभाल के लिए सात केयर टेकर हैं। ग्रामीणों ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं को बताया कि गोशाला में थ्री व्हीलर से कुछ लोग आते हैं और गोवंश की खाल और हड्डियां ले जाते हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि केयर टेकरों ने गोशाला में पहले से ही जेसीबी से गड्डे खुदवा रखे हैं। गोवंश के मरने पर उन्हें बांधकर इन्हीं गड्डों में फेंक दिया जाता है। ग्रामीणों का आरोप था कि गौशाला में खड़े एक ट्रैक्टर से मरने से पहले ही गोवंश को बांधकर गड्ढे में फेंक दिया जाता है।

बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष शिवांश शर्मा ने बताया कि गोशाला में 20 से 25 पशुओं की मौत हुई है। यह एक दिन में नहीं कई दिनों से हो रही है। इस दौरान प्रखंड उपाध्यक्ष नवीन ठाकुर,नगर संयोजक,हर्ष गुप्ता, देवांश गुप्ता अमन गुप्ता, विवेक वर्मा, संजीव शर्मा, हरपाल वर्मा, विशाल चौहान, अजय चौहान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोशाला पहुंचने का रास्ता दुर्गम, नियमित निरीक्षण करने को जाने से बचते हैं अफसर

ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला जंगल में है। यहां तक जाने के लिए रास्ता भी काफी दुर्गम है। इसी वजह से अधिकारी नियमित निरीक्षण को नहीं पहुंचते हैं। इस गौशाला की जिम्मेदारी महिला ग्राम प्रधान के साथ महिला ग्राम सचिव पर है। जब पुरुष अधिकारी यहां आसानी से नहीं पहुंच पाते तो महिला प्रधान और ग्राम सचिव कैसे पहुंच पाएंगी। महिला प्रधान का सारा काम उनके पति दिनेश कुमार करते हैं। इस संबध में वह भी कोई जवाब नहीं दे पाये। गौशाला में मौजूद सीओ नितिन कुमार ने थाना पुलिस को ट्रैक्टर थाने ले जाकर सीज करने का निर्देश दिया । यह भी चर्चा है कि गोशाला में 10 से 15 गोवंश मृत अवस्था में पाए गए हैं। आठ गोवंश की हालत दयनीय है और वह अंतिम सांस से ले रहे हैं। इनमें से कई गोवंश की आंखे तक चील कौवे नोच कर खा गये हैं।

डीएम के आदेश का नहीं किया पालन

डीएम ने ठंड की शुरुआत में ही सभी गोशालाओं में पशुओं को ठंड से बचाव के लिए जरूरी उपाय करने और उनके चारे आदि की व्यवस्था चौकस रखने के निर्देश दिये थे लेकिन अफसरों ने आदेश का पालन कागजों में ही दिखाया। यही वजह रही कि आंवला के अनिरुद्धपुर गौशाला में अफसरों ने नियमित निरीक्षण करना मुनासिब नहीं समझा। डीएम के निर्देश में वह सब कुछ शामिल था जो अनिरुद्धपुर की गोशाला में नहीं हो रहा था। उन्होंने तो पशुओं के पीने वाले पानी के साथ साथ उसके स्थान को भी साफ रखने के निर्देश दिये थे। ठंड में सर्दी से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश भी दिये गये थे।

इसी ट्रैक्टर से मृत पशुओंको बांधकर गड्ढों में फेंका जाता था। इसे सीज किया ।

एडीएम ने माना गोशाला पर नहीं दिया गया ध्यान

एडीएम पूर्णिमा सिंह ने बताया कि गोशाला की स्थिति बहुत खराब है। कोई ध्यान नहीं दिया गया है। मृत गोवंश का अंतिम संस्कार नियम के अनुसार नहीं किया गया। गोवंशों के उपचार की व्यवस्था भी ठीक नहीं दिख रही है। संचालन और मानीटरिंग करने वालों ने अपनी जिम्मेदारी कितनी निष्पक्षता से निभाई इसकी जांच के निर्देश एसडीएम को दिये हैं। लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी।

एसडीएम बोलीं, जांच कर दोषी पर कार्रवाई

एसडीएम विदुषी सिंह ने कहा काफी देर से वह मौके पर मौजूद हैं। गोशाला को देखा है लेकिन इतनी देर में उन्हें प्रधान नहीं दिखे हैं कहीं न कहीं संचालन में गैरजिम्मेदाराना रवैया रहा है। इसलिए वह सामने आने से बच रहे हैं। गोशाला में काफी अनियमितताएं मिली हैं। गोशाला का संचालन करने वालों की कमी रही है। इसके लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। कितने पशुओं की मौत हुई है। इसके उत्तर में एसडीएम ने बताया कि इसकी जानकारी नहीं है।

दरवाजे पर पेशाब करने से मना किया तो फोड़ा सिर

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: घर के दरवाजे पर पेशाब करने से मना किया तो नशेड़ी ने गालियां देना शुरु कर दिया। ऐसा करने से मना किया तो शराबी ने देख लेने की धमकी दी और चला गया और डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि उसके साथ मारपीट कर रूपये छीन लेने की सूचना दी। सूचना पर पुलिस तो नहीं पहुंची लेकिन वही नशेड़ी अपने साथियों के साथ उसी स्थान पर पहुंचकर वहां मौजूद युवक के सिर पर कड़ा मार कर उसे घायल कर दिया। युवक पक्ष के लोग उसे मारने दौड़े तो वह भाजपा एमएलसी के घर में घुस गया। उसके पीछे मारने वाले लोग भी घुस गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली ले आई। शेष की तलाश में दबिश दी जा रही है।

- **पकड़ने को पीछा किया तो एमएलसी के आवास में घुसा, पुलिस ने दोनों पक्षों को पकड़ा**

मोहल्ला लाईन पार पंचम यादव मोहल्ला साहूकारा से सब्जी मंडी होते हुए जा रहे थे। रास्ते में वह साहूकारा निवासी गुड्डू के घर के पास नाली में पेशाब करने लगे। गुड्डू ने विरोध किया तो पंचम गालियां देने लगा। इस पर मोईन,आफताब आदि लोग एकत्र हो गये तो पंचम वहां से चले गये कुछ देर बाद पंचम अपने चार अन्य साथियों के साथ वापस आकर गाली गलौज करने लगा तो फिर विरोध किया गया।

इस पर पंचम ने हाथ में पहने कड़े से विरोध करने वाले मोईन के सिर पर प्रहार कर दिया। इससे उसका सिर से खून बहने लगा। । शोर सुनकर एकत्र हुई भीड़ के आठ दस लोगों ने पंचम को मारने दौड़े तो पंचम ने अपने को बचाते हुए भाजपा एमएलसी महाराज सिंह के आवास में घुस गया। जहां पीछे से मोईन और अफताब उन लोग भी पहुंच गए जिसकी सूचना पर पहुंची पुलिस फोर्स ने दोनों पक्षो के आरोपियों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गए जहां उनसे पूछताछ चल रही है जबकि मौके से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ताबड़तोड़ दविश दे रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी सक्रिय हो गई है। कौन-कौन लोग भागते हुए आए। वह सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। शराबी को मारने को पीछा करते हुए आए लोगों की भीड़ से कुछ लोग पहले घर के बाहर खड़े रहे। भीतर से निकले युवक ने उनके साथ बहस भी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। घर के बाहर शोरगुल सुनकर महिलाएं भी बाहर निकल आई हैं।

774 ग्राम चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

भोजीपुरा, ,संवाददाता,

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार की शाम बिलवा पुल के पास से दो लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए दोनों आरोपियों के कब्जे से 774 ग्राम चरस दो मोबाइल व 9500 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस ने एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है।

प्रभारी भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह ने हमराह पुलिस कर्मियों के साथ मंगलवार की शाम गश्त के दौरान गुप्ता सूचना के बाद बिलवा पुल के नीचे से दो लोगों को दबिश देकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी राजकुमार उर्फ राजू पर 654 ग्राम चरस एक मोबाइल 5000 रुपये बरामद किए । दूसरे आरोपी भरतवीर पर 120 ग्राम चरस एक मोबाइल 4500 रुपये बरामद किए। पकड़े गए आरोपी राजकुमार उर्फ राजू गुलशन नगर आर्य हास्पिटल के पास नबावगंज का रहने वाला है।

गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

दूसरा आरोपी भरतवीर ग्राम ईंध जागीर नबावगंज का रहने वाला है। पकड़े गए दोनों आरोपी चरस तस्करी के धंधे में लिप्त हैं। उक्त आरोपियों के कब्जे से एक सोनेट कार भी बरामद हुई है।

उन्होंने बताया कि राजकुमार उर्फ राजू के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आठ मुकदमें नवाबगंज में दर्ज हैं। भरतवीर पर एक मुकदमा नबावगंज में दर्ज है। पुलिस ने दोनों के लिए खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आज कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

युवक पर लाठी-डंडों से हमला तीन पर रिपोर्ट

नवाबगंज अमृत विचार : रंजिश के चलते दबंगों ने एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पत्नी की तहरीर पर थाना नवाबगंज में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कस्बे के मोहल्ला काहरान निवासी तुलसी पत्नी अरविंद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मोहल्ले के ही मुन्ना, सूरज और विजय ने उसके पति से करीब पांच हजार रुपये उधार लिए थे। रुपये वापस मांगने पर आरोपी रंजिश मानने लगे। आरोप है छह जनवरी को तीनों आरोपियों ने अरविंद पर लाठी-डंडों और बांके से हमला कर दिया। मारपीट में अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद परिजन ने पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैने अपने पुत्र सोफाली व पुत्र वधू पूजा के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर संबंध विच्छेद व चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है आज से इनके द्वारा किये गये लेन-देन कृत्यों आदि को लेकर वह स्वम जिम्मेदार होंगे मेरे व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **सरला देवी पत्नी महीपाल वार्ड एक कस्बा उसहैत थाना-उसहैत (बदायूँ)**

सूचना

मैं एम.ई.एस. बरेली में कार्यरत हूं। मेरा एम.ई.एस. नं. 448803 है। मेरे सर्विस अभिलेखों में मेरी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी का नाम नामिनी में दर्ज है। मेरी पत्नी दिनांक 10.11.1995 से लापता है जिनकी मैंने न कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी और न ही अखबार में। मैं अपने सर्विस अभिलेखों में नामिनी लक्ष्मी देवी के स्थान पर अपने भाई नरेश कुमार पुत्र स्व. सोहन लाल को नामिनी बनाना चाहता हूं। उक्त नाम को मेरे सर्विस अभिलेखों में दर्ज किया जाये। **सुरेश कुमार पुत्र स्व. श्री सोहन लाल निवासी- 106 गायत्री नगर, एयरफोर्स गेट, इज्जतनगर, जिला बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज
स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर
मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

शाही में अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर

मकड़ीखोए गांव में अवैध कब्जा कर बनाई गईं थीं चार दुकानें, 3 साल बाद कब्जामुक्त कराई जमीन

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : थाना शाही क्षेत्र के गांव में जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई गई चार दुकानो को जमींदोज कर दिया गया। कोर्ट के आदेश पर बुधवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके बाद वादी पक्ष को जमीन पर कब्जा दिलवा दिया गया।

शाही में अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज किया गया। ● अमृत विचार

बुधवार को सिविल न्यायालय अमीन राकेश कुमार के नेतृत्व में थाना शाही, फतेहगंज पश्चिमी, मीरगंज, आंवला, सिरौली सहित पांच थानों की पुलिस एवं एलआईयू हेड नीलम और पीएसी की एक प्लाटून की मौजूदगी में चारों दुकानों को ध्वस्त किया गया। दुकानें गिरने तक शाही थाना प्रभारी राजेश कुमार बैसला घटना स्थल पर मौजूद रहे।शाही थाना क्षेत्र के मिर्जापुर धनेटा मार्ग पर स्थित मकड़ीखोए गांव में जसवंत सिंह , बनवारी लाल,सुखलाल एवं कुंवर सेन पुत्रगण रोशन लाल ने बरेली सिविल कोर्ट में वर्ष 2023 में वाद दाखिल करते हुए बताया कि गांव हैदरगंज के छत्रपाल , लेखराज और मकड़ीखोए गांव की डल्लो रानी व उनके पुत्र डॉ दीपक कुमार ने उनकी भूमि पर दबंगई से कब्जा करके निर्माण कर लिया है।

कोर्ट ने सुनवाई के बाद 29 जुलाई 2025 को दो माह के अंदर प्रतिवादियों के निर्माण को ध्वस्तीकरण और अवैध मलबा हटवाकर पूर्व स्थिति में करके वादी पक्ष को सुपुर्द करने के आदेश दिए थे। आदेश का अनुपालन न होने पर वादी पक्ष दोबारा कोर्ट की शरण में गया। तब कोर्ट के आदेश पर बुधवार को दोपहर करीब बारह बजे निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

इसके अलावा विवादित जमीन पर बनी चार दुकानों और उसके पीछे बनाए गए मकान को दो बुलडोजर ने करीब तीन घंटे में पूरा ध्वस्त कर दिया। इसके बाद मलबा हटवाकर वादी पक्ष के जसवंत सिंह को जमीन पर कब्जा दिलवा दिया गया। कोर्ट के अमीन राकेश चंद्र की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई संपन्न हुई। कार्रवाई के दौरान गांव में आसपास व छतों पर लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी रही।

एसडीएम आलोक कुमार सिंह ने बताया कि ये कार्यवाही सिविल कोर्ट की ओर से की गई है। इसकी जानकारी हमें नहीं दी गई थी। कोर्ट के आदेश अनुसार पांच थानों को सूचना दी गई थी।पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद रही।

फरीदपुर में अतिक्रमण हटाते ही सज गईं दुकानें

फरीदपुर, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान हर बार की तरह बुधवार को चला , लेकिन नगर पालिका द्वारा अवैध बुध बाजार पर कार्रवाई करने में हरबार असफल रहती है एक तरफ अतिक्रमण हटाओ अभियान नगर पाालिका टीम बुध बाजार के बाहर लगी दुकानें हटा के आई दूसरी तरफ दुकानें फिर सड़क पर सज गई सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है।उसके बाद टीम ने नगर के स्टेशन रोड पर अभियान चलाया जिसमें रोड के किनारे झुग्गी झोपड़ी रहकर मेहनत मजदूरी करने वाले लोगों भी हटाया ।लेकिन गरीब और ठेले वालों का आरोप है कि टीम सिर्फ गरीबों पर और छोटे तबके के लोगों पर ही अभियान देखती है जबकि नगर के स्टेशन रोड पर कई बड़े–बड़े होर्डिंग लगे हुए टीम द्वारा उनको बिल्कुल ना छुआ गया ।लोगों का कहना है कि नगर पालिका टीम पक्षपात करके अभियान चलाती है।इस पर न अधिकारी गौर करते हैं ना ही कर्मचारी जिसका सीधा शिकार छोटे तबके के लोगो होते है ।अभियान में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार, वरिष्ठ लिपिक आदेश शुक्ला, निरीक्षक सफाई सुरजीत सिंह चौहान, महेंद्र कुमार,सहित टीम कर्मचारी मौजूद थे।

सड़क हादसे में एक की मौत साथी की हालत गंभीर

फरीदपुर में हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस । ● अमृत विचार

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल दो युवकों में से एक की अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिसैया निवासी सुशील कुमार (50) पुत्र बांकेलाल अपने साथी सुरेंद्र निवासी नहर कोठी दोनों लोग इनायतपुर गांव से फरीदपुर वापस आ रहे थे प्रत्यक्ष कार्यों के अनुसार रोड पर करते समय अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्ती कि सुशील बाइक से उछल कर दूर जाकर और वाहन ने उसे रौंद दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर अवस्था में राहगीरों की मदद से घायल सुशील कुमार और सुरेंद्र सक्सेना को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान सुशील की मौत हो गई जबकि सुरेंद्र की हालत गंभीर बनी हुई है हादसे के बाद वाहन चालक मौके से लेकर फरार हो गया। मृतक सुशील अपने पीछे तीन बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं जिसमें एक बेटे की शादी हो चुकी है। मृतक पूर्व में प्रधान पद के दावेदार भी रह चुके थे।

न्यूज ब्रीफ

महिला को परिजनों को सौंपा

रिठौरा, अमृत विचार : रिठौरा में बीती रात्रि एक महिला संदिग्ध अवस्था में घूम रही महिला को पुलिस ने पूछताछ कर उसके परिजन को बुलाकर सौंप दिया। महिला ने बताया कि वह रास्ता भटककर फरीदपुर इनायत खां से यहां पहुंच गई।

संत गाडगे समाज समिति में कराया खिचड़ी भोज

कैंट, अमृत विचार : मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में बुधवार को कैंट के सदर बाजार स्थित धोबी पंचायत घर के पास काली मंदिर पर संत गाडगे समाज कल्याण समिति द्वारा खिचड़ी सहभोज वितरण किया गया। खिचड़ी बहुत शाम तक किया गया। भारी मात्रा में लोगों ने खिचड़ी भोज का आनंद लिया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष विजय, उपाध्यक्ष राहुल, सचिव संजीव कुमार, सह सचिव अजय कुमार, राजकुमार, सह सचिव संजीव कुमार, राजेश कुमार, सुखलाल, रमेश, ओम प्रकाश कन्नौजिया, संजीव कुमार कन्नौजिया आदि लोग उपस्थित रहे।

खेत से शीशम की लकड़ी चोरी, चार नामजद

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के हरदुआ किफायतुल्ला गांव में चोरों ने एक किसान के खेत से शीशम का कीमती पेड़ काटकर चोरी कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी सर्वेश चंद्र पांडेय की कृषि भूमि में शीशम का एक पुराना पेड़ था, जो लगभग चार माह पहले आई आंधी में गिर गया था। आरोप है कि 29 दिसंबर 2025 की रात गांव के ही छोटा उर्फ राजवीर, मोहित गंगवार, वीर सिंह तथा उनके साथ शामिल चार–पांच अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर गिरे हुए पेड़ को काटा और उसकी लकड़ी चोरी कर ले गए। सूत्रों के अनुसार, चोरी की गई लकड़ी को ले जाने के लिए मोहित गंगवार का ट्रैक्टर और वीर सिंह का ई–रिक्शा इस्तेमाल किया गया। जब पीड़ित को घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने थाना नवाबगंज पहुंचकर लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

केवीएस स्कूल ओवरऑल चैंपियन

बैडमिंटन चैंपियनशिप में केवीएस इंटरनेशनल स्कूल के विजेता बच्चे ट्राफी के साथ । ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कैंट स्थित मां सरस्वती जूनियर हाई स्कूल में आयोजित स्कूल स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का बुधवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बल पर केवीएस इंटरनेशनल स्कूल ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

अंडर-12 वर्ग में केवीएस इंटरनेशनल स्कूल के आसिफ, आयुष और विशाल ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल के कुलदीप, हर्षित और अनिकेत को रजत पदक मिला, जबकि मेजबान मां सरस्वती जूनियर हाई स्कूल के रिहान और तरुण ने कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-14 वर्ग में भी केवीएस इंटरनेशनल स्कूल के राज प्रत्युष और प्रिंस ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। लक्की और रानी ने रजत, जबकि शशांक, सचिन और गोविंद ने कांस्य पदक जीता। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय सेपक टाकरा कोच बीए शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रिंसिपल पंकज यादव और मैनेजर अनिल कुमार सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

20 लीटर कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद की है।

बुधवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हाइवे माधौपुर ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर थाना सीबीगंज क्षेत्र के गांव चंदपुर कजियान निवासी इमरान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास मौजूद केन में 20 लीटर कच्ची शराब पाई गई।

आवारा पशुओं से फसलों को बचाएं

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : आवारा पशुओं से नष्ट हो रही फसलों से किसान परेशान हैं। आवारा गोवंश को गोशालाओं में छोड़ा जाना चाहिए और पशुओं से फसल को बचाने के लिए सरकार को उपाय करने चाहिए। इस मांग से संबधित एक ज्ञापन एसडीएम को दिया गया है। सहकार भारती संस्था द्वारा दिया गया यह ज्ञापन प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम संबोधित है।

ज्ञापन में कहा है कि जिन किसानों की जमीनें अभी भी पुराने आदेशों में दर्ज हैं । उन्हें शीघ्र खतौनी में दर्ज कराया जाए । ज्ञापन में सहकार भारती संस्था के कार्यकर्ताओं ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को गिनाया गया है। संगठन ने केसर चीनी मिल द्वारा किसानों का पिछले वर्ष का 144 करोड़ रुपये का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। सरकारी धान क्रय केंद्रों पर बिचौलियों के हावी होने का आरोप लगाया। बिजली कनेक्शन के लिए 6 से 7 हजार रुपये खर्च करने में सक्षम नहीं है इसे कम किया जाए। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में जैल सिंह, जिला अध्यक्ष छत्रपाल सिंह,आदि रहे।

सहकार भारती के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

मंडलीय टीम ने सीएचसी भमोरा का पीयर असेसमेंट किया

भमोरा, अमृत विचार : मंडल स्तरीय टीम द्वारा एफआरयूसी सीएचसी भमोरा का कायाकल्प हेतु पीयर एसेसमेंट किया गया मंडलीय टीम ने बुधवार सुबह सीएचसी भमोरा का निरीक्षण किया गया। टीम ने निर्धारित चेकलिस्ट के आधार पर सभी बिन्दुओं का भौतिक निरीक्षण किया।निरीक्षण में शाहिद हुसैन मंडलीय प्रबंधक बरेली मंडल अमरीश कुमार रीजनल कोऑर्डिनेटर बरेली मंडल, डॉ श्री गंगा शरण जी कम्युनिटी प्रोसेस बरेली मंडल के द्वारा मानव संसाधन,लैब,ऑपरेशन थियेटर,लेबर रूम ,आई पी डी वार्ड,औषधि भंडार,ओपीडी व पोर्टल से डाटा का भी मिलान किया गया। कायाकल्प के पीयर असेसमेंट के समय चिकित्सा अधीक्षक डॉ विवेक कुमार, डॉ विकल्प चौहान,डॉ राजकुमारी, डॉ रवि कुमार, सहायक शोध अधिकारी नागेंद्र,फार्मासिस्ट उबैद उजमा अंसारी,बीपीएम नीरज सक्सेना, बीसीपीएम श्रीमती मीना कुमारी, आरबीएसके डॉक्टर्स एवं समस्त स्टाफ नर्स आदि स्टाफ उपस्थित रहा ।

शाही में चोटिल गोवंश का डॉक्टर से कराया इलाज

मीरगंज, अमृत विचार : नगर पंचायत शाही क्षेत्र के अंतर्गत आवारा छुट्टा गोवंश अपनी भूख मिटाने को किसानों द्वारा फसलों को बचाने के लिए लगाए गए कंटीले तारों में फंसकर घायल वा चोटिल हो रही हैं। बुधवार को गौरक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने एक घायल गोवंश का इलाज कराया। इसके लिए मौके पर पशु चिकित्सक को भी बुलाया गया। घायल गोवंश थाना शाही के गांव चकरपुर उर्फ लमकन के बाग में मिला था। गौरक्षा दल को इसकी सूचना मिलने पर सुमित रस्तोगी और दीपक रस्तोगी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल पशु का इलाज कराया। इस दौरान शरद शर्मा, राजा शर्मा, प्रशांत ठाकुर, हर्ष रस्तोगी और अर्जुन कश्यप सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

बालाजी रवाना होने से पहले भक्तों के जत्थे का किया गया स्वागत

रिठौरा, अमृत विचार : गांव बमनपुरी में श्रीबालाजी धाम पर चल रहे सुंदरकांड व्रत पाठ के बाद बुधवार को विपिन मिश्रा के नेतृत्व में भक्तों का जत्था बालाजी मंदिर मेंहदीपुर (राजस्थान) को रवाना हुआ । लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर, भटपुरा जागीर,रिठौरा आगमन पर पूर्व प्रधान नानाकचंद्र गुप्ता की मार्केट, अशोक मार्केट,केवलराम मार्केट, में संजय मार्केट में व्यापारियों ने हलवा,चना,खीर आदि का भंडारा किया। महंत एवं उनके शिष्यों पर पुष्प वर्षा की गई। अमित कुमार गुप्ता, धनपाल सिंह, मयंक पाण्डेय,पूर्व सभासद राजेश कुमार गुप्ता, कमलेश,अनिल, संजीव, प्रदीप कुमार गुप्ता, ब्रजेश कुमार गुप्ता, सचिन गुप्ता, केवल राम कश्यप, राजू,बादल कश्यप,लोकेश कुमार गुप्ता,मनोज कश्यप, हरप्रसाद,पवन गुप्ता,राजा गुप्ता, अमन गुप्ता, भीमसेन,अनिल कनौजिया, राजीव सक्सेना,संजय सक्सेना, अनिल यादव पूर्व प्रधान वेदप्रकाश पटेल, अरविंद भदौरिया, सुनील पटेल, सचिन पटेल, लक्ष्मी गंगवार आदि रहे।

10 लाख नहीं देने पर महिला को निकाला

बरेली, अमृत विचार : बाइक और 10 लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को ससुरालियों ने मारपीट करके घर से निकाल दिया। महिला का आरोप है कि उसकी दूध पीती बच्ची को भी ससुरालियों ने छीन लिया। महिला की तहरीर पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ सुभाषनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र के तिलक कॉलोनी निवासी प्रीति ने बताया कि उसका विवाह 18 जून 2021 को विशाल निवासी पटेल विहार कॉलोनी थाना सुभाषनगर के साथ हुआ था। महिला ने बताया कि उसके मायके वालों ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। आरोप है कि पति विशाल, देवर अभिषेक, ननद दुर्गा और सास कल्पना कारोबार करने के लिए 10 लाख रुपये और बाइक की मांग कर रहे थे।

संविदा कर्मी और युवक के बीच विवाद, दी तहरीर

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : मोहल्ला बाजार जनूबी निवासी दिनेश कुमार ने घर पर बिजली कनेक्शन कराने को संविदा कर्मचारी को कनेक्शन के लिए 2500 रुपए दिए थे परंतु अभी तक कनेक्शन नहीं किया गया। इसकी शिकायत लेकर दिनेश बुधवार दोपहर बिजली घर पर पहुंचे थे । वहां तैनात संविदा कर्मचारी गौरव से दिनेश की मुलाकात हुई तब गौरव ने उक्त संविदा कर्मचारी की जानकारी न होने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों में कहा सुनी होने लगी बताया जाता है । गौरव तथा दिनेश दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर मामले की तहरीर पुलिस को दी है । थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर आई है ।

के शुभ अवसर पर संगम में पुण्य स्नान के लिए
पवित्र माघ मेला में पधारे पूज्य साधु-संतों, कल्पवास हेतु आए हुए
साधकों तथा समस्त श्रद्धालुओं का
हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन
- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

आगामी प्रमुख स्नान पर्व
• मौनी अमावस्या - 18 जनवरी, 2026 • बसंत पंचमी - 23 जनवरी, 2026
• माघी पूर्णिमा - 1 फरवरी, 2026 • महाशिवरात्रि - 15 फरवरी, 2026

आस्था अशेष, संगम तट विशेष
• 800 हेक्टेयर में फैला मेला क्षेत्र • 7 ऊर्जा चक्रों की थीम पर 7 सेक्टर • 9 पॉन्टून पुल
• 2.98 कि.मी. की लंबाई में स्नान घाट • पैदल श्रद्धालुओं के लिए एकल मार्ग व्यवस्था
• प्रयागराज के समस्त रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं पार्किंग स्थलों से बाइक-टैक्सी सेवा उपलब्ध
• 2 चिकित्सालय, 50 एम्बुलेंस • 5 आयुर्वेदिक चिकित्सालय, 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय
• 12 प्राथमिक उपचार केंद्र • 42 पार्किंग स्थल • अत्याधुनिक निगरानी सिस्टम
• 25 हजार+ शौचालय • 3 हजार+ स्वच्छाग्रही
• मेला क्षेत्र में विद्युत खंभों पर क्यू.आर. कोड आधारित सुविधा प्रणाली

काम दमदार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

न्यूज ब्रीफ

नरभक्षी का खौफ नैनीताल के तीन ब्लॉक में स्कूल बंद

हल्द्वानी। नरभक्षी तेंदुए की दहशत के चलते नैनीताल जिले के धारी, ओखलकांडा और रामगढ़ ब्लॉक में तीन दिन तक स्कूल बंद रहेंगे। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने मंगलवार को इसका आदेश जारी किया है। इन क्षेत्रों में संचालित कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 जनवरी से 17 जनवरी तक तीन दिन के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

चीनी मांझे की चपेट में आने से डॉक्टर की मौत

जौनपुर, एजेंसी : जिले में चीनी मांझे की चपेट में आने स एक डॉक्टर की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि केराकत कोतवाली क्षेत्र निवासी डॉ. मोहम्मद शमीर फिजियो थेरेपिस्ट और एक निजी डॉक्टर थे।

फतेहपुर में किसान की गला रेतकर हत्या

बांदा, एजेंसी : फतेहपुर जिले में मंगलवार रात को अज्ञात हमलावरों ने एक किसान की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सुमेर सिंह प्रतिदिन की तरह मंगलवार रात को खेत में लगे अपने ट्यूबवेल (नलकूप) पर सोने गए थे और सुबह जब वह घर नहीं लौटे, तब परिजनों ने उनकी खोजबीन की और शव को खेत में पड़ा हुआ पाया।

तालाब में डूबने से चार किशोरों की मृत्यु

प्रयागराज, एजेंसी : जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हुसैनपुर अहमदपुर पावन गांव में एक तालाब में डूबने से चार किशोरों की मृत्यु हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीसीपी (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि ये लड़के मंगलवार की शाम घर में बताए बगैर कहीं चले गए थे। रातभर इनके घर वालों ने इन्हें ढूंढा, लेकिन ये नहीं मिले और आज गांव के एक तालाब में इनके शव मिले।

सर्राफा व्यापारी का फंदे से लटका मिला शव

बरखेड़ा की घटनाः सुबह करीब सात बजे पशुशाला गए थे

संवाददाता, बरखेड़ाः(पीलीभीत)

● **पुलिस ने फील्ड यूनिट के साथ किया मौका मुआयना, परिजनों से की जानकारी**

अमृत विचारः संदिग्ध हालात में सर्राफा व्यापारी की मौत हो गई। उसका शव घर से कुछ दूरी पर पशुशाला में फंदे से लटका मिला। वह घर से सुबह ही घर से पशुशाला आया था। पुलिस ने फील्ड यूनिट के साथ मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम को भेज पुलिस जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है, लेकिन इसके पीछे की वजह को लेकर परिवार भी कोई खास जानकारी नहीं दे सका है। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा और मौके पर भीड़ जुटी रही।

राजीव कुमार।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पतरसिया के रहने वाले 40 वर्षीय राजीव कुमार रस्तोगी पुत्र ओमप्रकाश की कस्बा बरखेड़ा में सराफा की दुकान है। इसी में ही रेडीमेड कपड़ों का काम भी करते थे। उनके घर से 200 मीटर दूर ही पशुशाला है।

परिवार के अनुसार, बुधवार सुबह करीब सात बजे रोज की तरह राजीव पशुशाला में भैस का दूध दूहने के लिए गए थे। काफी देर बाद भी जब वह वापस नहीं आए तो परिवार वाले उन्हें तलाशते हुए पशुशाला पहुंचे। यहां लोहे का मुख्य गेट भीतर से बंद था। परिवार के ही एक सदस्य से गेट के ऊपर चढ़कर झांककर देखा तो होश उड़ गए। राजीव का शव कुंडे के सहारे रस्सी के बने फंदे से लटका था। इसके बाद शोर मचते ही आसपास के ग्रामीण जमा हो गए। फिर दीवार फांदकर लोग भीतर पहुंच गए।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट को भी बुला लिया। एक्सपर्ट ने मौका मुआयना कर सुराग जुटाने का प्रयास किया। इसके बाद शव को फंदे से उतारा गया। पुलिस ने परिवार के सदस्यों से जानकारी की लेकिन अचानक हुई मौत को लेकर कोई कुछ खास नहीं बता सका।

पुलिस को मामला प्रथम दृष्टया खुदकुशी का प्रतीत हुआ, लेकिन इसकी वजह को लेकर कोई जानकारी नहीं निकल सकी। परिवार में कोहराम मचा रहा। पत्नी सुनीता समेत अन्य परिजन का रोकर बुरा हाल रहा। मृतक के दो पुत्री अंशिका, साक्षी, दो पुत्र अक्षत और आरुष हैं।

गोल गप्पे खा रहे लोगों को ट्रक ने कुचला, एक की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : अनियंत्रित ट्रक ने सेहरामऊ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर को सड़क किनारे गोलगप्पे खा रहे लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में जोगराजपुर निवासी दिव्यांग कपड़ा व्यापारी मोहम्मद अजीम की मौत हो गई। उनके भाई समेत अन्य छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया।

बुधवार को थाना सेहरामऊ क्षेत्र के जोगराजपुर गांव के रहने वाले मोहम्मद बख्श और उनके छोटे भाई मोहम्मद अजीम कपड़ा व्यापारी हैं। बुधवार को दोनों पूरनपुर से कपड़े खरीदकर अपने गांव लौट रहे थे।

रास्ते में गढ़वाखेड़ा गांव के पास दोनों भाई अपने बच्चों के साथ एक गोलगप्पे के ठेले पर रुके। इस दौरान खुटार हाईवे पर पूरनपुर की ओर से तेज गति से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क से उतरते हुए सीधे गोलगप्पे के ठेले और वहां खड़े लोगों में जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहम्मद अजीम की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई।

श्रद्धा का स्नान

मकर संक्रांति पर बुधवार को हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में पवित्र स्नान करने के लिए एकत्रित लोग। ● अमृत विचार

अयोध्या में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या,एजेंसीः अयोध्या में चार साल की एक बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव में चार वर्षीय एक बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी कि तभी कुन्नन (20) नाम का एक युवक उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया और उससे दुष्कर्म किया।

आवास दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

संवाददाता, टांडा : (रामपुर)

● **आरोपियों ने प्रति आवेदन से लिए थे 20 से 30 हजार रुपये**

अमृत विचार : टांडा कोतवाली के अंतर्गत दढ़ियाल पुलिस चौकी पर मंगलवार को पीड़ितों ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आवास दिलाने के नाम पर हुई लाखों रुपयों की ठगी के विरोध में किया गया।

नगर निवासी कई पीड़ित मंगलवार को चौकी पहुंचे। पीड़ितों का आरोप है कि लगभग एक वर्ष पूर्व नगर के कुछ लोगों ने कालोनी दिलाने के नाम पर प्रति आवेदक से 20 से 30 हजार रुपये की अवैध वसूली की थी। जिसमें कुछ लेखपालों की भूमिका भी संदिग्ध है आरोप है कि एक साल गुजारने के बाद भी आवेदकों के नाम सूची में नहीं आए।

कई दिन से नगर के लोगों के अंदर आक्रोश पनप रहा था जो मंगलवार को फूट गया नगर के एक दर्जन से अधिक लोग चौकी पर पहुंचे। चौकी पर प्रदर्शन कर अपनी रकम वापस दिलाने के मांग की कि उनका आरोप है कि सही से जांच हो जाए तो नगर से लगभग एक करोड़ रुपये की अवैध वसूली हुई है। जिसमें कई सरकारी और गैर सरकारी लोग फंस जाएंगे। इन सभी पीड़ितों ने पुलिस से इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी प्रशांत कुमार ने बताया कि जिन लोगों के नाम दिए गए थे उनके पूछताछ की जा रही है।

बुजुर्ग का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में महिला के खिलाफ रिपोर्ट

जालौन, एजेंसीः जालौन में एक बुजुर्ग हिंदू व्यक्ति का कथित तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने के मामले में एक महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार के आदेश पर मुस्लिम महिला रेशमा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

उरई क्षेत्र के रहने वाले गोपी अहिरवार ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि रेशमा ने उसके साथ धोखाधड़ी की। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी दो बीघा जमीन लगभग 10 लाख रुपये में बेची गई थी और रेशमा ने उसके हिस्से के पांच लाख रुपये हड़प लिये और जबरन उसका धर्म परिवर्तन करा दिया तथा उसका नाम दीन मोहम्मद रख दिया।

दादी के 10 लाख से अधिक के गहने चुराए, युवक गिरफ्तार

भदोही, एजेंसी

● **दादी की देखभाल का नाटक कर धीरे-धीरे गहने चुराए**

जिले में पुलिस ने 25 साल के युवक को अपनी 80 साल की दादी के 10 लाख रुपये से अधिक के सोने के गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि वह इन पैसों का इस्तेमाल अपने नशे की लत और ऐशो आराम वाली जीवनशैली के लिए करता था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि आरोपी निहाल अली को दुर्गागंज इलाके से उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वह कथित तौर पर करीब दो लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने को बेचने जा रहा था। इन गहनों में झुमके, लॉकेट और अन्य आभूषण शामिल थे।

चोरी का पता तब चला जब परिवार वालों को निहाल पर शक हुआ क्योंकि उसके पास कमाई का कोई जरिया नहीं था, फिर भी वह नयी खरीदी हुई कार में घूम रहा था। पुलिस ने बताया कि जब उन्होंने बुजुर्ग महिला सद्गुन निसा के गहनों के डिब्बे की जांच की तो उसमें से कई कीमती गहने गायब मिले, जिससे वह सदमे में आ गईं। एसपी ने बताया कि उसके चाचा फहीम अंसारी की शिकायत के आधार पर निहाल के खिलाफ 24 दिसंबर, 2025 को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर कबूल किया कि वह पिछले चार-पांच महीनों से रात में अपनी बीमार दादी की देखभाल करने का नाटक करते हुए डिब्बे से गहने चुरा रहा था। उसने नशे की लत के लिए गहने बेचे और करीब एक महीने पहले चार लाख रुपये की कार खरीदी थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–पीलीभीत।

पत्रांक– 986/ग्रा0अ0वि0/ई–निविदा शुद्धि पत्र/पत्रां0सं0–/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांक– 07.01.2026

ई–निविदा शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के निविदा सूचना संख्या 535/ग्रा0अ0वि0/ई–निविदा/पत्रां0सं0–/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांक– 23–08–2025 के द्वारा अमन्त्रित निविदाओं की तिथियों में अपरिहार्य कारणोंवश निम्नप्रकार संशोधन किया जाता हैः–

1– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण।

क्र0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अन्तर्गत						
1	पीलीभीत।	प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत आर्य कन्या इण्टर कॉलेज पीलीभीत का पुनः निर्माण कार्य।	39.10	0.785	2356	6 माह

2– वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंन्ट की उपलब्धता की तिथि–20–01–2026

3– ई–निविदा के माध्यम से निविदा करने की अन्तिम तिथि/समय 28–01–2026/दोपहर 12.00 बजे तक।

4– ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि 3/समय 28–01–2026/दोपहर 3:00 बजे।

5– निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार–पत्र में प्रकाशित नही किया जाएगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है। कि नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करे और बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(इं0 करन सिंह) सहायक अभियन्ता,
कृते अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–पीलीभीत।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP-243881 दिनांक 13.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1.; ई–प्रापण निविदा सं.:** उप मु०इं०– नि०–गोण्डा–10–2025 क्लोजिंग दिनांक 06.02.2026; **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोण्डा–बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोण्डा कचहरी–कनैलगंज–घाघराघाट खण्ड के कमीशनिंग के पश्चात पैदल उपरिगामी पुल, लघु पुलों, प्लेटफॉर्म एवं अन्य विविध कार्यों के बकाया कार्यों का सम्पादन।; **अनुमानित निविदा मूल्य(₹):** ₹9,71,76,751.30; **बयाना राशि (₹):** ₹6,35,900/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** 00; **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 (छः) माह। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि–दिनांक 23.01.2026। • उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि– दिनांक 06.02.2026 को 15:00 बजे तक। • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि– 06.02.2026 को 15:30 बजे। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, सकापाइं, मो० 9794844286.

सकापाइं/नि०/गोण्डा–I गोण्डा
मुजाधि/डब्ल्यू–414

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

मथुरा में मुठभेड़ के बाद सुपारी किलर गिरफ्तार

मथुरा, एजेंसीः जिले की गोवर्धन पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड की साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने मंगलवार देर रात मुठभेड़ के बाद दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने गणेश पहलवान की हत्या के लिए दो लाख रुपये की सुपारी ली थी।

पकड़े गए आरोपियों के पास से अवैध असलहे और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बुधवार को पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि गणेश पहलवान की उनके पड़ोसी दुकानदार अन्नू तिवारी के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी। अन्नू तिवारी ने अपने साथी नारायण उर्फ आरव के माध्यम से गणेश पहलवान को रास्ते से हटाने के लिए दो लाख रुपये की सुपारी दी थी। डील के तहत अभियुक्तों को 10 हजार रुपये अग्रिम दिए गए थे, जबकि बाकी रकम काम पूरा होने के बाद मिलनी थी। गिरफ्तार आरोपी समसुद्दीन उर्फ भोला और नीरज निवासी शेरगढ़ ने बताया कि उन्होंने चार जनवरी की रात को भी गणेश पहलवान पर गोलीबारी की थी।

दवा निर्माण का लाइसेंस ही पर्याप्त नहीं, शर्तों का पालन भी अनिवार्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज

● **हाईकोर्ट ने पुनरीक्षण याचिकाएं खारिज की**

अमृत विचारः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चर्चित डोक-1 मैक्स कफ सिरप मामले में मैरियन बायोटेक प्रा. लि. और उसके निदेशकों को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि दवा निर्माण का लाइसेंस होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लाइसेंस की शर्तों का पालन अनिवार्य है। कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा संज्ञान और समन जारी करने के आदेश को कानूनसम्मत बताया और इसमें किसी प्रकार की गंभीर त्रुटि या अवैधता को अस्वीकार किया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकलपीठ ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की विभिन्न धाराओं के तहत नोएडा, गौतमबुद्ध नगर में दर्ज मामले में मैसर्स मैरियन बायोटेक प्रा. लि. और पांच अन्य द्वारा दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाएं खारिज करते हुए पारित किया।

मामला दवाओं की गुणवत्ता से जुड़ा है, जिसमें कंपनी पर विषाक्त रसायनों जैसे एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) और डाइएथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) के उपयोग का आरोप है। सरकारी जांच और प्रयोगशाला रिपोर्ट के अनुसार कफ सिरप में इन प्रतिबंधित और स्वास्थ्य के लिए घातक तत्वों की भारी मात्रा पाई गई। यह भी संज्ञान लिया कि संबंधित सिरप के सेवन से उज्बेकिस्तान में 18 से अधिक बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ने भी मेडिकल अलर्ट जारी किया था। जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी औद्योगिक ग्रेड प्रोपाइलीन ग्लाइकोल का उपयोग कर रही थी और आवश्यक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में विफल रही, जो ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन है। कोर्ट ने निदेशकों की जिम्मेदारी पर भी अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कंपनी के दैनिक कार्यों से जुड़े निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी कानून की नजर में जवाबदेह हैं। केवल तकनीकी आपत्तियों के आधार पर जनस्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मामलों को खारिज नहीं किया जा सकता।

कार्यालयः–प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

पत्र सं0–964 /दूध ठेका पत्रा0 /मंझरा/2025–26/ दिनांक–02.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी जो कि लखीमपुर, शारदा नगर मार्ग पर 09 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। प्रक्षेत्र पर सुबह तथा शाम को उत्पादित दूध की मात्रा 325 ली0 से 350 ली0 है। (मात्रा घट–बढ सकती है।) भैंस के शुद्ध एवं ताजा दूध वर्ष 2026–27 के ठेका हेतु निविदाऐं बन्द लिफाफे में आमन्त्रित की जाती है। जिसके टेण्डर का मूल्य 500.00 (रू0 पांच सौ मात्र) तथा जी0एस0टी0 नियमानुसार अलग से देय होगा, जो वापस नहीं होगा। अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में निविदा फार्म दिनांक–23.01.2026 से दिनांक–30.01.2026 तक दिन के 12:00 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक–30.01.2026 को दोपहर 01:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय टेण्डर बाक्स में जमा करना होगा। टेण्डर के साथ निर्धारित जमानत/धरोहर धनराशि रू0–50,000.00 (पचास हजार रू0) मात्र का नगद/डिमांड ड्राफ्ट अथवा एफ0डी0आर0 जो प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी के नाम देय हो, जो अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। बिना अमानत/धरोहर धनराशि जमा किये गये टेण्डर मान्य नहीं होंगे। मण्डलीय क्रय–विक्रय परिषद के समक्ष सर्वप्रथम दि0–30.01.2026 को दोपहर 02:00 बजे खुली बोली करायी जायेंगी, तदुपरान्त उपस्थित टेण्डर दाताओं के समक्ष प्राप्त निविदाएं (टेण्डर) खोली जायेंगी एवं खुली बोली/निविदा में प्राप्त धनराशि का मिलान किया जायेगा। जिसमें सबसे अधिकतम/उचित दर प्राप्त होगा, उसी निविदा दाता को दूध ठेका देने हेतु क्रय–विक्रय परिषद द्वारा संस्तुति पर विचार किया जायेगा। क्रय–विक्रय परिषद को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि बिना कारण बताए एक या समस्त निविदाओं को निरस्त कर सकता है। खुली बोली/टेण्डर सम्बन्धी कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर ज्ञात किया जा सकता है। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म के साथ उपलब्ध करायी जायेंगी। खुली बोली में वही व्यक्ति भाग लेगा, जिसके द्वारा कार्यालय में टेण्डर फार्म क्रय कर अमानत की धनराशि जमा कर दी गयी होगी। सभी टेण्डर दाताओं की उपस्थिति टेण्डर खोलने के समय अनिवार्य होगी। टेण्डर दाताओं की बाद में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। प्रत्येक फर्म से केवल एक ही व्यापारी अथवा उसके द्वारा नामित प्रतिनिधि नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करेगा। रू०–10.00 के स्टाम्प पेपर पर प्रतिनिधि नामित किये जाने का प्राधिकार पत्र नामित व्यक्ति के आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति सहित निविदा के समय कार्यालय में जमा करना होगा। सशर्त कोई निविदा मान्य नहीं होगी। किसी विषम परिस्थितियों में टेण्डर खोलने की तिथि व समय बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तित किया जा सकता है।

नोटः–विस्तृत जानकारी व अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर ज्ञात की जा सकती है।

(जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

UP-243887 दिनांक 13.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय नगर पंचायत फतेहगंज (पश्चिमी) बरेली

पत्रांक: 526/न.पंचा./फतेह.(पं.)/2025–26 दिनांक: 13.01.2025

सार्वजनिक सूचना

नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि निम्न विवरण के अनुसार स्वामित्व में परिवर्तन/संशोधन किया जाता है जिस पर किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते है। वाद मियाद गुजरने के बाद आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	विक्रेता का नाम	क्रेता का नाम/पिता/पति का नाम	किस आधार पर दर्ज होना है	विक्रीत सम्पत्ति कहां स्थित है
1.	रमेश चन्द्र पुत्र किशन लाल नि. मो. माली फतेहगंज(पं.), बरेली	नीरज गुप्ता पुत्र रमेश चन्द्र मो. माली फतेहगंज (पं.), बरेली	बैनामा के आधार	मो. माली फतेहगंज पश्चिमी
2.	रघुराज सिंह पुत्र कलक्टर सिंह नि. मो. भिटौरा फतेहगंज (पं.), बरेली	सोनी पत्नी ओमवीर मो. भिटौरा फतेहगंज (पं.), बरेली	वसीयत के आधार	मो. भिटौरा फतेहगंज पश्चिमी
3.	गीता गंगवार पत्नी तेजपाल गंगवार नि. ठाकुरद्वारा फतेहगंज (पं.), बरेली	राधेश्याम भारद्वाज पुत्र ज्ञानीराम नि. मो. अंसारी–14 फतेहगंज (पं.), बरेली	बैनामा के आधार	साहूकारा फतेहगंज पश्चिमी
4.	सरवत उल्ला खां व अतहर उल्ला खां पुत्र नूसरत उल्ला खां नि. अंसारी–5 फतेहगंज (पं.) बरेली	राजू रस्तोगी पुत्र हर प्रवसाद मो. लोधीनगर फतेहगंज (पं.), बरेली	बैनामा के आधार	मो. अंसारी–5 फतेहगंज पश्चिमी
5.	आसिफ पुत्र अख्तर नि. मो. सराय फतेहगंज (पं.), बरेली	तसलीम रजा पुत्र लहीक अहमद नि. अंसारी–14 फतेहगंज (पं.) बरेली	विक्रय रसीद	मो. नई बस्ती फतेहगंज पश्चिमी
6.	शकीना बी पत्नी नन्हें उर्फ रियासत नि. मो. सराय फतेहगंज (पं.), बरेली	मेनाज पत्नी खुर्शीद नि. मो. अंसारी उत्तरी फतेहगंज (पं.), बरेली	रसीद (विक्रय) के आधार	मो. अंसारी–7 फतेहगंज पश्चिमी
7.	कृष्णा देवी/रमेशचन्द्र	साबिर अली पुत्र श्री नन्हें	स्टाम्प के आधार	मो. अंसारी–5 फतेहगंज पश्चिमी

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी
बरेली

मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगाएगी हैट्रिक, कांग्रेस है घबरायी : धामी

संवाददाता, खटीमा

● **खटीमा में गरजे मुख्यमंत्री धामी आरोप-वोट बैंक के लिए कांग्रेस ने बदली देवभूमि की पहचान**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को खटीमा में कांग्रेस पर खूब गरजे और बरसे। कहा कि उनकी सरकार प्रदेश में लगातार साहसिक निर्णय ले रही है और इससे कांग्रेस घबराई हुई है और उसकी नींद उड़ चुकी है। दावा किया कि, 2027 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार हैट्रिक लगाएगी और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाएगी।

सीएम धामी ने बुधवार को अपने गृह नगर खटीमा में आयोजित कार्यक्रम में 33.36 करोड़ की 9 विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया, जिसमें 11.27 करोड़ से नवनिर्मित हाईटेक महाराणा प्रताप बस स्टेशन भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस की सोच शुरू से ही सनातन विरोधी रही है। सत्ता की राजनीति में कांग्रेस ने बार-बार तुष्टिकरण का रास्ता अपनाया और समाज को बांटने का काम किया। कांग्रेस ने सत्ता के लिए देवभूमि की आत्मा तक से समझौता किया। कांग्रेस के पुराने शासनकाल की ओर इशारा करते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के चलते एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया, जिसके तहत उत्तराखंड की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की गई। अवैध तरीके से बाहरी तत्वों को बसाया गया, ताकि सांस्कृतिक संतुलन कमजोर हो और देवभूमि की पहचान पर चोट पहुंचे।

मुख्यमंत्री के आरोप लगाया कि कांग्रेस अब अलगाववादियों के साथ उनकी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। हर छोटे-मोटे मामलों में अफवाह फैलाने में लगी है। कांग्रेस जेहादियों का टूलकिट बन रही है। यही कारण है कि कश्मीर और जेएनयू में लगने वाले अलगाववादी नारे अब उत्तराखंड में भी लगने लगे हैं। कांग्रेस ही अलगाववादियों को प्रश्रय दे रही है।

छह दिन जेल में रहने के बाद ब्लॉगर ज्योति अधिकारी रिहा

हल्द्वानी,अमृत विचार : सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति अधिकारी को आखिरकार छह दिन जेल की सलाखों के पीछे गुजारने के बाद रिहाई मिल गई। मंगलवार को हल्द्वानी द्वितीय अपर सिविल जज (जेडी) की कोर्ट से ज्योति को दो मामलों में जमानत मिल गई, लेकिन जमानत के साथ ही खटीमा कोर्ट से जेल वारंट पहुंच गया। इसी वजह से ज्योति अधिकारी जेल से बाहर नहीं आ पाई। अब गुरुवार को खटीमा कोर्ट में ज्योति की जमानत पर सुनवाई प्रस्तावित है। कुछ दिनों पहले बुद्ध पार्क में पहाड़ी आर्मी ने अंकिता हत्याकांड को लेकर प्रदर्शन किया था। इसमें ज्योति ने दराती लहराई, पहाड़ी महिलाओं और देवी–देवताओं के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे थे।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए आज होगा मतदान, मुंबई पर सबकी निगाहें

महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबले की उम्मीद

- 74,000 करोड़ का वार्षिक बजट है बृहन्मुंबई महानगर पालिका का

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान होगा। सबकी नजर मुंबई पर टिकी है जहां आर्थिक रूप से समृद्ध बीएमसी पर शासन को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही है। मतदान 893 वार्डों की 2,869 सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे शुरू होगा और शाम साढ़े पांच बजे समाप्त होगा।

कुल 3.48 करोड़ मतदाता 15,931 उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों में 227 सीट के लिए 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस महानगर पालिका का वार्षिक बजट 74,000 करोड़ रुपये है। मुंबई को छोड़कर अन्य सभी शहरी निकायों में बहु सदस्यीय वार्ड प्रणाली है। मतगणना 16 जनवरी को होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अनुमान जताया है कि शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन करने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता राज ठाकरे सबसे ज्यादा नुकसान में रहेंगे। उन्होंने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के एक साथ आने को भी केवल एक स्थानीय घटनाक्रम करार दिया।

फडणवीस ने यह भी कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं राकांपा नेता अजित पवार ने एक-दूसरे के खिलाफ बयान न देने के गठबंधन सहयोगियों के नियम को तोड़ा है। मुख्यमंत्री ने महायुति के उम्मीदवारों के लिए पूरे राज्य में प्रचार किया। महायुति में भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शामिल हैं।

मुंबादेवी मंदिर पहुंचे ठाकरे बंधु।

आयोग ने भाजपा को घर-घर पैसा बांटने की दी छूट

- चुनाव से पहले नियम बदलने पर राज ठाकरे ने साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने निकाय चुनावों के प्रचार समाप्त होने के बाद भी घर-घर जाकर संपर्क करने की अनुमति देने को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की बुधवार को कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि इससे सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति को मदद मिल रही है। ठाकरे ने दावा किया कि आयोग बृहस्पतिवार को होने वाले चुनाव से ठीक पहले नियम बदल रहा है और सरकार को वह चुनाव जिताने में मदद कर रहा है जो वह हार चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि अंतिम दिन तक घर-घर जाकर संपर्क की यह नई व्यवस्था क्यों शुरू की गई और लोकसभा व विधानसभा चुनावों में इसकी अनुमति क्यों नहीं थी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि आयोग ने भाजपा, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को घर-घर जाकर धन बांटने का लाइसेंस दे दिया है।

विविधता के भारत की एकता का उत्सव है काशी-तमिल संगमम

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

मन की बात के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपरर् स्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं।

वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....।

इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया।

तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली। इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप के आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास भी किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया।

यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है।इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

नेशनल ब्रीफ

मस्जिदों की जानकारी जुटाना धार्मिक मामलों में दखलंदाजी: महबूबा

श्रीनगर/जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और कांग्रेस नेता शाहनवाज चौधरी ने कश्मीर में मस्जिदों और इमामों की जानकारी जुटाने की बुधवार को निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप है। मुफ्ती ने कहा कि यदि धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी जुटाने की जरूरत है तो इसकी शुरुआत देश भर के मंदिरों से होनी चाहिए। मस्जिदों के लिए जारी किया गया आदेश हमारे धार्मिक मामलों में दखलअंदाजी है। उन्हें ऐसा करना है तो अन्य धर्मों से शुरुआत करनी चाहिए। मंदिरों में पुजारियों के बारे में जानकारी जुटानी चाहिए और पता लगाना चाहिए कि शूद्र किस मंदिर में जा सकते हैं और ब्राह्मण किस मंदिर में। अधिकारियों को मंदिरों में प्रवेश के लिए भुगतान की जाने वाली धनराशि के बारे में भी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

वरिष्ठ आईपीएस अफसर राकेश अग्रवाल एनआईए प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी राकेश अग्रवाल को बुधवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) का महानिदेशक नियुक्त किया गया। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अग्रवाल वर्तमान में आतंकवाद विरोधी एजेंसी में विशेष महानिदेशक हैं। उनके पास एनआईए के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी था। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उन्हें 31 अगस्त 2028 तक यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक एनआईए के महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

त्रिरथ महोत्सव

कर्नाटक के उडुपी जिले में त्रिरथ महोत्सव में भाग लेने के लिए भारी भीड़ जुटी। मकर संक्रांति के दिन मनाए जाने वाले भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित इस प्रमुख धार्मिक उत्सव की शुरुआत 800 साल पहले द्वैत दर्शन के प्रवर्तक माधवाचार्य ने की थी।

हाईवे पर चलते वक्त फोन पर आएगा अलर्ट, आगे आवारा पशुओं का खतरा

एनएचएआई ने शुरू किया अलर्ट प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं की अचानक आवाजाही से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से दो राजमार्ग गलियारों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की तत्काल चेतावनी देने वाली एक पायलट परियोजना शुरू की है।

एनएचएआई ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह पायलट परियोजना जयपुर-आगरा और जयपुर-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारे पर चालू की गई है। इस पहल के तहत रिलायंस जियो ने अपने मंच को उन्नत बनाया है ताकि वास्तविक समय में आवारा पशु से संबंधित सुरक्षा अलर्ट देशभर में उपलब्ध कराए जा सकें। पिछले महीने एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर दूरसंचार आधारित सुरक्षा अलर्ट प्रणाली शुरू करने के लिए रिलायंस जियो के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस पहल का मकसद खासतौर पर कोहरे और कम दृश्यता वाली स्थितियों में आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है।

- जयपुर-आगरा और जयपुर-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर होगा परीक्षण

एनएचएआई ने कहा, पायलट परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरने वाले लोगों को उच्च जोखिम वाले हिस्सों से करीब 10 किलोमीटर पहले स्थान-आधारित अलर्ट भेजे जाएंगे, जिससे वाहन चालकों को सावधानी बरतने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। यात्रियों तक प्रभावी ढंग से संदेश पहुंचाने के लिए पहले फ्लैश एसएमएस और उसके बाद वॉयस अलर्ट जारी किया जाएगा। फ्लैश एसएमएस हिंदी में होगा जिसमें जिक्र होगा कि आगे आवारा पशु ग्रस्त क्षेत्र है। कृपया सावधानी से चलें।

आईआरसीटीसी घोटाला

लालू-तेजस्वी के खिलाफ सुनवाई पर रोक से इन्कार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह आईआरसीटीसी घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ चल रहे मुकदमे पर रोक नहीं लगाएगा।

अदालत ने हालांकि कहा कि अधीनस्थ अदालत अगले से अगले सप्ताह गवाहों से जिरह कर सकती है, तब तक वह मामले में आरोप तय करने के अधीनस्थ अदालत के आदेश के खिलाफ पिता-पुत्र की याचिकाओं पर फैसला कर लेगी। राजद प्रमुख लालू प्रसाद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि पिछली बार अदालत ने आरोप तय करने के खिलाफ वर्तमान याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान मुकदमे पर रोक लगाने के मुद्दे पर सुनवाई के लिए आज का दिन निर्धारित किया था। उन्होंने कहा कि गवाहों की जांच के बाद अधीनस्थ अदालत गवाहों से जिरह की कार्यवाही शुरू करेगी।

बांग्लादेश सीमा पर अस्पताल बनाने पर सेना को आपत्ति, सुप्रीम कोर्ट पहुंची

- सैन्य शिविर के सामने प्रस्तावित है मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल
- सेना को स्नाइपर राइफल और ड्रोन के इस्तेमाल की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

असम के जोरहाट में संवेदनशील भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक सैन्य शिविर के सामने प्रस्तावित मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सेना ने आपत्ति जताते हुए इसका इस्तेमाल ड्रोन परिचालन और लंबी दूरी की स्नाइपर राइफल के लिए होने की आशंका जताई है।

सेना ने शुरुआत में जोरहाट विकास प्राधिकरण की ओर से निजी कंपनी को अस्पताल के निर्माण के लिए दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र पर आपत्ति जताई थी। अब उसने कहा है कि यदि अस्पताल के निर्माण की अनुमति दी जाती है, तो इसमें 15 फीट से अधिक ऊंची कंक्रीट की चारदीवारी होनी चाहिए जिसमें विभाजक लगे हों और बहुमंजिला इमारत की कोई भी खिड़की सेना शिविर की ओर नहीं होनी चाहिए। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी के साथ सेना के अधिकारियों का पक्ष सुना।

पीठ ने टिप्पणी की कि संतुलन बनाना आवश्यक है क्योंकि एक तरफ जन स्वास्थ्य है और दूसरी तरफ राष्ट्रीय सुरक्षा है। शीर्ष अदालत ने एएसजी और अस्पताल का निर्माण कर रही निजी कंपनी डॉ. एन सहेवाला एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से दो सप्ताह के भीतर समाधान निकालने को कहा। पीठ ने कहा कि सेना ने कहा है कि वह अस्पताल के निर्माण के खिलाफ नहीं है, क्योंकि आपात स्थिति में यह उसके कर्मियों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन कुछ सुरक्षा उपाय होने चाहिए।

बनर्जी ने कहा, भारत-बांग्लादेश सीमा पर इस समय स्थिति बेहद अस्थिर है। खतरा केवल लंबी दूरी की स्नाइपर राइफल का ही नहीं है, बल्कि शिविर की रेकी के लिए ड्रोन भी तैनात किए जा सकते हैं।

आपस में बातचीत कर निकालें समाधान: कोर्ट

शीर्ष अदालत ने सेना के एक कर्नल की ओर से दी गई दलीलों को रिकॉर्ड पर दर्ज करने के बाद कहा कि दोनों पक्षों द्वारा समाधान निकाला जा सकता है क्योंकि जन स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हमने एएसजी विक्रमजीत बनर्जी और वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से कर्नल सौरभ के साथ बैठक करने और जन स्वास्थ्य के अन्य महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज किए बिना राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीकों और साधनों पर विचार करने का अनुरोध किया है। हम उम्मीद करते हैं कि संबंधित पक्ष मुद्दों के सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने वाली बैठक का विवरण हमारे समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

चीन से बढ़ा व्यापार घाटा सुनियोजित आत्मसमर्पण का परिणाम: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

- जयराम ने चीन से नजदीकी बढ़ाने पर भाजपा पर साधा निशाना

चीन की रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष घोषणा के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधते हुए बुधवार को बीजिंग के सामने सुनियोजित तरीके से आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मेल बढ़ाने की भी बात कही।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि 2025 में 1,200 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल व्यापार अधिशेष में से 10 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत का है। रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, चीन ने अभी घोषणा की है कि वर्ष 2025 में उसका व्यापार अधिशेष 1200 अरब डॉलर रहा। इसका अर्थ यह है कि अकेले भारत के साथ चीन का व्यापार अधिशेष कुल का लगभग 10 प्रतिशत था। उन्होंने लिखा है, हालांकि, यह कोई हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हमने चीन के सामने सोच-समझकर समर्पण किया है। इसका उदाहरण एक दिन पहले सामने आया, जब भाजपा और संघ नेता, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मेलजोल बढ़ाते नजर आए।

चीन सीमा शुल्क ने बुधवार को जारी वार्षिक व्यापार आंकड़ों में बताया कि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 5.5 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि इस अवधि में व्यापार घाटा 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक 2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

दिल्ली: पारा कुछ चढ़ा फिर भी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। पहाड़ों पर लगातार बढ़ रही ठंड से मैदानों में भी पारा गिरता जा रहा है। इससे आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। दिल्ली में कड़ाके की ठंड जारी है और आईएमडी के अनुसार बुधवार को न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़कर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 354 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के समीर एप के मुताबिक, 33 केंद्रों पर बहुत खराब, चार पर गंभीर और दो पर खराब रही।

समाचार वेबसाइटों से प्रतिबंध हटाएं भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने भारत और पाकिस्तान की सरकारों से समाचार वेबसाइटों पर लगी पाबंदियां हटाने और सीमा पार पत्रकारिता तक पहुंच बहाल करने का बुधवार को आग्रह किया। एक बयान में गिल्ड ने माना कि दोनों देशों में मीडिया ने कुछ मामलों में संतुलित और पेशेवर पत्रकारिता की सीमाएं पार कीं और गलत जानकारी फैलाई गई।

गिल्ड ने कहा कि हालांकि अनैतिक पत्रकारिता के उदाहरणों से अधिक ईमानदारी से निपटने की जरूरत है और पूरी पहुंच को रोकना इसका समाधान नहीं है।

सुविधा

केंद्र सरकार की ओर से नई पहल, बैंकिंग, बीमा समेत कई वित्तीय लाभ मिलेंगे

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए अब समग्र वेतन खाता पैकेज

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों को उनके वेतन खाते के साथ बीमा और सभी तरह के वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए एक नई पहल की है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए एक समग्र वेतन खाता पैकेज शुरू करने की सलाह दी है ताकि उनकी वित्तीय स्थिति और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाई जा सके।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने बुधवार को यहां वेतन खाता पैकेज का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष, सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और वित्तीय सेवा विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय बीमा आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी वीडियो के माध्यम से समारोह से जुड़े। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि यह पहल का उद्देश्य केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को एक ही सुगम खाता संरचना के अंतर्गत बैंकिंग और बीमा लाभों का व्यापक पैकेज प्रदान करना है।

कहा गया है कि सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए अधिकतम कवरेज, एकरूपता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बैंकों के साथ परामर्श करके पैकेज को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। पैकेज में कर्मचारी और परिवार के लिए व्यापक स्वास्थ्य बीमा कवरेज के तहत एक बेस प्लान और अतिरिक्त टॉप-अप सुविधा शामिल है। साथ ही डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, रिवॉर्ड प्रोग्राम और कैशबैक ऑफर जैसे बेहतर लाभ दिए जाएंगे। वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सलाह दी है कि वे अपनी आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से इन उत्पादों का व्यापक प्रचार करें। सरकार ने सभी केंद्रीय कर्मचारियों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अपने वेतन खातों के माध्यम से इस व्यापक योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

पैकेज खाते से ये लाभ मिलेंगे कर्मचारियों को

वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस उत्पाद के तीन मुख्य खंड हैं, बैंकिंग, बीमा और कार्ड। बैंकिंग सुविधा में उन्नत सुविधाओं के साथ जीरो बैलेंस वेतन खाता, मुफ्त धन हस्तांतरण (आरटीजीएस/एनईएफटी/यूपीआई) के साथ चेक सुविधा, आवास, शिक्षा, वाहन और व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए ऋण पर रियायती ब्याज दर, ऋण के प्रसंस्करण शुल्क में छूट, और लॉकर किराए पर छूट शामिल है। इसमें 1.5 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, दो करोड़ रुपये तक का हवाई दुर्घटना बीमा और 1.5 करोड़ रुपये तक स्थाई पूर्ण तथा आंशिक विकलांगता कवर भी मिलेगा। वेतन खाते में ही 20 लाख रुपये तक की अंतर्निहित सावधि जीवन बीमा सुरक्षा और किफायती प्रीमियम पर बीमा कवरेज को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त टॉप-अप सुविधा दी जाएगी।

अपने आचरण से प्रस्तुत किया उपदेश ही सार्थक और प्रभावी होता है, अपने वाणी से किया गया नहीं।
-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

बेअसर रहेगा टैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप के नए एलान और ईरान को लेकर अमेरिकी सख्त रुख ने भारत के सामने एक बार फिर वही रणनीतिक स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव वाली चुनौती खड़ी कर दी है। सच तो यह है कि अमेरिका इस रास्ते भारत पर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक-रणनीतिक दबाव भी बढ़ाना चाहता है। 75 प्रतिशत टैरिफ की बात सैद्धांतिक आकलन अधिक है, न कि कोई घोषित व्यावहारिक यथार्थ, क्योंकि भारत-ईरान व्यापार का मौजूदा आकार इतना सीमित है कि उसका समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर बहुत बड़ा नहीं दिखता। 2018-19 में जहां यह व्यापार 17 अरब डॉलर था, वहीं अब घटकर लगभग 1.68 अरब डॉलर रह गया है। ईरान भारत के व्यापारिक साझेदारों में 63 वें स्थान पर है। अमेरिकी टैरिफ और दबाव का प्रभाव भारत से अधिक चीन, ब्राजील या तुर्किए जैसे देशों पर पड़ सकता है, जिनके ईरान से ऊर्जा और अन्य व्यापारिक संबंध हमसे कहीं गहरे हैं। अलग तथ्य है कि अमेरिकी टैरिफ, सेकेंडरी सैंक्शन्स और वित्तीय प्रतिबंध मिलकर व्यापार को महंगा और जटिल जरूर बनाते हैं। यह सच है कि अमेरिकी संकेतों के बाद रूस से कच्चे तेल के आयात में भारत की हालिया कटौती गौरतलब जरूर है, पर ईरान से अमेरिकी दबाव में व्यापार पूरी तरह बंद नहीं होगा।

भारत पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण सीधे व्यापार के बजाय तीसरे देशों, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों और सीमित वस्तु-आधारित लेन-देन का रास्ता अपना रहा है। भारत ने पूरी तरह नए हालात के अनुरूप अपने रास्ते खोज लिए हैं, इसलिए अमेरिकी टैरिफ अटैक का प्रभाव सीमित रहेगा। हालांकि असर "सीमित" होने का अर्थ "शून्य" नहीं होता। ईरान से आयात होने वाले एसाइक्लिक अल्कोहल डेरिवेटिव्स, पेट्रोलियम गैस, पेट्रोलियम कोक, रसायन, सूखी खजूरें और अन्य वस्तुएं नई व्यवस्था में कुछ महंगी हो सकती हैं। इसका बोझ अंततः भारतीय उद्योग और उपभोक्ता पर आ सकता है, भले ही वह क्रमिक और आंशिक हो। रणनीतिक स्तर पर असली सवाल चाबहार बंदरगाह का है। 2024 में 10 साल के अनुबंध के साथ भारत ने चाबहार में बड़ा निवेश किया है। यह परियोजना केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच का द्वार है। ईरान में राजनीतिक-आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप की टैरिफ नीति इसके संचालन को धीमा कर सकती है, लेकिन पूरी तरह रोक पाना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसमें भारत के दीर्घकालिक हित जुड़े हैं। यह तो तय है कि भारत अमेरिकी दबाव के आगे आक्रामक रुख कतई नहीं अपनाएगा। मौजूदा संकेत बताते हैं कि भारत "टकराव" के बजाय "संतुलन" की नीति पर चलेगा। भारत-अमेरिका रिश्ते आज आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा स्तर पर गहरे हैं, लेकिन भारत की विदेश नीति की परंपरा यह रही है कि वह किसी एक ध्रुव के सामने पूरी तरह न झुके। भविष्य में पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ते बाजार, और प्रस्तावित एफटीए, भारत की किसी एक देश पर निर्भरता को काफी कम कर सकते हैं। ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रिश्तों को देखते हुए भारत को बिना अनावश्यक उकसावे या आत्मसमर्पण के संवाद और सहयोग के दरवाजे खुले रखने चाहिए, यही हमारे लिए सबसे व्यावहारिक और सशक्त रास्ता है।

प्रसंगवश

न्याय व्यवस्था में जमानत और गरीबी का सवाल

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल में उम्रकैद की सजा भुगत रहे एक कैदी खरताराम की चिट्ठी को ही याचिका मानकर सुनाए गए फैसले में कहा है कि गरीबी कोई अपराध नहीं है और न ही यह किसी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित करने का आधार बन सकती है। यह टिप्पणी केवल एक व्यक्ति को राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबे समय से मौजूद एक गंभीर असमानता को रेखांकित करती है। पाली जिले का निवासी खरताराम हत्या के एक मामले में वर्ष 2014 से सजा काट रहा है। जिला पैरोल कमेटी ने 29 सितंबर 2025 को उसे चौथी बार 40 दिन की नियमित पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन इसके साथ 25-25 हजार रुपये के दो जमानती पेश करने की शर्त भी जोड़ दी गई। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर होने के कारण खरताराम इस शर्त को पूरा नहीं कर सका। खरताराम के पास वकील करने तक के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने जेल से ही पोस्टकार्ड भेजकर हाईकोर्ट से गुहार लगाई। हाईकोर्ट ने न केवल उसकी याचिका सुनी, बल्कि इस फैसले को ऐसे मामलों में एक नजीर के रूप में स्थापित कर दिया। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि पैरोल या जमानत की शर्तें तय करते समय अधिकारियों को मशीनी रवैया छोड़कर मानवीय और संवैधानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर जमानत और पैरोल की शर्तें एक तयशुदा ढांचे के तहत लगा दी जाती हैं, बिना यह देखे कि संबंधित व्यक्ति उन्हें पूरा करने की स्थिति में है या नहीं। यह फैसला केवल एक कैदी को राहत देने का मामला नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है, जिसमें देश के हजारों गरीब कैदी फंसे हुए हैं।

सवाल सिर्फ पैरोल या जमानत का नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र का है, जहां जमानत, पैरोल और अर्थदंड जैसे कानूनी प्रावधान गरीब व्यक्ति के लिए राहत की जगह नई सजा बन जाते हैं। देश की जेलों में आज भी बड़ी संख्या में ऐसे कैदी बंद हैं, जिन्हें अदालतें जमानत या पैरोल दे चुकी हैं, लेकिन पैसे के अभाव में वे अब भी सलाखों के पीछे हैं। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 26 नवंबर 2022 को संविधान दिवस के अवसर पर स्वयं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कहना पड़ा था कि देश की जेलों में हजारों ऐसे कैदी बंद हैं, जिनके पास जमानत पर रिहाई का कोर्ट आदेश तो है, लेकिन जमानत राशि चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं। राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के दो दिन बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्यों से रिपोर्ट तलब की। इसके बाद फरवरी 2023 में सर्वोच्च अदालत ने इस मुद्दे पर सात महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। अदालत की मंशा स्पष्ट थी कि जमानत आदेश की सार्थकता तभी है, जब वह वास्तव में किसी व्यक्ति को जेल से बाहर ला सके। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश एक रिपोर्ट में सामने आया कि जनवरी 2023 तक 5,380 ऐसे कैदी थे, जिन्हें जमानत मिल चुकी थी, लेकिन वे अब भी जेल में बंद थे और इसका एकमात्र कारण आर्थिक कमजोरी था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल अदालतों को निर्देश दिए कि जमानत की शर्तें तय करते समय कैदियों की आर्थिक स्थिति पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। अदालत ने कहा कि अगर जमानत की शर्तें कैदी की हैसियत से परे हैं, तो ऐसी जमानत का कोई अर्थ नहीं रह जाता। राजस्थान हाईकोर्ट का यह फैसला इसी संवैधानिक सोच की अगली कड़ी है। हाईकोर्ट ने उस प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई, जिसमें हर मामले में एक जैसी जमानत शर्तें थोप दी जाती हैं। यह फैसला इस बात का संकेत है कि अब अदालतें केवल आदेश देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर देना चाहती हैं। समाधान स्पष्ट हैं, आवश्यकता केवल इच्छाशक्ति और संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण की है।

शीत का सूखापन दे रहा भविष्य के रूखेपन का संदेश

अमित शर्मा
हल्द्वानी

शीतकाल आधा निकल गया और हिमालय क्षेत्रों के अधिकतर जिले बारिश की बूंदों के लिए बादलों की ओर टकटकी लगाए हैं, जबकि मौसम के जानकारों के मुताबिक अब तक पर्वतीय जिलों में आदर्श बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में कम से कम एक बार अच्छी बारिश हो जानी चाहिए थी।

देवभूमि की प्रकृति का अनुपम सौंदर्य और बरबस अपनी ओर खींचते उत्तराखंड के जंगलों को बचाए रखने के लिए हर दिन बदलता मौसम हमें फिर चेता रहा है, क्योंकि उत्तराखंड का मौसम इस समय बेहद खतरनाक दौर से गुजर रहा है। मौसम का यह अनोखा बदलाव इस हिमालयी राज्य के भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक भी है और शीत का यह सूखापन भविष्य के रूखेपन का स्पष्ट संदेश भी है।

शीतकाल आधा निकल गया और हिमालय क्षेत्रों के अधिकतर जिले बारिश की बूंदों के लिए बादलों की ओर टकटकी लगाए हैं, जबकि मौसम के जानकारों के मुताबिक अब तक पर्वतीय जिलों में आदर्श बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में कम से कम एक बार अच्छी बारिश हो जानी चाहिए थी, मगर ऐसा नहीं हो पाया। जनवरी मध्य तक सूखा रहना राज्य के जल जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो बेहद चिंता का विषय है। उत्तराखंड के मौसम में कितना बदलाव आया है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले करीब पांच वर्षों में बारिश में 10 से 89 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। बरसात के साथ ही इस हिमालयी राज्य में बर्फबारी का पैटर्न भी बदला है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों को छोड़ दें, तो कभी 4-5 फीट तक बर्फ में दबे रहने वाले क्षेत्रों में अब इंच या एक फीट तक ही हिमपात होता है। मौसम में इस बदलाव का फर्क तापमान पर भी पड़ा है। पर्यटन नगरी नैनीताल की ही बात करें, तो शाम ढलने के बाद भी न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियम तक बना रहा है।

यह अजीब ही है कि सरोवर नगरी नैनीताल और अन्य पर्वतीय जिले भी अक्टूबर से अभी तक सूखे की जबरदस्त चपेट में है। अब मौसम विभाग ने आज-कल में विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ से वर्षा और हिमपात की संभावना जाहिर की है। यह विक्षोभ प्रभावशाली रहा तो चार माह के सूखे के टोटे पर विराम लग पाएगा। दरअसल इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभों का उठना अक्टूबर के पहले सप्ताह से शुरू हो गया था। पहला विक्षोभ प्रभावशाली रहा था और प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों पर पहला हिमपात हुआ था। उसके बाद विक्षोभ तो कई आए, लेकिन राज्य में उनका खास प्रभाव नहीं रहा और हिमालय की उच्च चोटियों में हल्के हिमपात तक सिमटकर रह गए। अब एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर जल्द दिखना शुरू हो जाएगा। यह विक्षोभ कितना शक्तिशाली होगा, इसका सटीक पूर्वानुमान अभी नहीं है, लेकिन तय है कि यदि यह विक्षोभ अधिक प्रभावी रहा तो सूखा समाप्त हो जाएगा।

यह उल्लेखनीय तथ्य है कि मौसम के लिहाज से हिमालय क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालय राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के तेजी पिघलने व हिमपात में गिरावट से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आएगा। जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होंगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा इको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। वसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि वसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रवि की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी। मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं है, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है। हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखकर लगता है कि ये बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। एरीज के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि इस जनवरी में हिमपात होता है, तो फिर भी लाभदायक होगा, मगर फरवरी की बर्फबारी का अधिक लाभ नहीं मिलेगा, क्योंकि फरवरी में तापमान काफी उठ चुका होता है, जिस कारण बर्फ जल्द पिघल जाएगी और भूमिगत जलसंचय को मिलने वाला फायदा नहीं मिल पाएगा, जिसका असर ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट के रूप में देखने को मिलेगा। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में बदलाव आ रहे हैं और पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर रहने के पीछे भी यही कारण है, इसका पता लगाने के लिए रिसर्च जरूरी है।

आमने

चीन भारत से हर क्षेत्र में आगे है। भारत की तुलना में चीन आज मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी, मशीन आदि बना रहा है। चीन ने मैन्युफैक्चरिंग स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री पर बहुत ध्यान दिया है। भारत चीन से इन क्षेत्रों में पीछे रह गया।
– राहुल गांधी
सांसद

सामने

चीन इसलिए डेवलप कर रहा है, क्योंकि उसके पास विपक्ष में राहुल गांधी जैसा पप्पू नहीं है। भारत में राहुल गांधी जैसा एक विध्वंसक है, जो देश को तोड़ने की गतिविधियों में लगा रहता है। जब विपक्ष में ऐसा नेता होगा तो निश्चित ही चीन आगे बढ़ेगा।
–सुब्रत पाठक
पूर्व सांसद

रिश्तों में गर्मजोशी से पिघलने लगी बर्फ

मनोज त्रिपाठी
कानपुर

अमेरिका ने लोकतांत्रिक देशों की बैठक दुनियाभर में क्रिटिकल मिनरल्स के खानों व प्रसंस्करण पर चीन के बढ़ते दबदबे के रोकने के लिए बुलाई थी। ऐसे में इसमें भारत का शामिल होना महत्वपूर्ण रहा।

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से रिश्तों में खटास का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि भारत उनकी बात माने, लेकिन मोदी सरकार अपनी नीतियों पर अडिग थी, लेकिन अब बीते चार दिनों का घटनाक्रम इस बात की तरफ साफ इशारा कर रहा है कि रिश्तों पर जमा बर्फ पिघलने के साथ ट्रेड डील की गाड़ी आगे बढ़ने जा रही है।

दोनों देशों के बीच तल्खी कम होने और पारस्परिक सहयोग तथा व्यापार बढ़ाने के लिए गर्मजोशी वापस आने का पहला संकेत भारत में अमेरिका के राजदूत का पदभार संभालने के बाद सर्जियो गोर के बयानों से मिली। सर्जियो गोर को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की टीम के विश्वस्त सहयोगियों में गिना जाता है, ऐसे में उनका यह कहना कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी या अहम साझेदार कोई अन्य देश नहीं है और एक राजदूत के तौर पर वह उस बेहद महत्वाकांक्षी एजेंडे के लिए रास्ता बनाने आए हैं, जिस पर दोनों पक्ष सच्चे रणनीतिक साझेदार के रूप में अपनी ताकत, आपसी सम्मान और नेतृत्व को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। यही नहीं, सर्जियो गोर ने यहां तक कह दिया कि "मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दुनियाभर में यात्राएं की हैं और दावे के साथ कह सकता हूं कि पीएम मोदी के साथ उनकी दोस्ती बहुत सच्ची है। दो अच्छे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में वे अपने सारे मतभेद दूर कर लेते हैं।"

इसके अगले ही दिन विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई, जिसने अटकी वार्ताओं को आगे बढ़ाने का काम किया। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा सहयोग और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर सहयोग पर चर्चा हुई। इस वार्ता के बाद जयशंकर ने कहा भी कि रूबियो के साथ "अच्छी बातचीत" हुई है और अब दोनों देशों के बीच जल्दी ही किसी ठोस फैसले की उम्मीद है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पिछले वर्ष कई दौर की वार्ताएं होने के बाद भी बात नहीं बन सकी थी, लेकिन अब ट्रेड डील पर बात एक बार फिर शुरू हो चुकी है और माना जा रहा है कि भारत से अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों को खोलने की मांग पर अड़ा अमेरिका कुछ लचीलापन दिखाने के लिए तैयार है।

यही नहीं, रिश्ते तब और पटरी पर आते नजर आए जब अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर द्वारा नए संगठन 'पैक्स सिलिका' का सदस्य बनने का प्रस्ताव भारत के समक्ष रखे जाने के एक दिन बाद ही वाशिंगटन में इसी संदर्भ में अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट की अगुवाई में हुई लोकतांत्रिक देशों की बैठक में भारत के रेलवे और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिस्सा लिया। पैक्स सिलिका अमेरिका की तरफ से शुरू की गई एक नई अंतर्राष्ट्रीय पहल है। इसमें पैक्स शब्द लैटिन से लिया गया है, जिसका आशय शांति या स्थिरता और सिलिका का मतलब सिलिकॉन से है। मकसद अहम खनिजों और ऊर्जा से लेकर एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक तक सिलिकॉन की सप्लाई चेन सुनिश्चित करके स्थिरता बकरार रखना है।

अमेरिका ने लोकतांत्रिक देशों की बैठक दुनियाभर में क्रिटिकल मिनरल्स के खानों व प्रसंस्करण पर चीन के बढ़ते दबदबे के रोकने के लिए बुलाई थी। ऐसे में इसमें भारत का शामिल होना महत्वपूर्ण रहा। बैठक का बड़ा उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने के साथ वैकल्पिक स्रोत तलाशना रहा। इसी बीच एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम में ट्रंप के दाएं हाथ माने जाने वाले व्हाइट हाउस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और अश्विनी वैष्णव की मुलाकात रही, जिसके बाद क्रैट्सियोस ने कहा कि उन्होंने भारत में होने वाले आगामी एआई इम्पैक्ट समिट पर चर्चा की। अब अगले महीने दिल्ली में फिर मिलेंगे। एक और जिस बात ने सभी का ध्यान इसी समय खींचा, वह भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई वाले ब्रिक्स ब्लॉक के कई सदस्यों द्वारा दक्षिण अफ्रीका के तट के पास संयुक्त नौसैनिक अभ्यास शुरू करना रहा।

इस अभ्यास का नेतृत्व चीन कर रहा है और रूस, ईरान और यूएई जैसे देश इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं, जहां एक तरफ दक्षिण अफ्रीका ने इन अभ्यासों को दुनियाभर में बढ़ते समुद्री तनाव के लिए जरूरी जवाब बताया है, वहीं भारत ने इस अभ्यास से खुद को अलग रखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत के इस फैसले के पीछे अमेरिका के साथ रिश्तों को संतुलित रखने की रणनीति एक अहम वजह है। टीवी चैनल अल जजीरा ने भी इस नौसैनिक अभ्यास पर प्रस्तुत कवरेज रिपोर्ट में बताया कि भारत के लिए इस अभ्यास से बाहर रहना अमेरिका के साथ संतुलन साधने का तरीका है। हालांकि भारत की ओर से सूत्रों ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ जारी तनाव के कारण भारत ने चीन की सेना के साथ सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से बचने का फैसला लिया है। अब सच्चाई कुछ भी हो, लेकिन इतना साफ है कि भारत-अमेरिका की साझेदारी दुनिया के मौजूदा माहौल में एक अलग महत्व रखती है। ऐसे में दोनों देशों के संबंध मजबूत होने से दोनों देशों के साथ ही वैश्विक शांति और अर्थव्यवस्था को भी लाभ होना तय है।

सोशल फोरम

लेखन वृत्ति नहीं एक प्रवृत्ति

डीएन तिवारी
लेखक

क्या कोई लेखक प्रसिद्धि और पैसे के लिए लिखता है? क्या लेखन एक वृत्ति या आजीविका अर्जित करने के उद्देश्य से किया जाता है। बिल्कुल नहीं। लेखन वृत्ति नहीं एक प्रवृत्ति होती है। व्यक्ति के भीतर विचार आते हैं और वह उन विचारों को लिपिबद्ध करता है, जो कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, विचार लेख, ग्रंथ आदि के रूप में अस्तित्व में आते हैं। लेखन का पहला उद्देश्य आत्मसंतुष्टि और आत्माभिव्यक्ति ही होता है। हां, जब उसका लेखन पाठकों तक पहुंचता है और पाठक उसे पसंद करते हैं तब उसे एक लेखक अर्थात साहित्यकार, कवि, उपन्यासकार आदि के रूप में पहचान मिलती है।

यदि उसका लेखन लोगों को बहुत अच्छा लगता है तब वह लेखक धीरे-धीरे प्रसिद्ध हो जाता है, उसकी कृतियां पुस्तकों के रूप में लोगों तक पहुंचती हैं। ये पुस्तकें बिक्री के लिए होती हैं, जिनकी बिक्री से उनके प्रकाशकों और लेखकों को आर्थिक लाभ होता है। लेखक को आर्थिक लाभ मिलता है, तो उसे अच्छा तो लगता ही है, फिर भी इसमें कोई संदेह नहीं कि जब लेखक ने अपनी लेखन यात्रा आरंभ की थी तब उसका उद्देश्य प्रसिद्ध होना और आर्थिक लाभ अर्जित करना कदापि नहीं रहा होगा। हां, इस लेखन यात्रा में कुछ लेखकों को प्रसिद्धि और पैसा भी मिल जाता है, लेकिन वह उनके लेखन कार्य का एडेड बेनिफिट है, लेखन का उद्देश्य नहीं। अतः यह मानना या ये कहना तर्कसंगत नहीं कि लेखक के लेखन का मूल उद्देश्य प्रसिद्धि और पैसा कमाना होता है। लेखन का मूल उद्देश्य आत्मसंतुष्टि तथा आत्माभिव्यक्ति ही होता है। वैसे प्रसिद्धि और पैसा चाहता, तो हर लेखक है, लेकिन यह सबके भाग्य में नहीं होता। दोनों एक साथ तो गिने-चुनों को मिलते हैं। हर कोई तस्लीमा नसरीन, अमितेश त्रिपाठी और चेतन भगत नहीं हो सकता।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सौर ऊर्जा: उपलब्धि के साथ उभरती सौर कचरे की चुनौती

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

पिछले एक दशक में भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ है। आज देश इतिहास रचने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार होना एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। वर्ष 2014 में मात्र 3 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2025 में लगभग 129 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें ग्राउंड-माउंटेड प्रोजेक्ट, रूफटॉप सोलर, हाइब्रिड सिस्टम और ऑफ-ग्रिड इंस्टॉलेशन शामिल हैं। बड़े सौर पार्कों के साथ-साथ लाखों घरों पर लगे रूफटॉप सिस्टम अब बिजली पैदा कर ग्रिड में ऊर्जा पहुंचा रहे हैं। भारत की सौर ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 4,000 प्रतिशत बढ़ गई थी और देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 227 गीगावाट तक पहुंच गई थी। जम्मू-कश्मीर का पल्ली गांव एक उल्लेखनीय उदाहरण बन गया, जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर चलने के कारण भारत की पहली कार्बन-न्यूट्रल पंचायत के रूप में उभरा। भविष्य की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए ऊर्जा भंडारण और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। देश में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु शीर्ष सौर उत्पादक राज्यों में शामिल हैं, जिनमें राजस्थान की सौर क्षमता अत्यधिक है तथा वहां निरंतर विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

सौर ऊर्जा की बढ़त से भारत की कोयले पर निर्भरता कम हो गई है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि तो है, लेकिन इसके साथ एक चुनौती भी है। बेशक यह इस्तेमाल में साफ यानी प्रदूषण मुक्त है, लेकिन अगर सही तरीके से प्रबंधन न किया जाए, तो सोलर पैनल पर्यावरण के लिए खतरा बन सकते हैं। सोलर पैनल का ज्यादातर हिस्सा रिसाइकल किया जा सकता है। इनमें कांच, एल्युमिनियम, चांदी और पॉलिमर होते हैं, लेकिन इनमें थोड़ी मात्रा में ही मौजूद सीसा और कैडमियम जैसी जहरीले धातुओं को अगर ठीक तरीके से संभाला न जाए, तो ये मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं। आमतौर पर सोलर पैनल लगभग 25 साल तक चलते हैं, उसके बाद उन्हें हटाकर फेंक दिया जाता है। फिलहाल भारत में सौर कचरे को रिसाइकल करने के लिए अलग से कोई बजट नहीं है और पुराने पैनलों को प्रोसेस करने के लिए कुछ छोटे-छोटे केंद्र ही हैं। भारत के पास सौर कचरे का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है।

एक अध्ययन के मुताबिक 2023 तक लगभग एक लाख टन और 2030 तक 6 लाख टन तक सौर कचरा पैदा हो सकता है। वहीं ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक नए अध्ययन के मुताबिक, भारत में 2047 तक 1.1 करोड़ टन से ज्यादा सौर कचरा पैदा हो सकता है। इसे सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए लगभग 300 विशिष्ट रीसाइक्लिंग केंद्र चाहिए होंगे और अगले दो दशक में करीब 47.80 करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। संभावित खतरों को देखते हुए भारत में 2022 में सोलर पैनलों को ई-वेस्ट नियमों के तहत लाया गया। इससे अब यह निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि पैनलों की उम्र पूरी होने पर वे (निर्माता) उन्हें इकट्ठा करें, स्टोर करें, तोड़ें और रिसाइकल करें। अभी यह मात्रा कम है, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि कचरे का असली बोझ आगे आने वाला है। अगर जल्द ही निवेश कर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो भारत को बढ़ते सौर कचरे के संकट का सामना करना पड़ सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार कैंपस

वर्ड स्मिथ

कार शब्द की उत्पत्ति

अंग्रेजी भाषा में प्रचलित 'CAR' शब्द का पहला उल्लेख लगभग 13 वीं सदी के आसपास मिलता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से इसे आज के अर्थों में स्वीकार किए जाने में काफी समय लगा। प्रारंभ में यह शब्द किसी आधुनिक वाहन के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से पहियों पर चलने वाले साधनों के लिए प्रयोग होता था। समय के साथ परिवहन के साधनों में आए बदलावों ने इसके अर्थ को भी बदल दिया।

इतिहास और भाषाविज्ञान के अनुसार 'कार' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कैरस (Carrus) या कैरम (Carrum) से हुई है, जिसका अर्थ होता है, पहियों वाला वाहन। लैटिन में कैरस का प्रयोग वैगन, चार पहियों वाली मालगाड़ी, कार्टलोड या वैगनलोड के लिए किया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि कार शब्द का मूल अर्थ निजी सवारी नहीं, बल्कि भार वहन और परिवहन से जुड़ा हुआ था। इसी तरह Vehicle (व्हीकल) या हिंदी का 'वाहन' शब्द भी लैटिन से ही निकला है। लैटिन शब्द Vehiculum से अंग्रेज़ी का व्हीकल और हिंदी का वाहन बना। इसका मूल अर्थ है, ढोने या ले जाने वाला साधन। इस दृष्टि से वाहन वह माध्यम है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाए। मध्ययुगीन काल में कैरस शब्द का प्रयोग वजन की इकाई के रूप में भी होता था। भाषाई विकास के क्रम में इसके लैटिन रूप कैरम और चार्रस भी मिलते हैं। माना जाता है कि कैरस की जड़ें गॉलिश भाषा के कर्रोस और उससे भी पुराने प्रोटो-सेल्टिक कैरोस में हैं, जिनका अर्थ रथ या वैगन था। अंग्रेजी में प्रयुक्त Cart शब्द का अर्थ घोड़ा-गाड़ी है, हालांकि इसका 'कार' से सीधा संबंध स्पष्ट नहीं है। इस प्रकार 'कार' शब्द प्राचीन रथों से होते हुए आधुनिक मोटर वाहन तक की लंबी भाषाई और ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाता है।

नोटिस बोर्ड

- सहारनपुर के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में भारत की प्रतिष्ठित कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा सिडकुल हरिद्वार, महिंद्रा एंड महिंद्रा स्वराज यूनिट तृतीया हुमायूंपुर हंदसेरा मोहाली प्रतिभाग कर रही है। रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर अभ्यार्थियों का साक्षात्कार के द्वारा चयन किया जाएगा। ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई, स्नातक पास हो, जिनकी आयु 18 से 26 वर्ष के बीच हो वह 16 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार को प्रात: 10 :00 बजे से सांय के 3 :00 बजे तक अपना बायो डाटा व शैक्षित प्रमाण-पत्र के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खजूरी रोड देवबंद में उपस्थित होकर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। छात्रों के लिए खास बात यह है कि इस रोजगार मेले में युवाओं को रजिस्ट्रेशन करने की भी आवश्यकता नहीं है। वह सीधे आकर अपनी एजुकेशन के आधार पर नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।
- उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (JEECUP) द्वारा 15 जनवरी से यूपी पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इच्छुक और योग्य छात्र आधिकारिक वेबसाइट jeecup.admissions.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। जीकप एप्लीकेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2026 है। कोर्स ग्रुप के अनुसार छात्रों से शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग मांगी गई है। जेईईकप 2026 रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में सामान्य /ओबीसी को 300 रुपये तथा आरक्षित कैंडिडेट को 200 रुपये देना होगा। यूपी पॉलिटेक्निक एंट्रेंस एग्जाम 2026 रजिस्ट्रेशन समाप्त होने के बाद करेक्शन विंडो मई 2026 में ओपन की जाएगी।

कहीं आपका बच्चा भी डिस्लेक्सिया या डिसग्राफिया से ग्रस्त तो नहीं

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उसके बच्चे की पढ़ाई-लिखाई दूसरे बच्चों से बेहतर हो, लेकिन कई बार कुछ बच्चों को अक्षर या स्पेलिंग पहचानने में कठिनाई होती है। उनका दिमाग सही अक्षर, रंग या आकृति नहीं पहचान पाता। बच्चा तेजी से लिखने में मुश्किल महसूस करता है। इस कारण वह अन्य बच्चों से अलग-थलग होने लगता है। इस समस्या को डिस्लेक्सिया या डिसग्राफिया कहते हैं। यह सीखने से जुड़ी एक ऐसी स्थिति होती है, जो पढ़ने और लिखने की क्षमता प्रभावित करती है। अभिनेता आमिर खान ने 'तारे जमीं पर' फिल्म बनाकर बच्चों की इसी समस्या पर लोगों का ध्यान खींचा था, लेकिन अब ऐसे बच्चों की परेशानी आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इनक्यूबेशन और इनोवेशन सेंटर में इनक्यूबेटेड कंपनी क्यूट ब्रेंस ने दूर कर दी है। कंपनी ने एक ऐसा ऐप तैयार किया है, जिसकी मदद से डिस्लेक्सिया पीड़ित बच्चे आसानी से किसी भी चीज को जानने और समझने के साथ सीख सकते हैं। कंपनी का मानना है कि "हर बच्चा अलग तरीके से सीखता है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन विभिन्नताओं को पहचानें और उनका पोषण करें।" *-राजीव त्रिवेदी, कानपुर*

तमाम बच्चों में न्यूरल डेवलपमेंट सामान्य बच्चों जैसा नहीं हो पाता है। क्यूट ब्रेन्स स्टार्ट अप के तहत आईआईटी कानपुर के ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर बृजभूषण द्वारा तैयार ऐप 'एसेसटिव एप्लीकेशन फॉर चिल्ड्रेन विद डिस्लेक्सिया एंड डिस्ग्राफिया' इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यह बच्चों की सीखने की क्षमता, विकासात्मक विलंब और न्यूरोडाइवर्सिटी स्थितियों जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी और डिस्लेक्सिया की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनी का मानना है कि समय पर स्क्रीनिंग से तंत्रिका विकास संबंधी चुनौतियों को बढ़ने से पहले पहचानने में मदद मिलती है।

60 दिन के अभ्यास से दूर हो जाती समस्या

क्यूट ब्रेन्स के प्रतिनिधि बच्चों को एक टचस्क्रीन डिवाइस देते हैं, जिस पर बच्चों को पाठ्य सामग्री लिखकर या शब्द लिखते हुए अंगुली फेरनी होती है। बच्चों को आडियो-वीडियो विजुअल्स की मदद के साथ हेप्टिक लर्निंग (बार-बार अंगुली फेरना) का कांसेप्ट सिखाया जाता है। इस तरह के 60 दिनों के अभ्यास के बाद गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे भी आसानी से पढ़ाई करने लगते हैं। फिलहाल कक्षा एक से लेकर पांचवीं तक के बच्चों के लिए यह ऐप और तकनीक काफी प्रभावी है।

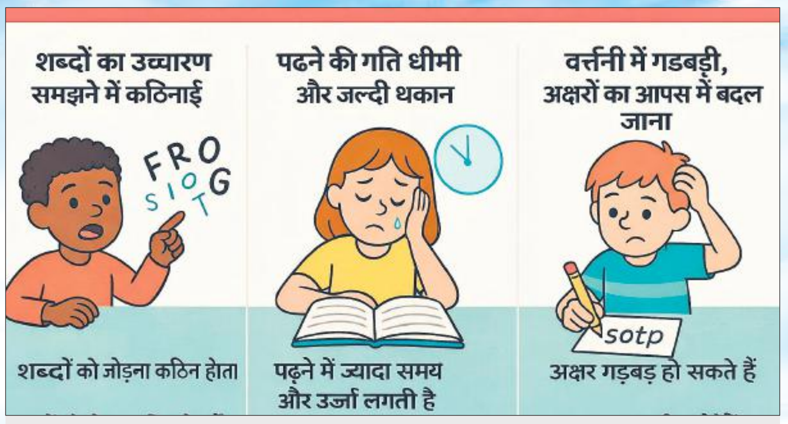

किस तरह ले सकते हैं मदद

क्यूट ब्रेंस की वेबसाइट पर जाकर सीधे संपर्क कर सकते हैं। साइट पर दिया गया फॉर्म अभिभावक को भरकर जमा करना होता है। इसके बाद क्यूट ब्रेंस के प्रतिनिधि संवाद करते हैं। इस काम के लिए एक न्यूनतम फीस रखी गई है। इस प्रक्रिया में सबसे पहले बच्चे की क्लीनिकल स्क्रीनिंग कराई जाती है। क्यूट ब्रेन्स पठन-लेखन अक्षमता और सीखने की समस्या से जूझ रहे बच्चों के प्रति सहानुभूति एवं सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए इनोवेटिव शैक्षिक जनसंपर्क आयोजित करती है, छात्रों और शिक्षकों को इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से जोड़ती है ताकि डिस्लेक्सिया के बारे में भ्रम दूर किया जा सके। कंपनी बच्चों की सीखने की अक्षमताओं का पता लगाकर निदान करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

क्या होता है डिस्लेक्सिया

डिस्लेक्सिया एक (लर्निंग डिसआर्डर) सीखने संबंधी विकार है, जो अक्सर बच्चों और यहां तक कि कई बार बड़ों में भी पढ़ने, लिखने और वर्तनी की समझ में कठिनाई पैदा करता है। इस बीमारी का तकनीक की मदद से प्रबंधन संभव है।

डिस्लेक्सिक बच्चों में यह होते लक्षण

- वाणी का विकास देर से हो सकता है। नई शब्दावली समझने, वर्णमाला के अक्षरों को याद करने, दोहराने या सरल तुकबंदी करने में कठिनाई आ सकती है।
- उन शब्दों और अक्षरों को बोलने में ज्यादा कठिनाई होती है, जिन्हें वे देखते हैं।
- ऐसे बच्चों के लिए यह सामान्य बात है कि वे परिचित शब्दों में अक्षरों का गलत उच्चारण करें या उन्हें मिला दें।
- साधारण कहानी या कविता की घटनाओं के अनुक्रम को पुनः याद करने में कठिनाई होती है। बच्चा इसे संक्षेप में प्रस्तुत करने में असमर्थता महसूस कर सकता है।
- पढ़ने या लिखने के साथ होमवर्क पूरा करने में बहुत ज्यादा समय लगता है।
- नंबर अनुक्रमों का पालन करने में कठिनाई हो सकती है। जोड़, घटाना, गुणा और भाग के अंकगणितीय प्रतीक उसे भ्रमित कर सकते हैं।
- रंगों के नाम, सप्ताह के दिन या महीनों के नाम याद करने या समय बताना सीखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- स्कूल में खराब पढ़ने-समझने के कारण बच्चा दूसरे छात्रों से अलग-थलग रह सकता है।
- बच्चा बहुचरणीय निर्देशों का पालन नहीं कर पाता है, 'बाएं' या 'दाएं' दिशाओं के निर्देश में उसे कठिनाई हो सकती है।
- ऐसे बच्चों को पेंसिल सही से पकड़ने में दिक्कत होती है। विराम चिन्हों, व्याकरण नियमों को याद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस कारण उनकी लिखावट अस्पष्ट होती है। उन्हें लिखने में दूसरे बच्चों से ज्यादा समय लगता है।
- सामान्य या उच्च बुद्धि होने के बावजूद ऐसे बच्चों को बात करते समय सही शब्द ढूंढने में कठिनाई होती है।

कैंपस में पहला दिन: जो सपना था हुआ पूरा, मन का मिला कॉलेज

उमंग अग्रवाल
महासचिव, फैसिलिटेशन फॉर इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन, कानपुर

जब मैं छात्र जीवन में था, उसी वक्त से शहर के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज क्राइस्टचर्च में पढ़ने का सपना मन में था। एक समय वह भी आया जब कॉलेज में पढ़ने के लिए मैं योग्य हो गया। मेरे सामने परिवार की कई तरह की कॉलेज में प्रवेश को लेकर सलाह थी। उनमें शहर के ही डिग्री कॉलेज पीपीएन को परिवार सबसे अधिक प्राथमिकता दे रहा था।

मेरे दूसरी ओर क्राइस्टचर्च कॉलेज था, जहां पढ़ना हर युवा का सपना होता था। क्राइस्टचर्च कॉलेज का फैशन, वहां का कल्चर, धारा प्रवाह अंग्रेजी बोलते युवा व प्रोफेसर और शहर के धनाढ्य परिवार से आएं युवाओं से दोस्ती। यह सब मेरे मन को चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा था। दूसरी ओर पीपीएन कॉलेज का अनुशासन, मेरिट होल्डर युवा और हर समय पढ़ाई का माहौल। ऐसे में मेरे मन में हलचल हो रही थी। एक समय आया जब मैंने निर्णय ले लिया कि मैं अपने स्कूल के दिनों के सपनों को जरूर पूरा करुंगा। ऐसे में मैंने साथियों के दबाव में घर में झूठ बोल दिया। कहा कि मेरा पीपीएन कॉलेज में दाखिला नहीं हो पाया। इस तरह से मैंने अपने सपने को पूरा करने के लिए राह बना ली। क्राइस्टचर्च में प्रवेश हुआ और मेरा पहला ही दिन सपनों का मानो सच होना रहा।

कॉलेज परिसर में घुसते हुए एक लड़कपन मन में छा रही थी। मन में हिलौरे उठ रहे थे। मन में यह भी विचार आया कि अब हम बड़े हो चुके हैं। पहला दिन कॉलेज में मेरे प्रोफेसर्स ने मेरा कक्षा में स्वागत किया। उस दिन मुझे यह ख्याल आया कि यदि आप सपने देखते हैं, तो उसे पूरा करने की भी योजना आप ही बनाएंगे। उस दिन से मैं अपने जीवन में जो भी लक्ष्य बनाता हूं, उसे खुद ही पूरा करता हूं। कॉलेज के पहला दिन मुझे जीवन में बड़ा संदेश दे गया।

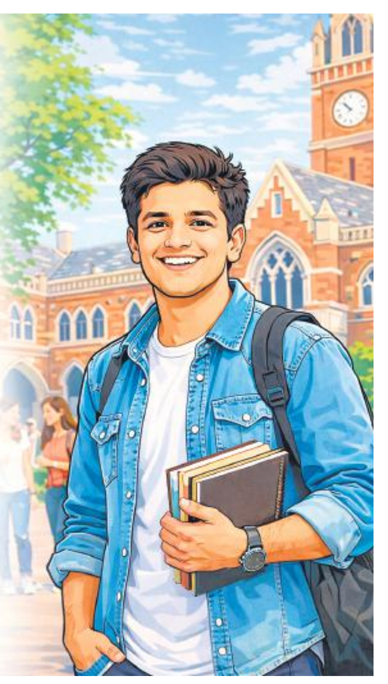

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारत ने BRICS अध्यक्षता 2026 की औपचारिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत BRICS 2026 का आधिकारिक लोगों और समर्पित वेबसाइट लॉन्च की गई है। यह पहल ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं और यह भारत की जन-केंद्रित, समावेशी और सहयोगात्मक अध्यक्षता की दृष्टि को दर्शाती है। इसका उद्देश्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है।
- भारत और जर्मनी ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और कई प्रमुख क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते रक्षा निर्माण, उन्नत प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और व्यापार सहयोग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इस पहल से दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाया गया है और इसका उद्देश्य आर्थिक विकास, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ावा देना है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जनवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी के पास, NH-544G के बेंगलुरु–कडप्पा–विजयवाड़ा आर्थिक कॉरिडोर के निर्माण के दौरान चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। इसके तहत NHAI ने 24 घंटों के भीतर 9.63 किलोमीटर लंबी 3-लेन चौड़ी सतत बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने और 10,655 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने का रिकॉर्ड। ये रिकॉर्ड छह-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत विश्व स्तर पर पहली बार बने। इसके अलावा NHAI 57,500 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट की सतत बिछाई। वहीं 3-लेन चौड़ी और 52 किलोमीटर लंबी सतत सड़क निर्माण। इन रिकॉर्डों से उत्कृष्ट समन्वय, मैकेनाइजेशन और चौबीसों घंटे निष्पादन क्षमता का प्रदर्शन हुआ।
- अरुणाचल प्रदेश का नवगठित जिला केयी पन्योर अब भारत का पहला 'बायो-हैप्पी जिला' बनने जा रहा है। यह पहल जैव विविधता संरक्षण और मानवीय कल्याण को एकीकृत करने का एक अभिनव प्रयास है, जो सतत विकास की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह परियोजना प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन द्वारा प्रतिपादित "बायोहैप्पीनेस" की अवधारणा को पुनर्जीवित करती है और पारिस्थितिकी, आजीविका तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के समन्वय से आधारित एक विकास मॉडल को बढ़ावा देती है।

जॉब अलर्ट

यूनाइटेड कमर्शियल बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960 रुपये प्रति माह
- योग्यता-किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई. / बी.टेक./ एम.सी.ए. / एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, एमसीए, एमएससी
- आयु सीमा - 20 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 02-फरवरी-2026
- वेबसाइट https://uco.bank.in

सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च

- पद का नाम- प्रोजेक्ट इंजीनियर / प्रोजेक्ट एसोसिएट / प्रोजेक्ट साइंटिफिक असिस्टेंट / प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट
- पदों की संख्या- 147
- वेतन- 21,000 - 34,000 रुपये प्रति माह
- योग्यता- B.E/B.Tech/M.E/M.Tech/ MSc/डिप्लोमा/ITI (पद के अनुसार)
- आयु सीमा-25 से 30 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आवेदन की अंतिम तिथि-25-जनवरी-2026
- वेबसाइट-https://sameer.gov.in

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

- पद का नाम- उप प्रबंधक (तकनीकी)
- कुल रिक्तियां- 40 पद
- योग्यता- सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री
- आयु सीमा- 30 वर्ष
- वेतन: लेवल 10 (रु. 56,100 - 1,77,500) + CDA
- आवेदन का तरीका- ऑनलाइन
- चयन- गेट 2025 स्कोर (सिविल इंजीनियरिंग)
- अंतिम तिथि- 09-फरवरी-2026 (शाम 06:00 बजे)

सही टाइम टेबल से बोर्ड परीक्षा में पाएं अच्छे मार्क्स

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

बोर्ड परीक्षाओं का समय नजदीक आते ही छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों की धड़कनें भी तेज हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश बोर्ड और सीबीएससी बोर्ड ने 10 वीं और 12 वीं कक्षा की परीक्षाओं में 1 माह का समय शेष है। फरवरी के मध्य से शुरू होने वाली इन परीक्षाओं के लिए अब केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि सही रणनीति के साथ पढ़ते हुए रिवीजन करना जरूरी भी हो गया है। इसके लिए एक सुव्यवस्थित टाइम टेबल सबसे अहम भूमिका निभाता है। बिना टाइम टेबल के पढ़ाई करना ठीक वैसा ही है, जैसे बिना दिशा-निर्देश के किसी अनजान रास्ते पर निकल पड़ना। सही टाइम मैनेजमेंट न सिर्फ पढ़ाई को आसान बनाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

सुबह करें पढ़ाई

परीक्षा की तैयारी के लिए दिन की शुरुआत का तरीका बेहद महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सुबह का समय दिमाग के लिए सबसे अधिक सक्रिय और ग्रहणशील होता है। ऐसे में विद्यार्थियों को सुबह जल्दी उठने की आदत डालनी चाहिए। यदि संभव हो तो 4 :30 या 5 बजे उठकर पढ़ाई शुरू करें। इस समय गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान या ऐसे विषय पढ़ना लाभकारी होता है, जिनमें ज्यादा एकाग्रता और सोच-विचार की जरूरत होती है। सुबह के शांत वातावरण में किया गया अध्ययन लंबे समय तक याद रहता है। हालांकि लगातार पढ़ाई करने से मानसिक थकान हो सकती है, इसलिए दो घंटे की पढ़ाई के बाद छोटा सा ब्रेक लेना भी जरूरी है।

बीच-बीच में लें ब्रेक

पढ़ाई के दौरान ब्रेक लेना समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जरूरत है। लगातार घंटों तक किताबों में डूबे रहने से दिमाग थक जाता है और याददाश्त पर भी असर पड़ता है। इसलिए हर दो घंटे के अध्ययन के बाद 10 से 15 मिनट का अंतराल जरूर रखें। इस दौरान हल्की स्ट्रेचिंग करें, थोड़ी देर टहलें या आंखों को आराम दें। यह छोटी-सी आदत आपकी एकाग्रता और कार्यक्षमता को बनाए रखती है।

प्रीवियर्स ईयर के पेपर करें सॉल्व

परीक्षा की तैयारी में रिवीजन की भूमिका सबसे अहम होती है। कई छात्र नया पढ़ने में तो समय लगाते हैं, लेकिन दोहराव को नजरअंदाज कर देते हैं। पढ़े हुए का रिवीजन रोज करें। इससे दिनभर पढ़ा हुआ विषय मन में स्थिर रहता है। वहीं केवल रिवीजन ही न करें, बल्कि मॉडल पेपर और पुराने पेपर पर भी हल करें ताकि परीक्षा पैटर्न और समय प्रबंधन दोनों पर पकड़ मजबूत हो सके।

हर सब्जेक्ट को बराबर टाइम दें

अक्सर यह देखा जाता है कि छात्र अपने पसंदीदा विषयों पर ज्यादा ध्यान देते हैं और जिन विषयों में कमजोरी होती है, उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यही गलती परीक्षा के समय भारी पड़ जाती है। एक संतुलित टाइम टेबल वह होता है, जिसमें हर विषय को उचित समय दिया जाए। यदि किसी विषय में समझ कमजोर है, तो उसके लिए अतिरिक्त समय निर्धारित करना समझदारी है। इससे धीरे-धीरे वह विषय भी आसान लगने लगता है और परीक्षा का डर कम होता है।

पर्याप्त नींद

यह समझना जरूरी है कि अच्छी पढ़ाई तभी संभव है, जब शरीर और मन दोनों स्वस्थ हों। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और मोबाइल से दूरी परीक्षा की तैयारी में बड़ी भूमिका निभाते हैं। रोजाना 6 से 7 घंटे की नींद लें और जंक फूड से बचें। जब छात्र अनुशासित दिनचर्या के साथ पढ़ाई करता है, तो सफलता अपने आप उसके कदम चूमती है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,382.71	25,665.60
गिरावट	244.98	66.70
प्रतिशत में	0.29	0.26

सोना 1,46,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,86,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 15 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

बिजनेस ब्रीफ

4680 भारत सेल का विस्तार करेगा ओला

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने बुधवार को अपने 4680 भारत सेल मंच के विस्तार की घोषणा की। इस पहल के तहत कंपनियां और स्टार्टअप अब ऑटोमोटिव, ह्यूमनॉइड्स (रोबोट), ड्रोन और पोर्टेबल चिकित्सा उपकरणों में उपयोग के लिए सीधे 4680 भारत सेल या 1.5 केडब्ल्यूएच का 4680 भारत सेल बैटरी पैक खरीद सकते हैं। बेंगलुरु की कंपनी ने कहा कि इस घोषणा के साथ कंपनी स्टार्टअप और कंपनियों को भारत में डिजाइन, इंजीनियर और तैयार नए ऊर्जा भंडारण समाधानों के साथ तेजी से नवाचार करने और विस्तार करने में सक्षम बनाएगी।

ग्रो का लाभ 28% घटकर 547 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। शेयर खरीद-बिक्री मंच ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 28% की गिरावट के साथ 547 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का अक्टूबर-दिसंबर 2024 में शुद्ध लाभ 757 करोड़ रुपये था। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने कहा कि मुनाफे में गिरावट के बावजूद समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय सालाना आधार पर 26% बढ़कर 1,261 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले 1,004 करोड़ रुपये थी। स्टेट स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट ने साझेदारी के तहत ग्रो एएमसी में 6.5 करोड़ डॉलर (580 करोड़ रुपये) का निवेश किया है।

शैडोफैक्स का आईपीओ 22 को

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 118-124 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि 1,907 करोड़ का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा और 24 जनवरी को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 19 जनवरी को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 1,000 करोड़ के नए शेयर और 907.27 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल शेयर की राशि 1,907.27 करोड़ रुपये बैठती है। शैडोफैक्स को फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है।

रियल एस्टेट में 14.25 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में इक्विटी पूंजी निवेश 2025 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 14.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। डेवलपर, संस्थागत निवेशकों और रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) सहित विभिन्न स्रोतों से इक्विटी पूंजी निवेश कैलेंडर वर्ष 2024 में 11.43 अरब डॉलर रहा था। सीबीआरई के अनुसार, 2025 में निवेश परिदृश्य में भूमि/विकास स्थलों का दबदबा रहा। इसने कुल निवेश का 46 प्रतिशत से अधिक आकर्षित किया। इसके बाद निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही।

नीति आयोग के ईपीआई में शीर्ष पांच में यूपी

निर्यात तैयारी सूचकांक में महाराष्ट्र पहले, तमिलनाडु दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर

- निर्यात क्षमता और प्रदर्शन पर राज्यों की तैयारियों का आकलन कर तैयार हुआ सूचकांक

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग के चौथे निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2024 में महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद तमिलनाडु और गुजरात क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर है। यह सूचकांक राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रदर्शन के संदर्भ में उनकी तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब का स्थान है।

छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद जम्मू-कश्मीर, नगालैंड, दादरा एवं नगर हवेली और दमन व दीव, गोवा तथा त्रिपुरा का स्थान है। रिपोर्ट जारी करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौतों का विस्तार करने के साथ ही मजबूत घरेलू आधार का महत्व बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों के लिए इसका अर्थ ऐसे परिवेश को बढ़ावा देना है जो नए अवसरों पर तेजी से प्रतिक्रिया दे सके और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। साथ ही जिलों में प्रतिस्पर्धा का माहौल बना सके।

आर्थिक वृद्धि का प्रमुख चालक है निर्यात

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि हाल के वर्षों में कई राज्यों ने समर्पित नीतियों, संस्थानों और बुनियादी ढांचे के माध्यम से अपनी निर्यात दृष्टि को मजबूत करना शुरू कर दिया है जो अधिक सक्रिय एवं संरचित दृष्टिकोण की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। निर्यात, आर्थिक वृद्धि का एक प्रमुख चालक है और यह देशों को वैश्विक मूल्य शृंखलाओं (जीवीसी) में अपनी स्थिति मजबूत करने, विदेशी मुद्रा अर्जित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

राज्य तथा केंद्र के स्रोतों से जुटाए गए आंकड़े

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत के लिए निर्यात आर्थिक मजबूती बढ़ाने, व्यापार घाटा कम करने और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। निर्यात तैयारी सूचकांक में एक सुसंगत एवं आंकड़ा-आधारित पद्धति का इस्तेमाल किया गया है। इसके तहत निर्यात नीतियों, कारोबारी माहौल, बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता एवं निर्यात परिणामों सहित कई कारकों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें आंकड़े राज्य तथा केंद्र सरकार दोनों के स्रोतों से जुटाए जाते हैं और प्रत्येक संकेतक को उसके महत्व के आधार पर भार प्रदान किया जाता है।

थोक महंगाई 8 महीने के उच्च स्तर 0.83% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी

थोक महंगाई में लगातार दूसरे महीने वृद्धि जारी रही और दिसंबर 2025 में यह 8 महीने के उच्च स्तर 0.83% पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी से इसमें वृद्धि दर्ज की गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से नीचे 0.32% और अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.02% रही थी। दिसंबर 2024 में थोक मुद्रास्फीति 2.57% थी।

उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मुद्रास्फीति बीते महीने मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, खनिजों, मशीनरी एवं उपकरणों के विनिर्माण, खाद्य उत्पादों के निर्माण और वस्त्र आदि की कीमतों में वृद्धि से बढ़ी। डब्ल्यूपीआई के अनुसार, दिसंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतें 0.43% कम हुईं जबकि नवंबर में यह दर 4.16% थी। सब्जियों की महंगाई दर में दिसंबर में 3.50% की गिरावट आई जबकि नवंबर में यह 20.23% थी।

वित्तीय परामर्श कंपनी बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने कहा कि दिसंबर में खाद्य पदार्थों में महंगाई में कम दर से कमी एवं विनिर्माण उत्पादों में बढ़ती मुद्रास्फीति से थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि हमें थोक मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि जारी रहने का अनुमान है। विनिर्मित उत्पादों के मामले में मुद्रास्फीति नवंबर 2025 के 1.33% के मुकाबले दिसंबर में 1.82% रही। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी की मुद्रास्फीति दिसंबर में 2.95% रही जबकि नवंबर में यह 2.27% थी। ईंधन तथा बिजली क्षेत्रों में महंगाई दर में गिरावट जारी रही और यह 2.31% रही जबकि नवंबर में यह 2.27% थी।

रुपये में गिरावट से बढ़ सकती है महंगाई

रेटिंग एजेंसी इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि प्रतिकूल आधार के कारण खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर वृद्धि, वैश्विक जिंस कीमतों में वृद्धि और पिछले कुछ महीनों से रुपये में गिरावट से इक्रा को जनवरी में थोक मुद्रास्फीति के बढ़कर 1.5% पर पहुंचने का अनुमान है जो पिछले 10 महीनों में सार्वाधिक होगा। इसी सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, सब्जी, अंडा और दाल समेत रसोई की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से बीते दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 1.33% पर पहुंच गई। नवंबर में मुद्रास्फीति 0.71% थी।

नीति समीक्षा के समय आरबीआई की होती है नजर

आरबीआई मौद्रिक नीति समीक्षा करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर नजर रखता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25% की कटौती की है जो अब 5.5% है। आरबीआई ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को पहले के 2.6% से घटाकर 2% कर दिया था। रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अपना अनुमान पहले के 6.8 से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। भारत ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत और अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

चीन को भारतीय निर्यात में वृद्धि व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर

बीजिंग, एजेंसी

- 2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

चीनी सीमा शुल्क ने बुधवार को जारी वार्षिक व्यापार आंकड़ों में बताया कि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में 2025 के दौरान सालाना आधार पर 5.5 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इस अवधि में व्यापार घाटा 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

आंकड़ों के मुताबिक 2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। चीन को होने वाला भारतीय निर्यात पिछले साल जनवरी से दिसंबर के बीच बढ़कर 19.75 अरब डॉलर हो गया। यह 9.7% की वृद्धि है, जो राशि के मामले में 5.5 अरब डॉलर बैठती है। वहीं दूसरी ओर, भारत को होने वाला चीनी निर्यात पिछले वर्ष 12.8% बढ़कर 135.87 अरब डॉलर हो गया। दोनों देशों के बीच व्यापार में तेजी आ रही है और कुल द्विपक्षीय व्यापार 2025 में 155.62 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। दोनों देशों को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुल्क में की गई वृद्धि का सामना करना पड़ा। चीन के साथ व्यापार घाटा भारत के लिए समस्या है और यह पिछले साल 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। 2023 के बाद यह दूसरी बार है, जब व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर के पार है। 2024 में व्यापार घाटा 99.21 अरब डॉलर था, जिसमें चीन का निर्यात कुल 113.45 अरब डॉलर था और चीन को होने वाला भारत का निर्यात 14.25 अरब डॉलर था। चीन के वार्षिक व्यापार आंकड़े जनवरी से दिसंबर तक की अवधि दर्शाते हैं, जबकि भारत अपने आंकड़े मार्च से अप्रैल वित्त वर्ष के आधार पर जारी करता है।

एफटीए से जुड़े मुद्दों को सुलझाने को भारत, यूरोपीय संघ के दल संपर्क में

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की इस महीने के अंत में भारत यात्रा से पहले प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और यूरोपीय संघ (ईयू) के दल लगातार संपर्क में हैं। भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को यहां आयोजित किया जाएगा। यूरोपीय संघ का शीर्ष नेतृत्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि रहेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में ब्रसेल्स में व्यापार तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ दो दिवसीय बैठक की थी, जिसमें वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई। ये निरंतर संपर्क महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष बातचीत को जल्द समाप्त करना चाहते हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्ष शेष विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इन मुद्दों में यूरोपीय संघ का कार्बन कर और कुछ वस्तुओं पर शुल्क में कटौती शामिल है।

- भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 को, संघ का शीर्ष नेतृत्व गणतंत्र दिवस होगा मुख्य अतिथि

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने 6-7 जनवरी को ब्रसेल्स में यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड से भी मुलाकात की थी। एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए अब तक 16 दौर की बातचीत हो चुकी है। भारत अपने श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा एवं चमड़ा के लिए शून्य शुल्क की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ मोटर वाहन, चिकित्सकीय उपकरण, शराब, स्पिरिट, मांस व मुर्गी पालन में महत्वपूर्ण शुल्क कटौती और मजबूत बौद्धिक संपदा व्यवस्था की मांग कर रहा है। भारत और यूरोपीय संघ ने नौ साल के बाद एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते एवं भौगोलिक संकेतकों पर समझौते के लिए जून 2022 में बातचीत फिर से शुरू की थी। बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों से 2013 में वार्ता रुक गई थी। 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर का (जिसमें 75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब डॉलर का आयात था) था जिससे यूरोपीय संघ वस्तुओं का बड़ा भागीदार बन गया।

बुलिश-बेयरिश फ्लैग : विश्वसनीय कंटीन्यूएशन पैटर्न

शेयर बाजार में तकनीकी विश्लेषण के तहत चार्ट पैटर्न निवेशकों और ट्रेडर्स को कीमतों की संभावित दिशा समझने में मदद करते हैं। इन्हीं पैटर्नों में बुलिश और बेयरिश फ्लैग को विश्वसनीय कंटीन्यूएशन पैटर्न माना जाता है। ये पैटर्न यह संकेत देते हैं कि मौजूदा ट्रेंड में थोड़े समय के ठहराव के बाद कीमतें फिर उसी दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। आमतौर पर ये पैटर्न तेज मूवमेंट के बाद बनते हैं, जहां बाजार कुछ समय के लिए सीमित दायरे में घूमता है। सही वॉल्यूम और ब्रेकआउट के साथ ये पैटर्न ट्रेडिंग के अच्छे अवसर प्रदान करते हैं और जोखिम प्रबंधन में भी सहायक होते हैं।

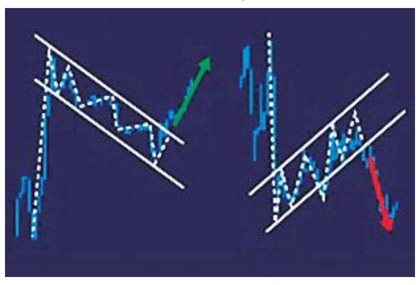

बुलिश फ्लैग

बुलिश फ्लैग अपट्रेंड में बनता है। जब शेयर या इंडेक्स में तेजी आती हैं, तो इसे फ्लैग पोल कहते है। कीमतें थोड़ी गिरावट या साइडवेज में जाती हैं और समानांतर ट्रेंड लाइनों के बीच छोटा चैनल बनाती हैं, जो फ्लैग कहलाता है।

विशेषताएं

- पहले तेज उछाल
- उसके बाद हल्का कंसोलिडेशन
- वॉल्यूम में कमी
- ऊपर की ओर ब्रेकआउट पर वॉल्यूम का बढ़ना

ट्रेडिंग संकेत

जब कीमत फ्लैग की ऊपरी ट्रेंड लाइन को तोड़ती है, तो यह खरीद का संकेत देता है। लक्ष्य आमतौर पर फ्लैग पोल की लंबाई के बराबर माना जाता है।

बेयरिश फ्लैग

बेयरिश फ्लैग डाउनट्रेंड में बनता है। इसमें पहले तेज गिरावट होती है, जिसे फ्लैग पोल कहा जाता है। इसके बाद कीमतें थोड़ी रिकवरी या सीमित दायरे में ऊपर की ओर जाती हैं और एक छोटा चैनल बनाती हैं।

विशेषताएं

- पहले तेज़ गिरावट
- फिर हल्का ऊपर की ओर कंसोलिडेशन
- वॉल्यूम में गिरावट
- नीचे की ओर ब्रेकडाउन पर वॉल्यूम का बढ़ना

ट्रेडिंग संकेत

जब कीमत फ्लैग की निचली ट्रेंड लाइन को तोड़ती है, तो यह बिक्री का संकेत देता है। यहां भी लक्ष्य फ्लैग पोल की लंबाई के आधार पर तय किया जाता है।

फायदे

- ट्रेंड के साथ ट्रेड करने का मौका
- स्पष्ट एंट्री और एग्जिट स्तर
- रिस्क-रिवार्ड अनुपात बेहतर

जोखिम

- फेक ब्रेकआउट से बचें
- वॉल्यूम कन्फर्मेशन जरूरी
- स्टॉप लॉस का पालन अनिवार्य

दूसरे दिन भी गिरा बाजार, सेंसेक्स 245 अंक फिसला

मुंबई। वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के बीच आईटी और चुनिंदा बैंक शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 245 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 66 अंक की गिरावट आई। विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने और अमेरिकी शुल्क संबंधी नई अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

बीएसई का सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 66.70 अंक टूटकर 25,665.60 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस, एशियन पेंट्स, मारुति, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में तेजी रही।

विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों के दम पर चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2% कर दिया है। यह उसके जून के अनुमान से 0.9% अधिक है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट वैश्विक आर्थिक संभावनाएं में कहा कि 2026-27 में भारत की वृद्धि दर धीमी होकर 6.5% रह सकती है।

यह अनुमान इस धारणा पर है कि अमेरिका का 50% आयात शुल्क इस दौरान लागू रहेगा। इसके बावजूद उम्मीद है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखेगा। विश्व बैंक ने कहा कि अमेरिका को होने वाले कुछ निर्यातों पर उच्च शुल्क के बावजूद वृद्धि के पूर्वानुमान में जून के अनुमानों के मुकाबले कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसकी मुख्य वजह यह है कि उन शुल्कों के प्रतिकूल प्रभावों की भरपाई घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि और अधिक निर्यात द्वारा की गई। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 12% है। 2027-28 में वृद्धि दर बढ़कर 6.6% होने की उम्मीद है, जिसे मजबूत सेवा गतिविधियों के साथ निर्यात में सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलेगा।

भारत की वृद्धि दर होगी 7.5 से 7.8% : डेलॉयट

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7.5 से 7.8% रहने जबकि 2026-27 में 6.6 से 6.9% की दर से बढ़ने का अनुमान है। सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने कहा कि भारत के लिए 2025 को घरेलू मांग में जुझारूपन, राजकोषीय, मौद्रिक एवं श्रम नीतियों में निर्णायक सुधारों और व्यापार नीतियों में पुनर्समायोजन के वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8% की वृद्धि हुई।

बैंकों, एनबीएफसी में लोकपाल भर्ती के लिए नियम जारी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में ग्राहकों की शिकायतों के समाधान व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बैंकों और एनबीएफसी में आंतरिक लोकपाल की नियुक्ति और कामकाज के लिए दिशानिर्देश जारी किए।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), गैर-बैंक प्रीपेड भुगतान उपकरण जारीकर्ताओं और क्रेडिट सूचना कंपनियों के लिए अलग-अलग निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने कहा कि ये निर्देश विनियमित संस्थाओं (बैंक, एनबीएफसी आदि) के भीतर आंतरिक शिकायत समाधान व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थाओं के भीतर एक शीर्ष स्तर के प्राधिकरण द्वारा ग्राहकों की शिकायतों का तेजी से समाधान करने के लिए जारी किए गए हैं।

ब्लिंकिट के बाद जेप्टो, स्विगी फ्लिपकार्ट ने भी 10 मिनट में आपूर्ति की ब्रांडिंग हटाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- श्रमिक अधिकार समूहों की चिंताओं के बाद सरकार सख्त

सरकार की सख्ती के बाद 10 मिनट में सामान पहुंचाने की अपनी सेवाओं से जुड़ी ब्रांडिंग को ब्लिंकिट के बाद त्वरित आपूर्ति कंपनियों जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी हटा दिया है। यह कदम चंद मिनटों में सामान पहुंचाने की जल्दबाजी से आपूर्तिकर्ताओं की सुरक्षा एवं कल्याण को पैदा होने वाले जोखिम से जुड़ी सरकार और श्रमिक अधिकार समूहों की चिंताओं के बाद उठाया गया है।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने गत सप्ताह हितधारकों के साथ हुई बैठक में क्विक कॉमर्स कंपनियों से डिलीवरी साझेदारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा था। मांडविया ने सुझाव दिया था कि सामान को जल्द पहुंचाने की सख्त समय-सीमा, खासकर 10 मिनट में डिलीवरी जैसी प्रतिबद्धताएं हटाई जानी चाहिए। सरकार के इस निर्देश के बाद ब्लिंकिट ने मंगलवार को 10 मिनट में आपूर्ति के वादे को अपने मंच से हटा दिया। बुधवार को जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी 10 मिनट में सामान पहुंचाने का वादा करने वाली ब्रांडिंग को हटाया। हालांकि टाटा समूह के स्वामित्व वाले बिग बास्केट पर 10 मिनट में ग्रॉसरी का सामान पहुंचाने का उल्लेख अब भी मौजूद है।

प्रोत्साहन

डीपीआईआईटी सचिव बोले- कंपनियों को विनिर्माण लागत घटाने में मिल सकती है मदद

कॉरपोरेट क्षेत्र का स्टार्टअप से जुड़ाव बढ़ाएगी सरकार

- सरकार ने कई कंपनियों के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार उभरते उद्यमियों को बढ़ावा देने और देश में घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के उद्देश्य से कंपनियों को स्टार्टअप के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि स्टार्टअप फर्मों को उत्पादों के निर्माण में शामिल करने और उन्हें आपूर्ति शृंखला से जोड़ने से कंपनियों को विनिर्माण लागत घटाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में

विभाग ने कई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि कॉरपोरेट जगत को स्टार्टअप के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। भाटिया ने कहा कि हम कॉरपोरेट क्षेत्र को स्टार्टअप फर्मों के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कंपनियां अपनी समस्याओं के समाधान का काम स्टार्टअप को आउटसोर्स कर सकती हैं। इस उद्देश्य को पूरा कर पाना बड़ी चुनौती है, लेकिन इस दिशा में काम जारी है।

भाटिया ने कहा कि 16 जनवरी को स्टार्टअप परिदृश्य पर केंद्रित राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस कार्यक्रम मनाया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। जनवरी 2016 में शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सरकार तीन प्रमुख योजनाएं- स्टार्टअप के लिए कोषों का कोष, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड यानी शुरुआती कोष योजना और स्टार्टअप के लिए क्रेडिट गारंटी योजना का संचालन कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य स्टार्टअप फर्मों को विभिन्न चरणों में वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

10 वर्षों में दो लाख से अधिक इकाइयों को सरकार ने दी स्टार्टअप की मान्यता

डीपीआईआईटी सचिव ने कहा कि 10 वर्षों में देश की स्टार्टअप परिवेश को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं और अब तक विभाग की तरफ से दो लाख से अधिक इकाइयों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत आयकर छूट सहित कई प्रोत्साहन दिए जाते हैं। भाटिया ने बताया कि गहन प्रौद्योगिकी पर आधारित स्टार्टअप फर्मों को बढ़ावा देने के लिए भी उपाय किए गए हैं और डीपीआईआईटी शोध एवं विकास प्रयोगशालाओं को स्टार्टअप परिवेश से जोड़ने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए वित्त मुहैया करा रही है और हमें उम्मीद है कि निजी क्षेत्र से भी निवेश आएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

काला सागर में यूनान के तेल टैंकरों पर ड्रोन से किया गया हमला

एथेंस। एक यूनानी समुद्री सुरक्षा फर्म ने मंगलवार को पुष्टि की कि उसके स्वामित्व वाले तीन टैंकरों पर दिन की शुरुआत में अज्ञात ड्रोन से हमला किया गया। ये टैंकर काला सागर में लंगर डाले खड़े थे और कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) टर्मिनल पर कच्चे तेल के लादे जाने का इंतजार कर रहे थे। यूनानी आधिकारिक समाचार एजेंसी एएमएनए के अनुसार, सुरक्षा फर्म 'डियाप्लस' इस घटना की निगरानी कर रही है। उसने इन जहाजों की पहचान थेनामार्टिस के जहाज 'एमटी मटिल्डा' और लाइबेरिया के झंडे वाले दो जहाजों 'एमटी डेल्टा हार्मनी' आ 'एमटी डेल्टा सुप्रीम' के रूप में की है, जिन्हें डेल्टा टैंकर्स संचालित करता है। शुरुआती खबरों में कहा गया था कि इलाके में चार टैंकर ड्रोन हमले की चपेट में आए हैं।

पाकिस्तानी से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान यात्रा के दौरान नवंबर में एक स्थानीय मुस्लिम से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला 48 वर्षीय सरबजीत कौर को गिरफ्तार कर लाहौर के एक सरकारी आश्रय गृह में भेज दिया गया है। सरबजीत उन 2,000 सिख तीर्थयात्रियों में शामिल थीं, जिन्होंने गुरु नानक जयंती से संबंधित समारोहों में भाग लेने के लिए पिछले साल नवंबर में भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश किया था। कुछ दिनों बाद तीर्थयात्री वतन लौट गए, लेकिन सरबजीत लापता हो गईं। लाहौर पुलिस ने बाद में बताया कि उसने पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद चार नवंबर को लाहौर से लगभग 50 किमी दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली।

नेपाली कांग्रेस पार्टी विभाजित, गगन थापा नए अध्यक्ष चुने गए

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस पार्टी बुधवार को औपचारिक रूप से विभाजित हो गई क्योंकि इसके महासचिवों गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा के नेतृत्व वाले दो गुटों और पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बीच बातचीत किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही। थापा को विशेष सम्मेलन में नेपाली कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी उस समय टूट गई जब थापा और शर्मा द्वारा देउबा से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की मांग को खारिज कर दिया गया। दोनों महासचिवों ने देउबा से शीर्ष पद से इस्तीफा देने और आगामी संसदीय चुनाव न लड़ने का आग्रह किया था।

घर में मृत पाए गए ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित संगीतकार जॉन फोर्टे

● नहीं साफ हुआ मौत का कारण, जांच में जुटी न्यूयॉर्क पुलिस

न्यूयॉर्क। 'फ्यूजीज' और 'रिफ्यूजी कैंप ऑल-स्टार्स' जैसे बैंड के साथ काम कर चुके एवं ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित संगीतकार जॉन फोर्टे का 50 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार दोपहर को मैसाचुसेट्स के चिलमार्क स्थित उनके घर में उनका शव पाया गया।

जॉन फोर्टे के परिवार में उनकी पत्नी लारा फुलर और दो बच्चे हैं। लारा पेशे से फोटोग्राफर हैं। चिलमार्क पुलिस प्रमुख सीन स्लाविन ने एक बयान में कहा कि इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी या मौत का स्पष्ट कारण नहीं मिला है। स्लाविन के अनुसार राज्य का चिकित्सा परीक्षक कार्यालय मामले की जांच कर रहा है। न्यूयॉर्क शहर के मूल निवासी फोर्टे में विलक्षण संगीत प्रतिभा थी। उन्होंने 20 वर्ष की आयु में ही फ्यूजीज के ग्रैमी-विजेता एल्बम द स्कोर और वाइक्लिफ जीन के ग्रैमी के लिए नामित एल्बम 'द कार्निवल' में काम करके प्रसिद्धि प्राप्त की। जॉन फोर्टे कई वाद्ययंत्र बजाने में माहिर थे। उनके एकल एल्बम पॉली सी और आई जॉन भी रिलीज हुए जिनमें कार्ली साइमन सहित कई अन्य कलाकारों ने काम किया था।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का दावा

एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश

ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है और भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका महाद्वीप का हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक रूप से डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्त क्षेत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से हाल ही में ग्रीनलैंड को हर हालत में अमेरिकी नियंत्रण में लाने की मंशा जताई गई है जिसने वैश्विक स्तर पर नई चिंताओं को जन्म दिया है। ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जा कर एक तीर से कई निशाने साधना चाहते हैं। उनके प्रमुख उद्देश्यों में राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ ग्रीनलैंड के प्राकृतिक संसाधनों को हथियाना और आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन के लगातार बढ़ते प्रभाव को सीमित करना शामिल है। हालांकि खुद अमेरिका में इस कदम को जोखिम भरा माना जा रहा है और इसका विरोध भी हो रहा है।

ट्रंप की दिलचस्पी के कारण

- डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी अधिकारी ग्रीनलैंड को उत्तरी अमेरिका की रक्षा और नाटो की निवारक रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान मानते हैं।
- यहां अमेरिका का पितुफिक स्पेस बेस मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी के साथ खास तौर पर रूस की गतिविधियों पर नजर रखता है।
- यह ग्रीनलैंड, आइसलैंड और यूके के बीच स्थित है जो अटलांटिक महासागर में रूसी नौसैनिक आंदोलनों की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है।
- ग्रीनलैंड में तेल, गैस, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और महत्वपूर्ण खनिजों के बड़े और अप्रयुक्त भंडार हैं। बर्फ पिघलने के साथ इन तक पहुंच बन रही है।

ग्रीनलैंड की प्रमुख विशेषताएं

- दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जिसका लगभग 80% हिस्सा साल भर बर्फ की मोटी चादर से ढका रहता है।
- उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच मध्य-अटलांटिक क्षेत्र में स्थित है, यहां लंबी और कठोर सर्दियां होती हैं।
- पश्चिम में कनाडा से डेविस जलडमरूमध्य, दक्षिण-पूर्व में डेनमार्क जलडमरूमध्य द्वारा विभाजित होता है।

अमेरिका को संभावित लाभ

- आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका को भारी बढ़त मिलेगी। रूस-चीन की महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण पाना आसान हो जाएगा।
- ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों, तेल-गैस के भंडारों के दोहन से अमेरिका की चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम होगी।
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक की बर्फ पिघलने से नए समुद्री व्यापार मार्ग खुल रहे हैं। इन पर नियंत्रण होगा।

संभावित दुष्परिणाम

- ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर वैश्विक समुद्र स्तर को नियंत्रित करती है। अमेरिकी गतिविधियों से पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में कई जटिल परिणाम हो सकते हैं, रणनीतिक महत्व बदलने से सैन्य-राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय कानूनों, संधियों और संप्रभुता के सिद्धांतों को चुनौती, अंतर्राष्ट्रीय हित धारकों के राजनयिक संबंधों में तनाव आ सकता है।

रूस और चीन के संभावित कदम

रूस की ओर से आर्कटिक में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने, उत्तरी समुद्री मार्ग पर नए सैन्य बेस बनाने की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिका को जवाब देने के लिए रूस परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती के साथ उत्तरी सीमा पर हाइपरसोनिक मिसाइलें तैनात कर सकता है।

चीन अपने पोलर सिल्क रोड विजन को बचाने के लिए रूस के साथ मिलकर निवेश बढ़ाएगा ताकि अमेरिका का प्रभाव कम किया जा सके।

बेकाबू ट्रंप पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सांसदों ने रखा विधेयक

सैन्य शक्ति को सीमित करने का प्रस्ताव, कहा- ग्रीनलैंड पर हमले के लिए धन नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

लगातार आक्रामक तेवर दिखा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड सहित किसी भी नाटो सदस्य देश या क्षेत्र पर हमला करने या कब्जा करने से रोकने के लिए अमेरिका के सांसदों (सीनेटर) ने एक विधेयक पेश किया है। मंगलवार को पेश किए गए इस विधेयक 'नाटो यूनिटी प्रोटेक्शन एक्ट' में रक्षा विभाग और विदेश विभाग की ओर से किसी भी नाटो सदस्य देश के क्षेत्र की नाकेबंदी करने, कब्जा करने, विलय करने या नियंत्रण स्थापित करने के लिए धन के उपयोग पर रोक लगाने का प्रावधान है।

इसके अलावा, रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर डॉन बेकन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के साथ मिलकर एक ऐसा विधेयक पेश किया है जो राष्ट्रपति को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने से पहले ही रोकने का प्रयास करता है। बेकन ने एक बयान में लिखा, सोमवार को पेश किया गया 'नो फंड्स फॉर नाटो इन्वेजन एक्ट' विधेयक किसी भी नाटो सदस्य देश या नाटो-संरक्षित क्षेत्र पर आक्रमण के लिए संघीय धन के उपयोग को प्रतिबंधित करेगा। सांसदों ने 80 साल पुराने नाटो गठबंधन को अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों के बीच शांति और सहयोग की नींव' बताया और कहा कि इससे आर्थिक अवसर बढ़े हैं, सुरक्षा बेहतर हुई है और सहयोगियों के साथ शांति स्थापित हुई है।

सांसदों ने एक बयान में कहा, हमें भड़काऊ बयानबाजी बंद करनी चाहिए, अपने साझा अवसरों का लाभ उठाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन लोगों के वास्तविक खतरों का मुकाबला करना चाहिए, जो हमारे मूल्यों को साझा नहीं करते हैं। बिल कीटिंग ने एक्स' पर लिखा, आज शाम मैंने द्विदलीय 'नो फंड्स फॉर नाटो इन्वेजन एक्ट' विधेयक पेश किया, जो ट्रंप प्रशासन को किसी भी नाटो सहयोगी के क्षेत्रों पर आक्रमण करने से रोकता है।

डेनमार्क-ग्रीनलैंड के नेता ट्रंप के खिलाफ एकजुट

नुक। रणनीतिक रूप से अहम आर्कटिक द्वीप पर कब्जा करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान के खिलाफ डेनमार्क और उसके क्षेत्र ग्रीनलैंड के नेता एकजुट हो गए हैं। चेतावनी दी गई है कि इस विशाल द्वीप पर कब्जा करने या इसे अलग होने के लिए मजबूर करने का अमेरिकी प्रयास ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ देगा जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सुरक्षा का एक मुख्य आधार रहा है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस फ्रेडरिक नीलसन ने अपनी एकजुटता पर जोर देने की कोशिश की। कोपेनहेगन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान फ्रेडरिक्सन ने कहा, प्रिय ग्रीनलैंडवासियों आपको यह जानना चाहिए कि हम आज एक साथ खड़े हैं, हम कल भी एक साथ खड़े रहेंगे और आगे भी साथ रहेंगे। अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे।

ट्रंप ने कहा- ग्रीनलैंड पर नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे

नुक (ग्रीनलैंड)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों की मेजबानी के लिए आयोजित वार्ता से कुछ घंटे पहले की। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर यह दलील दोहराई कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसे हासिल करने के लिए नाटो को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए अन्यथा रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे। ट्रंप ने लिखा, ग्रीनलैंड के अमेरिका के हाथों में आने से नाटो कहीं अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बन जाएगा। वेंस का बुधवार को वाशिंगटन में डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन और उनके ग्रीनलैंड के समकक्ष विवियन मोट्ज़फेल्ड से इस पूरे मुद्दे पर बैठक करने का कार्यक्रम है।

नशे में थे जुबिन गर्ग, लाइफ जैकेट पहनने से भी कर दिया था इन्कार

सिंगापुर, एजेंसी

सिंगापुर की एक अदालत को बुधवार को बताया गया कि असम के गायक जुबिन गर्ग पिछले साल सितंबर में लाजरस द्वीप के पास काफी नशे में थे और उन्होंने लाइफ जैकेट पहनने से मना कर दिया था। इसके बाद वह डूब गए थे। सिंगापुर पुलिस को उनकी मृत्यु में किसी प्रकार की साजिश का संदेह नहीं है। गर्ग 19 सितंबर 2025 को एक नौका पर कुछ लोगों के साथ थे, जब सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में प्रस्तुति देने से एक दिन पहले डूबने से उनकी मृत्यु हो गई।

चैनल 'न्यूज एशिया' की खबर के अनुसार, मुख्य जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि गर्ग ने शुरू में लाइफ जैकेट पहनी थी, लेकिन बाद में उसे उतार दिया और फिर उन्हें दी गई दूसरी लाइफ जैकेट को पहनने से भी इन्कार कर दिया। चैनल ने अधिकारी के हवाले से बताया कि उस समय गर्ग काफी नशे में थे और कई प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें नौका की ओर वापस तैरने की कोशिश करते देखा, तभी वह शिथिल पड़ गए और उनका शरीर पानी पर उतराता नजर आया। गर्ग को तुरंत नौका पर वापस लाया गया और उन्हें कार्डियोपल्मोनरी रिसुसिटेशन (सीपीआर) दिया गया, लेकिन उसी दिन बाद में उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अदालत को बताया गया कि गायक उच्च रक्तचाप और मिर्गी से पीड़ित थे और उन्हें 2024 में इसका दौरा पड़ा था। यह हालांकि स्पष्ट नहीं है कि घटना वाले दिन उन्होंने मिर्गी की अपनी नियमित दवा ली थी या नहीं, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों के साक्ष्य यह साबित करने के लिए अपर्याप्त हैं कि उन्होंने वास्तव में दवा ली थी। गर्ग का पोस्टमार्टम करने वाले फोरेंसिक विशेषज्ञ ने गवाही में कहा कि यह निर्धारित नहीं किया जा सकता कि उन्हें दौरा पड़ा था या नहीं।

● सिंगापुर की अदालत को जांच अधिकारी ने दी जानकारी, कहा- साजिश का कोई संदेह नहीं

भारत में हत्या का केस

भारत में मामले की जांच कर रही एक एसआईटी ने महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के सचिव सिद्धार्थ शर्मा और उनके बैंड के दो सदस्यों शेखरज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत पर हत्या का आरोप लगाया है। गर्ग के चचेरे भाई संदीपन पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है।

सिंगापुर की अदालत में पुलिस ने रखे ये तथ्य

- जांच अधिकारी ने घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा देते हुए बताया कि पहली बार तैरने के दौरान गर्ग ने अपनी लाइफ जैकेट उतार दी थी और बाद में नौका पर वापस जाकर उन्होंने कहा था कि वह थक गए हैं।
- जब उन्होंने दोबारा तैरना शुरू करने का फैसला किया तो जुबिन को एक दूसरी छोटी लाइफ जैकेट दी गई, लेकिन उन्होंने उसे पहनने से इन्कार कर दिया। वह बिना लाइफ जैकेट के पानी में उतरे।
- जुबिन के शव का पोस्टमार्टम करने पर पता चला कि उनकी मृत्यु डूबने से हुई थी। चैनल के अनुसार, उनके शरीर पर कुछ चोटें पाई गईं, लेकिन ये चोटें सीपीआर और बचाव प्रयासों के दौरान आई थीं।
- प्रयोगशाला जांच में जुबिन गर्ग के रक्त में उच्च रक्तचाप और मिर्गी की दवाएं पाई गईं, अन्य कोई दवा नहीं पाई गई। प्रयोगशाला जांच में पाया गया कि गर्ग के रक्त में अल्कोहल की सांद्रता 333 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर थी, जो गंभीर नशे का संकेत देती है, जिसके कारण स्वास्थ्य समस्या हुई। सिंगापुर में कानूनी सीमा प्रति 100 मिलीलीटर रक्त में 80 मिलीग्राम अल्कोहल की है।

इजराइल ने ईरान से बढ़ते तनाव के बीच तेज कीं सैन्य तैयारियां

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल ने ईरान के साथ तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर सैन्य तैयारियों को तेज कर दिया है। इजराइल के 'आर्मी रेडियो' की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने ईरान से जुड़े संभावित सैन्य टकराव की आशंका को देखते हुए तैयारी बढ़ा दी है और इसके साथ कई सैन्य टुकड़ियों को हाई अलर्ट पर रखा है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए राजनीतिक-सुरक्षा कैबिनेट की पहले से निर्धारित बैठक को बुलाया गया है। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक 'कान' ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजराइल की हवाई रक्षा प्रणालियों में बदलाव किए गए हैं, जिसमें 'आयरन डोम इंटरसेप्टर सिस्टम' की तैनाती भी शामिल है। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, ईरान तब तक इजराइल पर हमला नहीं करेगा, जब तक अमेरिका उस पर बड़े पैमाने पर हमला नहीं करता। फिलहाल आरक्षित सैनिकों को तुरंत बुलाए जाने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। ये कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन टिप्पणियों के बाद उठाए गए हैं, जिनमें उन्होंने ईरानियों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने का आग्रह किया था और कहा था कि मदद आने वाली है।

ईरान में जारी हैं सरकार विरोधी प्रदर्शन।

ग्लोबल टीचर प्राइज : मुंबई की शिक्षिका रूबल नागी ने अंतिम 10 प्रतिभागियों में जगह बनाई

लंदन। मुंबई की कला और सामाजिक विज्ञान शिक्षिका रूबल नागी को बुधवार को लंदन के प्रतिष्ठित 'ग्लोबल टीचर प्राइज' के लिए शीर्ष 10 प्रतिभागियों में शामिल किया गया।

रूबल नागी भारत की झुग्गी बस्तियों और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं और 'रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन' तथा 'मिसाल इंडिया' की संस्थापक हैं। वह ब्रिटेन स्थित वार्की फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल टीचर प्राइज', 2026 की दौड़ में शामिल हैं, जिसे जेम्स एजुकेशन के सहयोग से और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। दस लाख डॉलर का यह पुरस्कार विश्वभर में शिक्षकों की असाधारण उपलब्धियों को सम्मानित करने और समाज में उनकी भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से दिया जाता है। इस वर्ष इसके लिए दुनिया भर से एक लाख से अधिक आवेदन और नामांकन प्राप्त हुए हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, रूस समेत 75 देशों के लिए वीजा प्रक्रिया रोकी

● सरकार के लिए बोझ बताया इन देशों के आप्रवासियों को

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल,ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए आप्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की है। यह कदम ऐसे प्रवासियों पर नकेल कसने के प्रयासों का हिस्सा है जो सरकार पर बोझ बन सकते हैं।

अमेरिका के विदेश विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी विदेश विभाग उन 75 देशों के लिए आप्रवासी वीजा जारी नहीं करेगा जिनके प्रवासी अमेरिकी जनता की कल्याणकारी योजनाओं का दुरुपयोग करते हैं। यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा जब तक अमेरिका यह सुनिश्चित नहीं कर लेता कि नए आप्रवासी अमेरिकी जनता से धन संसाधन का दोहन नहीं करेंगे।

व्हाइट हाउस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ट्रंप प्रशासन 75 देशों से आने वाले आप्रवासी वीजा की प्रक्रिया को तब तक रोक देगा जब तक अमेरिका यह सुनिश्चित नहीं कर लेता कि आने वाले आप्रवासी जनता पर बोझ नहीं बनेंगे या अमेरिकी करदाताओं से धन नहीं वसूलेंगे। अमेरिका प्रथम।

इस प्रतिबंध से सोमालिया, हैती ईरान और इरिट्रिया सहित कई देश प्रभावित हुए हैं, जिनके अप्रवासी अक्सर अमेरिका पहुंचने पर सरकार पर बोझ बन जाते हैं। बयान में कहा गया, हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि अमेरिकी जनता की उदारता का अब दुरुपयोग न हो। ट्रंप प्रशासन हमेशा अमेरिका को सबसे पहले रखेगा। 'फॉक्स न्यूज डिजिटल' द्वारा देखे गए विदेश मंत्रालय के एक ज्ञापन में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि विभाग द्वारा जांच और सत्यापन प्रक्रियाओं की पुनर्समीक्षा किए जाने तक मौजूदा कानून के तहत वीजा देने से इन्कार किया जाए।

बांग्लादेश में अगले हफ्ते से चुनाव प्रचार

ढाका। बांग्लादेश में 22 जनवरी से कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव प्रचार शुरू होगा। आम चुनाव 12 फरवरी को होंगे, जो अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहले चुनाव होंगे।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, संशोधित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, निर्वाचन अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील का निपटारा 10 से 18 जनवरी के बीच किया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया में उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 20 जनवरी है। निर्वाचन अधिकारी 21 जनवरी को उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे और चुनाव चिन्ह आवंटित करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 20 .16 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

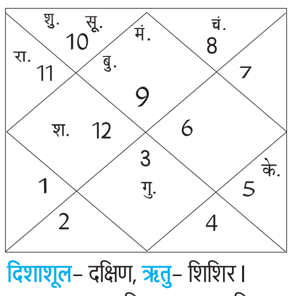

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- ज्येष्ठा 16 जनवरी 05 .47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज कारोबार में मनोनुकूल परिणाम मिलने की संभावना कम है। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। आप काफी व्यस्त रहेंगे। बच्चों की गलत गतिविधियों को नजरअंदाज न करें। विरोधी आपकी आलोचना करेंगे।

वृष - आज बुद्धिमान लोगों की संगत प्राप्त होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से आपको बचना चाहिए। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। किसी नई विधा का प्रयोग आप सीख सकते हैं। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मिथुन - आज परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। रुके हुए काम को पूरा करने में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार वृद्धि के लिए लोन ले सकते हैं। दूसरों की मदद करने से आत्मिक संतोष की अनुभूति होगी।

कर्क - आज सुबह से आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। व्यवसाय में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अपने मन की इच्छाओं को शेयर करना हितकर होगा।

सिंह - आज आपकी छोटी-छोटी गलतियों को लोग बड़ा करके दिखाएंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। पुरानी बातें दोबारा सामने उभर के आ सकती हैं। सहकर्मियों के साथ झगड़ा हो सकता है। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या - आज आपको कुछ अच्छा सीखने को मिलेगा। किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। बच्चे अपने घर के बुजुर्गों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

तुला - आज घर के बड़े आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। घर की साज-सजावट पर ध्यान देंगे। पारिवारिक जीवन बेहद सुखद रहेगा। दोस्तों के साथ दर्शनीय स्थल का आनंद ले सकते हैं। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाएंगे। यात्रा पर जाने का विचार कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। जो भी काम करें पहले उसकी योजना बना लें। शरीर में थकावट और कमजोरी महसूस हो सकती है। युवा वर्ग गलत वृत्तियों की तरफ आकर्षित हो सकते हैं।

धनु - आज पहले हुए नुकसान की भरपाई हो सकती है। प्रभावशैली लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। व्यवसाय में तेजी रहेगी। घर के किसी सदस्य के विवाह को लेकर चर्चा जोर पकड़ेगी।

मकर - आज बेवजह के मामलों में आपको फंसने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा न करें। नौकरी पेशा लोग अपनी जॉब को लेकर थोड़े तनाव में रहेंगे। मानसिक रूप से थोड़े परेशान होने की संभावना बन रही है।

कुंभ - आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन बहुत सुखमय रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। नई जॉब की शुरुआत हो सकती है। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। लवमेट्स प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

मीन - आज सीनियर्स आपकी बातों को काफी गंभीरता से लेंगे। आप अपने काम को लेकर दूसरों पर निर्भर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आप बड़ा प्रयोग करना चाहते हैं,लेकिन उसे करने में आपको कठिनाई महसूस होगी। पड़ोसियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

सुडोकू -32

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8			9					2
	5		4		8			7
3		1	6			8		5
			8			2		3
9								1
4		6			7			
7		8			5	3		6
2			7		3		9	
1					4			8

सुडोकू - 31 का हल

5	3	4	6	7	2	1	8	9
8	2	6	1	9	5	7	3	4
1	7	9	4	8	3	6	5	2
7	8	2	9	3	1	5	4	6
4	1	5	7	2	6	3	9	8
6	9	3	8	5	4	2	7	1
2	4	7	5	6	8	9	1	3
9	6	8	3	1	7	4	2	5
3	5	1	2	4	9	8	6	7

"वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। साढ़े चार साल बाद, मैं नए जोश और एक अलग दृष्टिकोण के साथ लौटा हूं, ताकि टीम के विकास में मदद कर सकूं और खिलाड़ियों को विश्व मंच पर अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद कर सकूं।
–शोर्ड मारिन

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 15 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत-पाकिस्तान मैच की टिकटों की बेहद मांग वेबसाइट क्रैश

नई दिल्ली। भारत–पाकिस्तान टी20 विश्व कप मुकाबले के टिकटों की बिक्री शुरू होते ही बुधवार को आधिकारिक वेबसाइट 'बुकमायशो' ठप (क्रैश) हो गई। पुरुषों के टी20 विश्व कप के लिए टिकटों की दूसरी चरण की बिक्री शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद कोलंबो में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मैच को लेकर भारी मांग उमड़ पड़ी। इस चरण में भारत–पाकिस्तान मुकाबले के टिकट शामिल किए गए थे, जिसके चलते वेबसाइट पर ट्रैफिक अचानक बहुत बढ़ गया। एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के लॉगिन करने और टिकट खरीदने की कोशिशों के कारण वेबसाइट के सर्वर दबाव नहीं झेल पाए और ठप हो गए।

चोटिल सुंदर टी20 श्रृंखला से भी बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। वॉशिंगटन को पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय पसली के नीचे बाएं हिस्से में असहजता हुई थी जिससे वह तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से भी बाहर हो गये थे।

महिला हॉकी टीम से जुड़े मारिन

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन एक बार फिर से राष्ट्रीय टीम के साथ मुख्य कोच के तौर पर जुड़ गये है। मारिन का इस टीम के साथ 2017 से 2021 तक का कार्यकाल सफल रहा था। मारिन को करीब दो सप्ताह पहले दोबारा इस पद पर नियुक्त किया गया था। टोक्यो ओलंपिक में टीम को ऐतिहासिक चौथा स्थान दिलाने के बाद यह उनकी भारतीय महिला टीम के कोचिंग प्रणाली में उनकी वापसी है। हॉकी इंडिया ने मारिन की फोटो साझा की।

राहुल के शतक पर भारी पड़े मिचेल, कीवियों ने बराबरी की

दूसरा एकदिवसीय मुकाबला : टीम इंडिया 7 विकेट से परास्त

भारत 284/7
न्यूजीलैंड 286/3

राजकोट एजेंसी

डेरिल मिचेल की नाबाद 131 रन की पारी और विल यंग (87) के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे मैच में बुधवार को यहां भारत को सात विकेट से शिकस्त दी।

भारतीय स्पिन गेंदबाज एक बार फिर घरेलू मैदान पर प्रभाव नहीं छोड़ सके और न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 285 रन के लक्ष्य को 15 गेंद शेष रहते हासिल कर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। निरंजन शाह स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर न्यूजीलैंड ने न सिर्फ बेहतर ढंग से परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला बल्कि भारत से कहीं बेहतर प्रदर्शन भी किया।

केएल राहुल की 91 गेंदों में खेली गई नाबाद 112 रन की पारी (नौ चौके और एक छक्का) के बावजूद भारत को सात विकेट पर 284 रन ही बना सका। न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रृंखला का निर्णायक तीसरा वनडे रविवार को इंदौर में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की पिछली भारत यात्रा के दौरान भारत पर 3-0 से टेस्ट श्रृंखला जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग और डेरिल मिचेल ने इस मैच में भी जरूरी रन गति के छह से अधिक होने के बाद भी संयम और नियंत्रण के साथ बल्लेबाजी की। दूसरे विकेट के लिए दोनों ने 152 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की और इस दौरान रन गति को पांच से ऊपर रखने में सफल रहे। विल यंग ने 98 गेंदों में 87 रन की ठोस पारी खेली, जिसे मिचेल की शानदार बल्लेबाजी का पूरा साथ मिला। मिचेल ने स्वीप शॉट का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए भारत के खिलाफ अपना तीसरा शतक लगाया। उन्होंने 117 गेंदों में नाबाद 131 रन बनाए। न्यूजीलैंड की 50 ओवर के इस मुकाबले में जीत ने एक बार फिर उस समस्या को उजागर कर दिया, जिससे भारत पिछले करीब दो साल से टेस्ट क्रिकेट में जूझ रहा हैं।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल। एजेंसी

डेथ-ओवर्स में राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

राजकोट। वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं। राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग–ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया। भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली। उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ, उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं – 10 पारियों में 93 .8 की औसत और 111 .13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है।

112 रन
92 गेंद
11 चौके
01 छक्का
केएल राहुल।

भारत

284/7 (50 ओवर)

रोहित शर्मा का यंग बो क्लार्क	24
शुभमन का मिचेल बो जैमीसन	56
विराट कोहली बो क्लार्क	23
अय्यर का ब्रेसवेल बो क्लार्क	08
केएल राहुल नाबाद	112
रविंद्र जडेजा का और बो ब्रेसवेल	27
नीतिश का फिलिप्स बो फोक्स	20
राणा का ब्रेसवेल बो लेनोक्स	02
मोहम्मद सिराज नाबाद	02

गेंदबाजी : जैमीसन 10–2–70–1, फोक्स 9–0–67–1, क्लार्क 8–0–56–3, लेनोक्स 10–0–42–1, ब्रासवेल 10–1–34–1, फिलिप्स 3–0–13–0

न्यूजीलैंड

286/3 (47.3 ओवर)

डेवोन कोन्वे बो राणा	16
हेनरी निकोल्स बो कृष्णा	10
विल यंग का रेड्डी बो कुलदीप	87
डेरिल मिचेल नाबाद	131
ग्लेन फिलिप्स नाबाद	32

गेंदबाजी : सिराज 9–0–41–0, राणा 9 .3–1–52–1, कृष्णा 9–0–49–1, रेड्डी 2–0–13–0, जडेजा 8–0–44–0, कुलदीप 10–0–82–1

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे कोहली

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में शानदार अर्धशतक बनाने के बाद आईसीसी की वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह 37 वर्षीय बल्लेबाज जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचा है। पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के कारण पूर्व कप्तान रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत ने रविवार को खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। कोहली ने 91 गेंदों पर 93 रन बनाए। इस पारी के दौरान वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

दिल्ली ने यूपी को सात विकेट से हराया

दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाज शेफाली वर्मा (बाएं) और लिजेल ली। एजेंसी

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

लिजेल ली (67) और शेफाली वर्मा (36) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स महिला ने बुधवार को यूपी वॉरियर्ज को सात विकेट से शिकस्त दी। लॉरा वुलफार्ट ने मैच की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए शेफाली वर्मा और लिजेल ली की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए 94 रन जोड़े। 12वें ओवर में सोभना आशा ने शेफाली वर्मा को आउटकर यूपी वॉरियर्ज को पहली सफलता दिलाई। शेफाली वर्मा ने 32 गेंदों में छह चौकों की मदद से 36 रन बनाये। 15वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लिजेल ली को आउट कर दिया। लिजेल ली ने 44 गेंदों आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 67 रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने कप्तान जेमिमाह रॉड्रिग्स 14 गेंदों में 21रन को आउटकर मैच को रोमांचक कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स महिला ने तीन विकेट पर 158 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। लॉरा वुलफार्ट 24 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रही। और मैरीजान कप्प ने नाबाद पांच रन बनाये। यूपी वॉरियर्ज के लिए दीप्ति शर्मा ने दो विकेट लिए। सोभना आशा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली कैपिटल्स महिला ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 154 रन का स्कोर बनाया। कप्तान मेग लानिंग ने टीम के लिए सर्वाधिक 54 रनों की पारी खेली। उन्होंने 38 गेंदों का सामना किया।

यूपी और पंजाब के बीच होगा पीडब्ल्यूएल का आगाज

नोएडा। यूपी डोमिनेटर्स टीम के सामने प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के मौजूदा सत्र के शुरुआती मैच में पंजाब रॉयल्स की चुनौती होगी। इस मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें दो बार की अंडर-20 विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल पर होंगी। अंतिम महिला 53 किग्रा वर्ग में पंजाब रॉयल्स की मीनाक्षी से भिड़ेंगी।

महिला 62 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता एना गोडिनेज का मुकाबला अंडर-23 विश्व पदक विजेता निशा दहिया से होगा हैवीवेट (125 किग्रा) वर्ग में यूपी डोमिनेटर्स के 19 वर्षीय एशियाई चैंपियनशिप रजत पदक विजेता जसपूरन सिंह का सामना पंजाब के आकाश से हो सकता है। यूक्रेन के वासिल पुरुषों के मिडलवेट वर्ग (86 किग्रा) में बागोमेदोव से भिड़ेंगे।

कर्नाटक और विदर्भ के बीच पहला सेमीफाइनल आज

- विजय हजारे ट्रॉफी का मुकाबला दोपहर 1:30 बजे से
- बेहतरीन फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर रहेगी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल कर्नाटक और विदर्भ के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर पैदा कर सकते हैं। पडिक्कल इस समय शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म का नजारा मुंबई के खिलाफ सेमीफाइनल में किया था जहां उनके नाबाद अर्धशतक की मदद से कर्नाटक ने जीत हासिल की थी। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में चार शतक लगाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा कर्नाटक की टीम में कप्तान मयंक अग्रवाल, करुण नायर और अभिनव मनोहर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं जिससे वह इस विभाग में काफी मजबूत नजर आ रहा है।

कर्नाटक के गेंदबाजों ने भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। विद्वथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, विद्याधर पाटिल और विजयकुमार वैशाक की उसकी तेज गेंदबाजी की चौकड़ी ने इस सत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। विदर्भ के बल्लेबाजों ने भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम कई अवसरों पर 300 रन का आंकड़ा छूने में सफल रही है। बड़ौदा के खिलाफ ग्रुप चरण में उसकी नौ विकेट की जीत उल्लेखनीय है, जिसमें उसकी टीम ने 293 रन का लक्ष्य 50 गेंद शेष रहते हासिल किया था।

टीम

कर्नाटक : मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, अभिलाष शेट्टी, श्रीशा अचार, हर्षिल धर्माणी, श्रेयस गोपाल, अभिनव मनोहर, मनवंत कुमार, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव प्रभाकर, प्रसिद्ध कृष्णा, केएल राहुल, बीआर शरथ, कृष्णन श्रीजीत, रविचंद्रन स्मरण, विजयकुमार विशाक।

विदर्भ : हर्ष दुबे (कप्तान), यश ठाकुर, गणेश भोसले, नचिकेत भुते, शिवम देशमुख, शुभम दुबे, प्रफुल्ल हिंगे, यश कदम, अमन मोखड़े, दर्शन नालकंडे, दीपेश परवानी, यश राठौड़, पार्थ रेखाडे, रविकुमार समर्थ, ध्रुव शौरी, अथर्व तायडे, अक्षय वाडकर।

पीवी सिंधु पहले दौर से बाहर श्रीकांत और मालविका जीते

इंडिया ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु बुधवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं जबकि किदांबी श्रीकांत, एच एस प्रणय और मालविका बंसोड़ दूसरे दौर में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद कड़े मुकाबले में हार गईं जबकि श्रीकांत ने भारत के ही थारुन मानेपल्ली को हराया।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की चैंपियन सिंधु को एक घंटा और आठ मिनट चले पहले दौर के मुकाबले में दुनिया की 23वें नंबर की वियतनाम की खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 22-20, 12-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। इंडिया ओपन 2015 के चैंपियन और दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मान्नेपल्ली को 53 मिनट में 15-21, 21-6, 21-19 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में एकतरफा जीत दर्ज की और फिर निर्णायक गेम में थारुन की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए जीत दर्ज की। श्रीकांत अगले दौर में फ्रांस के पांचवें वरीय क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे जिन्होंने चीनी ताइपे के जू वेई वैंग को 13-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रणय ने हांगकांग के ली चेयुक यिउ को 41 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। यह भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में आठवें वरीय सिंगापुर के लोह कीन येव के खिलाफ उतरेगा जिन्होंने चीन के वैंग झेंग शिंग को 23-21, 19-21, 21-14 से शिकस्त दी। पिछले सत्र के दूसरे हाफ में चोटों से परेशान रही मालविका बंसोड़ ने भी कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे की पाइ यु पो को 51 मिनट में 21-18, 21-19 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अगले दौर में उनकी भिड़ंत चीन की हेन युइ से होगी।

एनगुएन से लगातार तीसरी बार हारीं सिंधु

एनगुएन के खिलाफ सिंधु की यह लगातार तीसरी हार है और उनके लिए यह नतीजा बड़ा झटका है क्योंकि वह पिछले हफ्ते मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल में पहुंची थी और घरेलू प्रशंसकों को उनसे यहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

लिया पक्ष

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट की आलोचना के बाद दी प्रतिक्रिया

मेजबानी के दौरान कोई न कोई कमी होती है : श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उसे गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था।

हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है।

श्रीकांत ने कहा मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है क्योंकि हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। उन्होंने कहा सिंगापुर में बहुत अधिक ड्रिफ्ट होता है और मलेशिया में शायद इसकी तुलना में थोड़ा कम। इंडोनेशिया में नवीनीकरण से पहले शटल काफी तेज जाती थी। हर देश की अपनी चुनौती होती है।

ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा कि उन्होंने उनका बयान विस्तार से नहीं पढ़ा है लेकिन उन्हें लगता है कि हालात अस्वीकार्य नहीं थे। श्रीकांत ने कहा, ''सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है। लेकिन मुझे लगता है कि परिस्थितियां ठीक हैं। मैंने कोई बुरी चीज होते हुए नहीं देखी। उन्होंने कहा 2016 या 2017 में मुझे डेनमार्क में अपने मैच के बीच में लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि बत्ती गुल हो गई थी।

श्रीकांत ने एचएस प्रणय से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया जिन्हें दो दिन में एक मैच पूरा करना पड़ा था। उन्होंने कहा एक बार प्रणय मुझे बता रहे थे कि उन्हें अपना मैच अगले दिन खेलना पड़ा। उन्होंने पहले दिन एक गेम खेला और फिर अगले दिन दूसरा गेम। श्रीकांत ने कहा ये चीजें हो जाती हैं, कोई जानबूझकर ऐसा नहीं करता।

एंटोनसन ने दिल्ली प्रदूषण के कारण नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के दुनिया के नंबर 3 बैडमिंटन खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर वायु प्रदूषण को लेकर चिंताओं के कारण लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम वापस ले लिया है। एंटोनसन ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए यह खुलासा किया, जिसमें बताया कि दिल्ली में मौजूदा हवा की क्वालिटी के कारण उन्होंने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। एंटोनसन ने लिखा इस समय दिल्ली में बहुत ज़्यादा प्रदूषण के कारण, मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए सही जगह है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गर्मियों तक हालात बेहतर हो जाएंगे, जब शहर में वर्ल्ड चैंपियनशिप होनी है।